फतुहा वीरो की धरती

स्वतंत्रता संग्राम में रहा महत्वपूर्ण योगदान : ग्रामीण एसपी

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

फतुहा के दरियापुर अवस्थित आर्चाय कबीर पीठ में प्रेम यूथ फांउडेशन की ओर से एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घघाटन पटना के ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग ने दीप प्रज्वलन और शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा की आज स्वतंत्रता सग्राम में वीर शहीदों के कारण ही देश आजाद हुआ है और हमलोग आजाद भारत में रह रहे है। फतुहा वीरो की धरती है, हम इसको नमन करते है। स्वतंत्रता संग्राम में फतुहा के हमारे पुरखों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यह हम लोगो के लिए गौरव की बात है। उन्होंने युवाओ से आह्वान किया की राष्ट्रीय एकता और अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हम सभी को नेशन फर्स्ट की भावना से कार्य करने की जरूरत है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जत्थेदार ज्ञानी रंजीत सिंह गौहर मुख्य ग्रंथि पटना साहीव गुरुद्वारा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता में अहम योगदान देने बाले स्वतंत्रता सेनानी एवं अमर शहीदों के परिजन को सम्मानित करने का कार्य बहुत सराहनीय है। फतुहा में बहुत जल्द हम एक अस्पताल का निर्माण करेंगे, जहां सभी का मुफ्त चिकित्सा की व्यवस्था रहेगा। प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि देश के सर्वोच्च वलिदान करने बाले महान सपूतों के परिजन के लिए हम अंतिम सांस तक लड़ेंगे। आचार्य कबीर मठ फतुहा के मंहथ शिवानंद दास, समाजिक कार्यकर्ता आनंद मधुकर, फतुहा डीएसपी-1 अवधेश प्रसाद, फतुहा डीएसपी -2 संजीव कुमार, फतुहा सक्रिल इंसपेक्टर माया देवी, फतुहा थानाध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज, फतुहा रेल थानाध्यक्ष मनोज कुमार, बंकाघाट जीआरपी प्रभारी गनौरी दास ने भी स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान मे समारोह को संबोधित किया। आगत अतिथियों का स्वागत प्रेम यूथ फांउडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम कुमार ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में स्वतंत्रता सग्राम में शहीदों के परिजनों, कोराना काल में स्थापित लाईफ लाइन

ऑक्सीजन बैंक में सेवा देने वाले समाजिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और समाजिक कायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाजिक कार्यकर्ताओं को प्रमाण -पत्र, मेंमोटों और अंगवस्त्र देकर आगत अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। पत्रकारिता के क्षेत्र में सकारात्मक पत्रकारिता के लिए पत्रकार अमरेश कुमार सिंह का स्वागत फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं जीआरपी प्रभारी गनौरी दास ने किया। इसक्रम में देश भक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। महान स्वतंत्रता सेनानी शिव महादेव बाबू के पौत्र ऋषिकेश यादव, लक्ष्मण शाहू, उमेश सिंह सुडीहा समेत 38 स्वतंत्रता सेनानी एवं 18 अमर शहीद के परिजनों को सम्मानित किया गया। मौके पर समाजसेवी शिशुपाल कुमार, वरिष्ठ पत्रकार अमरेश कुमार सिंह, सुरजीत कुमार, डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल, क्रांतिकारी शोभा देवी, अनामिका अग्रवाल, रंजना पटवा, पुनम कुमारी, कामेश्वर क्रांतिकारी, गोपी कुमार, हिमांशु शर्मा, पंकज कुमार, सुनील कुमार, रवि प्रकाश, रांसी कुमार समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे।●

चुनावी सफर में प्रत्याशियों की हमसफर है होम्योपैथिक दवा

● **डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह**

चुनाव...चुनाव...चुनाव..., आजकल हर तरफ केवल चुनाव की ही चर्चा है। किसी को टिकट लेने की चिंता है ,तो किसी को टिकट कटने की, हर नेता किसी न किसी प्रकार चुनाव जीतना चाहता है परंतु चुनाव का सफर इतना आसान नहीं। चुनाव में अनेक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी हो सकती है। चुनाव प्रचार के दौरान भाषण देते नेताजी का गला बैठ जाना अथवा वोटो के गुणा भाग में आत्मविश्वास में कमी के कारण नींद उड़ गई हो तो इन सभी समस्याओं का समाधान होम्योपैथिक में है और वह भी तात्कालिक असर के साथ चुनावी मैदान टिके रहने में कोई परेशानी नहीं आएगी। ऐसे स्थिति में होमियोपैथी दवा ईस्तेमाल कर स्वस्थ रह सकते हैं।

✯ लक्षणों के आधार पर दवा का चुनाव :-

☞ भाषण देते देते यदि गला बैठ गया हो तो होमियोपैथी दवा कोका का मदर टिंचर पांच-पांच बूद आधे - आधे घंटे पर लेने से गला साफ हो जाएगा तथा आवाज पूरी तरह खुल जाएगी।

☞ अधिक बोलने से स्वर यंत्र की कार्य शक्ति कम हो जाती है और कई बार बोलते समय स्वर भंग हो जाता है ऐसी स्थिति में होम्योपैथिक दवा आरम ट्रिफाइमलम 30 कुछ खुराके ले लें। समस्या समाप्त हो जाएगी।

☞ भाषण के दौरान आवाज फंसने लगे तो अर्जेटम मिटालिकम 30 की कुछ खुराक आवाज साफ हो जाएगी।

☞ चुनाव के दौरान प्रत्याशी जीत के गुणा भाग में लगे रहते हैं। जीत होगी कि नहीं आदि लगी रहती है इन सब कारणों से प्रत्याशी में घबराहट, बेचैनी, आत्म विश्वास की कमी के परेशानी होती है ऐसे में स्थिति में अर्जेटम नाईट्रिकम 30 कि कुछ खुराके ले लें तो इन सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

☞ प्रत्याशी कल की चिंता करते हैं की कल कहां से प्रचार शुरू करें, वहां रिस्पॉन्स मिलेगा या नहीं मिलेगा कैसा मिलेगा। इस बातों को लेकर यदि आत्म विश्वास की कमी हो तो होमियोपैथी दवा लाइकोपोडियम 30 कुछ खुराके लें। चिन्ता मुक्त कर देगी।

☞ चुनाव में दिनभर भाग दौड़ से शरीर पस्त हो जाता है, सुस्ती आ जाती है काम करने की इच्छा नहीं करती है। ऐसे में स्थिति में प्रचार करने निकले तो होम्योपैथिक दवा एवेना सेटाइवा का मदर टिंचर की 30 बूंद थकान दूर कर देगी।

☞ दिन भर भाषण, बहस, माथा पच्ची की चिंता एवं मतदाताओं को समझाने में मानसिक थकान आ जाती है ऐसे स्थिति में होमियोपैथी दवा एसिड फास 30 के प्रयोग से दिमाग ताजा हो जाएगा। चुनावी सफर में आपका हमसफर साबित हो सकती है। यह लेख डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल होमियोपैथी अस्पताल स्टेशन रोड, फतुहा, पटना, मो 9204090774 की है। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें।●

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा ‘भात पर गोतिया’ कार्यक्रम का भव्य आयोजन

● **अमित कुमार**

24 अगस्त 2025 को पटना स्थित बाबू जगजीवन राम शोध संस्थान में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा पारंपरिक और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने वाले ‘भात पर गोतिया’ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन समाजिक समरसता, पारिवारिक एकजुटता एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण करते हुए भगवान भास्कर का स्तुति कर वेद युक्त मंत्रो द्वारा मंत्रोंचारण होने के पश्चात दीप प्रज्वलित किया गया। बता दें कि कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में शाकद्वीपीय ब्राह्मण बंधु सपरिवार उपस्थित हुए। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों, बुद्धिजीवियों, युवाओं और महिला मंडलों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और भी गरिमामय बना दिया। मुख्य वक्ताओं ने भात पर गोतिया की परंपरा को समाज में भाईचारे, आपसी सौहार्द और पहचान के माध्यम के रूप में वर्णित किया। उन्होंने इस परंपरा को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने और समाज को संगठित रखने के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतरता पर बल दिया। कार्यक्रम के संयोजकगणों ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ‘भात पर गोतिया’ जैसे आयोजनों से समाज के भीतर आपसी संवाद, आत्मीयता और सांस्कृतिक चेतना को नया आयाम मिलता है।

गौरतलब है कि शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा पारंपरिक और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने वाले ‘भात पर गोतिया’ कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में पारंपरिक भोज था, जिसमें समाज की सांस्कृतिक रसोई की विविधता देखने को मिली। इसके साथ ही गोत्र मिलन परिचय सत्र, जिसमें नई पीढ़ी को अपने वंश, गोत्र व परंपरा की जानकारी दी गई। अन्य आकर्षण में संस्कृतिक प्रस्तुति थी, जिसमें समाज के युवाओं ने पारंपरिक गीतों और नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से समरसता का संदेश दिया। वही बता दें कि युवा संयोजक सह कार्यक्रम प्रभारी सौरभ मिश्रा ने बताया की, अब समाज के युवा पीढ़ी नई क्रांति की ओर बढ़ रहे है। जो दल हमें राजनीतिक भागीदारी में सम्मिलित करेगा हमारा समाज उसी के साथ मजबूती के साथ खड़ा रहेगा। अब किसी दल के बैनर तले रहना स्वीकार नहीं हैं। समाज को शिक्षित एवं सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। वही अध्यक्ष कमलेश पुण्यार्थी के साथ अध्यक्षीय भाषण श्रीधर पांडे और प्रकाश मिश्रा ने उक्त कार्यक्रम ‘भात पर गोतिया’ के विवरण पर प्रकाश डाला।

अंत में, समाज के प्रमुख प्रतिनिधियों ने इस आयोजन को वार्षिक रूप से आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की तथा भविष्य में इसे और व्यापक स्तर पर आयोजित करने की योजना की घोषणा की। सनद् रहे कि ‘भात पर गोतिया’ के मुख्य कार्यक्रम संयोजक ब्रजेश मिश्र उरवार ने बताया कि इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर सभी परिवार ने यह तय किया कि आगामी 2026 में ‘शाकद्वीपीय परिवार महाकुंभ’ का आयोजन गाँधी मैदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दल जो हमारे समाज की उपेक्षा कर रहा है, जो बर्दाश्त के बाहर है। अभी बिहार में विभिन्न अयोगो का गठन हुआ परंतु हमारे किसी भी समाज के सदस्यों को उनमें जगह स्थान नहीं मिला, इससे समाज में घोर आक्रोश व्याप्त हैं। ●

तेली तमोली दांगी का काला कानून के विरोध में विधानसभा का घेराव

● अमित कुमार सिंह/अनीता सिंह

24 जुलाई को पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान से तेली होली दाँगी का काला कानून वापस ले नितीश सरकार नही तो आने वाला विधानसभा 2025 में मूल अति पिछड़ा के 111 जाति के 40 से 45 फीसदी आवादी बिहार की आवादी के लगभग 6 करोड़ इस बार अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी लेकर रहेगा। आजादी के 79 साल बीत जाने के बाद भी मूल अति पिछड़ा का राजनीतिक विकास नही हुआ। अति पिछड़ा के वोट के बदौलत कई दशक तक सत्ता का भोग किया। 90 के दशक से 15 वर्ष अति पिछड़ा के बदौलत शासन किया।

नीतीश कुमार ने 20 वर्ष तक अति पिछड़ा के वोट की ताकत से सत्ता पर आसिन रहे और 2015 में नितीश कुमार ने तेली तमोली दाँगी को मूल अति पिछड़ा में शामिल कर काला कानून लाया मूल अति पिछड़ा का कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में 90 से 95% सीट पर तीनों का कब्जा कर 200 वर्ष पीछे धकेलने का काम नितीश और लालू ने किया। पूर्व MLC प्रो० डॉ० रामवली सिंह चन्द्रवंशी ने कहा कि नितीश कुमार ने अगर जल्द फैसला लेकर सही निर्णय नहीं लिया तो आगामी विधानसभा में बेदखल कर स्वयं का सरकार बनायेगे। विधानसभा का घेराव के लिए पूर्व MLC रामवली सिंह चन्द्रवंशी के नेतृत्व में अजय कानु, राम रतन ठाकुर, नीतू नीसाद समेत हजारों हजार की संख्या में बिहार समेत पूरे देश के एवं बिहार के कुल 38 जिले के 111 जाति के लोग आये और पटना जिला के प्रशासन ने डाक बंगला चौराहा से लेकर हरेक जगह आन्दोलन को विफल बनाने की भरपुर कोशिश किया लेकिन बेकाबू भीड़ ने नीतीश के सपना पर पानी फेर दिया और सफलता पूर्वक विधानसभा घेराव कर अपना आन्दोलन को सफल बनाया और सरकार को चेतावनी दी की वक्त रहते संभल जायेगे तो नितिश कुमार जी नहीं तो आने वाला समय मूल अति पिछड़ा का होगा। 3% आरक्षण का खेल नितीश और लालू 1990 से 2025 तक खेलते आ रही है। अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मूड बना लिया है। अति पिछड़ा पर हो रहे अत्याचार, हत्या, बलात्कार रोकने के लिए SC/ST के तर्ज पर अति पिछड़ा अत्याचार निवारण कानून बना और पंचायत में 20% को बढ़ाकर 33% आरक्षण लागू करो। इस आन्दोलन में हुमायूँ अंसारी, शिवपूजन ठाकुर, चेयरमैन प्रमोद सिंह चन्द्रवंशी, भरत चन्द्रवंशी, दिनेश चन्द्रवंशी शंकर चन्द्रवंशी समेत हजारो-हजार की संख्या में पटना कुच कर आन्दोलन सफल बनाया। ●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

डेरमा से विदाई ठेरा प्रधानाध्यापक की चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी

● अनीता सिंह/मिथिलेश कुमार

अकबरपुर प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय डेरमा से प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित कुमार को 21/07/2025 को बिदाई दी गई। प्रभारी प्रधानाध्यापक अमित कुमार को स्कूल प्रधानाध्यापक लुना कुमारी एवं विद्यालय परिवार ने सम्मान के साथ बुके और फूल माला देकर विदा किया। अब उन्हें वारिसलीगंज उच्चतर माध्यमिक ठेरा का नवनियुक्त BPSC के द्वारा प्रधानाध्यापक कुमारी राखी रंजन को प्रभार ग्रहण करवाया। इस समारोह के साथ इनका स्वागत किया गया। विद्यालय परिवार के संदीप कुमार, अमित कुमार, अभय कुमार, विरेन्द्र कुमार, रीना कुमारी, प्रवीण रंजन, प्रहलाद कुमार, राजीव कुमार मौजूद रहे शिक्षक ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। सरकार भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। सरकार भी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए समर्पण है। ACS डॉ० एस० सिद्धार्थ का भी निर्देश है कि विद्यालय गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा गरीब वंचित समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। जिला शिक्षा पदाधिकारी दीपक कुमार के साफ शब्दो मे कहा कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा से कोई समझौता नही होगा।

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में इन्होने सफलता प्राप्त कर प्रधानाध्यापक पद के लिए सुयोग्य घोषित किये गए शिक्षा विभाग के द्वारा आदेश जारी के बाद इन्होंने विद्यालय में योगदान दिया। योगदान के बाद उन्होंने कहा कि विद्यालय मे छात्रों का बेहतर शैक्षणिक माहौल गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारी प्राथमिकता होगी उन्होंने कहा कि विद्यालय में छात्र अनुशासित होकर शिक्षा ग्रहण करेंगे एवं विद्यालय गाँव, का नाम रौशन करेंगें। हमारा विद्यालय आने वाले दिनों में प्रखंड से जिला तक की श्रेणी में शामिल होगा। पूर्व के विद्यालय मे हमने सुशासन का राज स्थापित विधिपूर्ण विद्यालय का संचालन कर बेहतर शिक्षा का माहौल दिया। मेरा प्रयास है यहाँ भी गुणवतापूर्ण शिक्षा का माहौल बनाना। समाज के वंचित दलित अंतिम पायदान के व्यक्ति को शिक्षा देकर समाज के मुख्य धारा से जोड़ना मेरी प्राथमिकता होगी। वही भवन स्मार्ट क्लास 3 ACR प्रयोगशाला चार दिवारी एवं अन्य चीजें उपलब्ध कराना हमारी लिए चुनौती पूर्ण होगी।

अमित कुमार ग्राम हंडिया प्रखंड+थाना नारदीगंज जिला नवादा के स्थायी निवासी है। इनकी सफलता पर इन्होने अपर मुख्य सचिव ग्रामीण कार्य विभाग एवं राजस्व श्री दीपक कुमार सिंह पूर्व D.G.P. झारखण्ड अजय कुमार सिंह राज्यसभा सांसद डॉ० भीम सिंह चन्द्रवंशी मंत्री डॉ० प्रेम कुमार बिहार सरकार एम एल सी डॉ० प्रमोद चन्द्रवंशी, पूर्व MLC डॉ० रामवली सिंह चन्द्रवंशी पूर्व सांसद चन्द्रशेखर चन्द्रवंशी पूर्व सदस्य अति पिछड़ा आयोग प्रमोद चन्द्रवंशी, संपादक केवल सच ब्रजेश मिश्र, D.I.G. अशोक कुमार, D.I.G. पंकज राज, D.I.G. उपेन्द्र वर्मा S.P. संजय सिंह, S.P. अनुपम कुमार, Dy. S.P. कृति कमल, Dy. S.P. सुधीर कुमार, DEO तनवीर आलम, DEO दीपक कुमार, DPO प्रियंका कुमारी, प्रो० डॉ० विजय कुमार, आलोक वंदन, चन्द्रशेखर दास, लव कुश, युवराज ने बधाई आशीर्वाद और शुभकामनाएँ दी। ●

शिक्षक श्रीकांत कुमार

गांव की पाठशाला से परिवर्तन की मशाल तक

● मिथिलेश कुमार

एक कक्षा के कोने में बैठा वह बच्चा, जिसकी आँखों में जिज्ञासा है, पर हाथ खाली हैं। वही शिक्षा की सबसे बड़ी चुनौती और सबसे गहरा उद्देश्य है। ऐसे बच्चों के जीवन में बदलाव लाने वाले शिक्षक, केवल विषय नहीं पढ़ाते, वे भविष्य गढ़ते हैं। वे उस मिट्टी के कुम्हार हैं, जो कच्चे मानस को आकार देकर समाज के स्तंभों को जन्म देते हैं। श्रीकांत कुमार, बिहार के नवादा जिले के महादेव बिगहा प्राथमिक विद्यालय के सहायक शिक्षक, ऐसे ही एक शिक्षक हैं जो न सिर्फ कक्षा में पढ़ाते हैं, बल्कि जमीनी हकीकतों से जूझते हुए समाज को आकार देने का कार्य कर रहे हैं।

श्रीकांत कुमार की कहानी एक छोटे से गाँव की पाठशाला से शुरू होती है, पर उनकी सोच और कार्यशैली इतनी व्यापक है कि वह आज राज्य पुरस्कार विजेता शिक्षक हैं, जिनके कार्यों की प्रशंसा प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के शीर्ष अधिकारियों तक ने की है। लेकिन उनकी यह यात्रा केवल पुरस्कारों की नहीं, बल्कि संघर्ष, नवाचार, समर्पण और संवेदनशीलता की कहानी है। जब श्रीकांत पहली बार विद्यालय पहुँचे, तो उनके सामने एक वीरान-सा माहौल था। बच्चों की उपस्थिति नगण्य, किशोरियाँ विद्यालय आने से कतरातीं और कक्षा की दीवारें मानो मौन थीं। लेकिन श्रीकांत ने इसे अपनी नियति नहीं माना। उन्होंने एक संकल्प लिया, 'इस विद्यालय को मैं बच्चों के सपनों का घर बनाऊँगा' और फिर शुरू हुआ बदलाव का सिलसिला। उन्होंने खुद ब्रश उठाया, दीवारों को रंगा, चित्र बनाए। ऐसा विद्यालय बनाया, जहाँ बच्चे खुद को घर जैसा महसूस करें। रंग-बिरंगी दीवारें, आकर्षक चित्र, बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर और श्लोगन और एक ऐसी कक्षा जिसकी हर दीवार बच्चों को कुछ कहती है। यह सब श्रीकांत के हाथों की रचना है। उन्होंने 'किशोरी कक्ष' की स्थापना कर उन सामाजिक वर्जनाओं को चुनौती दी जो किशोरियों को शिक्षा से वंचित कर रही थीं। इस कक्ष में न केवल स्वच्छता संबंधी सामग्री उपलब्ध कराई गई, बल्कि आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना भी विकसित की गई। इसके परिणामस्वरूप किशोरियों की उपस्थिति बढ़ी और उनका आत्मविश्वास भी।

शैक्षणिक संसाधनों की कमी को सामाजिक सहयोग से दूर किया गया। रिटायर्ड शिक्षकों, स्थानीय समाजसेवियों और सैनिक स्कूल के पूर्व छात्रों के सहयोग से ग्रीन बोर्ड, ग्लोब, एटलस, डिक्शनरी और अन्य अध्ययन सामग्री विद्यालय तक पहुँची। कक्षा 6 और 7 को गोद लिया गया और सप्ताह में शैक्षणिक सहयोग की व्यवस्था हुई। यह साबित करता है कि जब कोई शिक्षक ठान ले, तो समाज भी साथ खड़ा होता है।

श्रीकांत का पर्यावरण प्रेम उनकी शिक्षकीय पहचान से कहीं बड़ा है। "Say No

शिक्षक श्रीकांत वंचित बस्तियों में जगा रहे शिक्षा का अलख

जब शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रहकर समाज की जड़ों तक पहुंचते हैं, तो बदलाव की असली शुरुआत होती है। कुछ ऐसा ही कर रहे हैं सरकारी विद्यालय के शिक्षक श्रीकांत, जो वर्षों से दलित और वंचित समुदाय के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। श्रीकांत का कार्यक्षेत्र केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है। वे स्कूली समय के बाद झुग्गी बस्तियों, ईंट भट्ठों और कचरा बीनने वाले बच्चों के पास खुद जाकर नामांकन, पुनः नामांकन और पढ़ाई में मदद करने का काम कर रहे हैं। यह कोई एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहा एक सतत संघर्ष और सेवा का मिशन है। पोजपर की दलित बस्ती में जब वे कीचड़ से सनी जमीन पर बैठकर मजदूर अभिभावकों को समझाते हैं कि उनके बच्चों का भविष्य शिक्षा में है, तो यह सिर्फ एक शिक्षक की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता और सामाजिक चेतना की एक जीवंत तस्वीर बन जाती है। उनका यह प्रयास अब एक आंदोलन का रूप ले रहा है। दर्जनों बच्चे जो कभी स्कूल का नाम तक नहीं जानते थे, आज पठन-पाठन में रुचि ले रहे हैं। खुद श्रीकांत बताते हैं। ष्मैं बस अपना सामाजिक दायित्व निभा रहा हूँ। गांधी जी ने जिस समतावादी समाज का सपना देखा था, मैं उसी दिशा में छोटा-सा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूँ।ष स्थानीय लोग भी उनके इस प्रयास में बढ़-चढ़कर सहयोग दे रहे हैं। बच्चे ही नहीं, अभिभावकों में भी शिक्षा को लेकर जागरूकता आई है। यह पहल उन सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है जो मानते हैं कि परिवर्तन केवल नीति या योजना से नहीं, जमीनी स्तर के समर्पण से आता है। श्रीकांत का यह अभियान शिक्षा के माध्यम से सामाजिक न्याय की स्थापना की एक मिसाल बन चुका है। गांधी के विचारों की जीवंत मिसाल बने श्रीकांत, आज उन हजारों बच्चों के जीवन में उम्मीद की एक नई किरण बन गए हैं।

to Plastic" और "Save Water, Save Life" जैसे अभियानों को उन्होंने केवल नारे तक सीमित नहीं रखा। बच्चों की बाल संसद बनाई गई, जिसमें वे खुद निर्णय लेते, योजनाएँ बनाते और मोहल्लों में जाकर जन-जागरण करते। प्लास्टिक कचरे से उपयोगी वस्तुएँ बनाना, सूखे तालाबों की जानकारी इकट्ठा करना और जल संरक्षण पर पोस्टर-रैली जैसे प्रयासों ने बच्चों को सिर्फ पाठ्यक्रम नहीं, जीवन जीने का सलीका सिखाया। श्रीकांत का मानना है कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का औजार है। इसी सोच के तहत उन्होंने बच्चों को पाइप वायरिंग, मिट्टी की मूर्तियाँ बनाना, टेडी बियर बनाना, नृत्य, मेडिटेशन और योग जैसे कौशल भी सिखाए। विद्यालय के बच्चों ने जहाँ एक ओर स्थानीय भ्रमण से व्यवहारिक ज्ञान पाया, वहीं लाइब्रेरी और आर्ट गैलरी ने उनकी कल्पनाशक्ति को नई उड़ान दी। कोरोना काल में जब देश थमा हुआ था, श्रीकांत की गतिविधियाँ और जागरूकता अभियान गाँव में आशा की किरण बनकर उभरे। उन्होंने न केवल बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के प्रयास किए, बल्कि जरूरतमंदों को सहायता भी प्रदान की। उनकी उपलब्धियाँ पुरस्कारों तक सीमित नहीं रही। 2023 में जिला शिक्षक पुरस्कार, 2024 में राज्य शिक्षक सम्मान, मिशन दक्ष और हेडमास्टर ट्रेनिंग में आमंत्रण, और स्टेट, जिला एवं ब्लॉक मास्टर ट्रेनर की भूमिका, ये सब उनके योगदान की आधिकारिक स्वीकृति हैं। वे शिक्षा विभाग की 'निपुण संवाद' ई-पत्रिका के संपादक मंडल में भी शामिल हैं।

श्रीकांत कुमार की यात्रा यह दिखाती है कि जब कोई शिक्षक अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर समाज के प्रति जवाबदेह बनता है, तो शिक्षा महज एक पेशा नहीं, एक परिवर्तन का आंदोलन बन जाती है। उनके कार्य केवल विद्यालय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज, संस्कृति और पर्यावरण के प्रति एक समग्र दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। श्रीकांत आज एक ऐसे शिक्षक के प्रतीक हैं, जो चॉक और ब्लैकबोर्ड से कहीं आगे जाकर बच्चों के जीवन में रचनात्मक हस्तक्षेप करते हैं। वे शिक्षा को जीवंत बनाते हैं, संवेदनशीलता को केंद्र में रखते हैं, और समाज के हर तबके को जोड़ते हैं। उनके जैसे शिक्षक ही असल में राष्ट्र निर्माण की नींव हैं-शांत, दृढ़, समर्पित और सृजनशील। ●

पिंडपड़वा कांड

वायरल ऑडियो से बढ़ा रहस्य

इंसाफ की जिद्द पर अड़ा परिवार

● कृष्ण कुमार चंचल/मनीष कमलिया

पकरीबरावां थाना क्षेत्र के पिंडपड़वा गांव में घटी दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। मृतक सिंधु चौहान की रहस्यमय मौत अब केवल एक परिवार का गम नहीं रही, बल्कि पूरे समाज के लिए इंसाफ की लड़ाई बन चुकी है। तीन दिनों तक उनका शव घर के दरवाजे पर रखा रहा। परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार से साफ इंकार करते रहे। उनका कहना था कि जब तक हत्यारे गिरफ्तार नहीं होंगे और पुलिस कप्तान स्वयं मौके पर आकर भरोसा नहीं देंगे, तब तक शव का दाह संस्कार नहीं किया जाएगा। चौथे दिन मृतक की पत्नी जयमनती देवी जम्मू-कश्मीर से गांव पहुंचीं, जहां वे ईंट-भट्ठे पर मजदूरी कर रही थीं। पति का शव देखकर वे बेसुध हो गईं। उनकी चीख-पुकार से गांव का माहौल और भी गमगीन हो गया। जयमनती देवी बार-बार यही कहती रहीं-'मेरे पति के हत्यारों को गिरफ्तार करो, नहीं तो शव का अंतिम संस्कार नहीं होगा'।

शव चौथे दिन भी घर पर रखा, पूर्व विधायक प्रदीप कुमार पहुंचे गांव, न्याय तक अंतिम संस्कार से इनकार

☞ **वायरल ऑडियो ने डाला नया मोड़ :-** घटना की सच्चाई को लेकर संदेह और गहरा गया जब गांव में एक वायरल ऑडियो सामने आया। इसमें दो लोग बातचीत करते हुए यह कहते सुनाई देते हैं कि सिंधु चौहान की मौत महज सड़क हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या है। कथित बातचीत में यहां तक कहा गया है कि हत्या असल में किसी और की होनी थी, लेकिन अंधेरे में चेहरा न पहचान पाने के कारण गलती से सिंधु चौहान को निशाना बना दिया गया। इस खुलासे ने ग्रामीणों के संदेह को और पुख्ता कर दिया। हालांकि, मेरा अखबार इस ऑडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है। यह स्पष्ट नहीं है कि आवाजें किसकी हैं और बातचीत कब की है। लेकिन इसने परिजनों और ग्रामीणों के भीतर यह विश्वास और मजबूत कर दिया है कि सिंधु चौहान की मौत एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है।

☞ **ग्रामीणों का कहना है :-** 'अगर इस ऑडियो की निष्पक्ष जांच हुई तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन यह तभी संभव है, जब पुलिस वास्तव में ऐसा चाह ले।'

पुलिस

क ी

कोशिशें और परिवार की जिद :- पकरीबरावां थाना पुलिस लगातार परिजनों को समझाने की कोशिश करती रही कि शव का अंतिम संस्कार कर दिया जाए। कई बार अपील की गई, लेकिन परिवार टस से मस नहीं हुआ। उनका कहना था कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होगी और एसपी स्वयं मौके पर आकर भरोसा नहीं देंगे, तब तक वे शव को नहीं उठाएंगे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि मौत हादसा थी या हत्या। वहीं, वायरल ऑडियो की जांच के लिए फॉरेंसिक और साइबर टीम को भी लगाया जा सकता है।

☞ **पूर्व विधायक पहुंचे गांव, दिया न्याय का भरोसा :-** मामले की गंभीरता को देखते हुए वारिसलीगंज के पूर्व विधायक प्रदीप कुमार भी मृतक के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। परिजनों की व्यथा सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'सिंधु चौहान की मौत सिर्फ एक परिवार का शोक नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। अगर यह हत्या है तो दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। मैं इस मामले को सदन से लेकर सड़क तक उठाऊंगा और जब तक परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा'। पूर्व विधायक की मौजूदगी से ग्रामीणों का मनोबल कुछ बढ़ा, लेकिन परिजनों का गम और इंसाफ की जिद जस की तस बनी रही।

☞ **इंसाफ के लिए अडिग परिजन :-** मृतक सिंधु चौहान की पत्नी, बेटी और अन्य परिजन स्पष्ट शब्दों में कहते रहे, 'हम अपने पति-पिता को यूं ही मरने नहीं देंगे। अगर हत्यारे खुले घूमते रहे तो हम अंतिम संस्कार नहीं करेंगे'। परिजनों का यह रुख साफ इशारा करता है कि अब यह केवल एक मौत का मामला नहीं, बल्कि न्याय की लड़ाई बन चुका है। ग्रामीणों का भी कहना है कि यदि प्रशासन ने मामले की गंभीरता को नहीं समझा तो जनाक्रोश भड़क सकता है।

☞ **हादसा या हत्या? :-** घटना सोमवार की संध्या की है। सिंधु चौहान झरझरी वाहन चला रहे थे तभी अचानक उनकी मौत हो गई। शुरुआती स्तर पर इसे सड़क हादसा बताया गया, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीते, संदेह गहराता चला गया। अब परिजन और ग्रामीण खुले तौर पर कह रहे हैं कि यह कोई साधारण दुर्घटना नहीं बल्कि हत्या है। इस बीच वायरल ऑडियो ने शक को और मजबूत कर दिया। इसमें कथित तौर पर कहा जा रहा है कि हत्या की योजना झरझरी वाहन चालक की थी, मगर गलती से सिंधु की जान ले ली गई। यही वजह है कि ग्रामीण पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

☞ **प्रशासन पर बढ़ा दबाव :-** पिंडपड़वा गांव का माहौल लगातार तनावपूर्ण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। उनका आरोप है कि पुलिस मामले को साधारण हादसे के रूप में दिखाना चाहती है। जबकि ऑडियो और घटनाक्रम साफ इशारा कर रहे हैं कि इसमें साजिश की बू है।

☞ **पुलिस प्रशासन अब दोहरी चुनौती से जूझ रहा है :-**

1. परिजनों को शांत करना और शव का अंतिम संस्कार करवाना।
2. वायरल ऑडियो और ग्रामीणों की शंकाओं की निष्पक्ष जांच कराना।

☞ **समाज की न्याय की पुकार :-** गांव के लोगों का मानना है कि सिंधु चौहान को सच्ची श्रद्धांजलि तभी मिलेगी जब उनकी मौत की असली वजह सामने आए और दोषियों को सख्त सजा दी जाए। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पुलिस-प्रशासन इस मामले में ईमानदारी से जांच नहीं करता तो वे सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि 'आज सिंधु चौहान हैं, कल कोई और भी शिकार हो सकता है। इसलिए इस मामले को दबाना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाना जरूरी है'।

☞ **निष्कर्ष :-** पिंडपड़वा कांड अब एक परिवार की त्रासदी भर नहीं रह गया है, बल्कि पूरे इलाके की न्याय की लड़ाई बन चुका है। वायरल ऑडियो ने इस घटना को नया मोड़ दे दिया है और पुलिस-प्रशासन पर जवाबदेही का दबाव बढ़ा दिया है। अब सबकी निगाहें जांच पर टिकी हैं। यह देखना बाकी है कि क्या यह मामला वाकई हत्या का है या फिर महज एक हादसा। लेकिन ग्रामीणों और परिजनों का कहना है कि 'हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होगी और सिंधु चौहान को सच्चा इंसाफ नहीं मिलेगा'। ●

वारिसलीगंज सीमेंट फैक्ट्री, अपसढ़ तालाब एवं पार्वती पहाड़ का डीएम ने किया निरीक्षण

● **मिथिलेश कुमार**

जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने क्षेत्र भ्रमण क्षेत्र के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक, पर्यटन एवं धार्मिक दृष्टिकोण से जिले के विकास की संभावनाओं पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के क्रम में जिला पदाधिकारी ने सर्वप्रथम वारिसलीगंज स्थित अदानी ग्रुप सीमेंट फैक्ट्री का दौरा किया। मौके पर प्रोजेक्ट हेड श्री जनार्दन राव गोंगूटला ने उन्हें फैक्ट्री के साइट प्लान, कार्य प्रगति एवं भावी योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने निर्माण कार्य में आ रही कठिनाइयों एवं चुनौतियों से भी जिला पदाधिकारी को अवगत कराया। जिला पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री के निर्माण पूरा होने से जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। इसके उपरांत जिला पदाधिकारी ने वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत अपसढ़ पंचायत स्थित तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह तालाब प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। लगभग 300 बीघा क्षेत्र में फैला यह तालाब जिला मुख्यालय नवादा से 25 किलोमीटर उत्तर-पूर्व, वारिसलीगंज रेलवे स्टेशन से 10 किलोमीटर उत्तर, सकरी नदी के

तट पर स्थित है। जिला पदाधिकारी ने इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर जोर देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि तालाब का समुचित विकास किया जाए तो यह जिले में पर्यटन की एक महत्वपूर्ण पहचान बन सकता है और स्थानीय लोगों को भी इससे आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के क्रम में जिला पदाधिकारी ने पार्वती पहाड़ का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने वहाँ स्थित प्राचीन गुफाओं एवं पौराणिक स्थलों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस क्षेत्र की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए ताकि श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि पार्वती पहाड़ धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसके संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु विशेष पहल की जानी चाहिए। इस क्रम में उन्होंने स्थानीय प्रशासन एवं पर्यटन विभाग को समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्वती पहाड़ की आकर्षकता एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु नियमित निगरानी और साफ-सफाई की ठोस व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी नवादा, गोपनीय शाखा प्रभारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद वारिसलीगंज, अंचल अधिकारी वारिसलीगंज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। ●

आत्मनिर्भर गांव बनाना मेरा लक्ष्य : निर्भय प्रताप

● **प्रो० रामजीवन साहु**

सम्पूर्ण विश्व में भारत एक अनूठा देश है. मात्र इसी देश में छहों ऋतुएं पाये जाते हैं. वसंत ,गृष्म, वर्षा ,शरद ,हेमंत और शिशिर ऋतु. अन्य देशों में सिर्फ गरमी पड़ती है ,इसलिए वहां के वासी काले होते हैं. कहीं सिर्फ ठंढ पड़ते हैं, इसलिए वहां के वासी गोरे होते हैं. इसके अतिरिक्त यहां की मिट्टी की यह भी विशालता है कि यहां भांति-भांति के लोग जन्म लेते हैं, परन्तु सबों के लक्ष्य एक भारत को पुन: विश्व गुरु बनाना है. भारत की मिट्टी के अतिरिक्त यहां के जल की भी विशेषता यह है कि लोगों के पास तन छोड़कर कुछ नहीं है, फिर भी मन संकल्पित है-

'सर्वे भवन्तु सुखिनः।
सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु।
मां कश्चित् दुःख भाग्भवेत्

अर्थात् इस धरा पर रहने वाले सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहे, सबों का मंगल हो और किसी को दु:ख न हों.

बिहार के जमुई जिला नगर परिषदअन्तर्गत बिहरी मुहल्ला में एक अति उत्साही सज्जन हैं, जिनकी राष्ट्रीय चेतना को प्रभावी बनाने का अनोखा मार्ग है. उनका अपना चिंतन है कि जिस प्रकार महाकवि गोस्वामी तुलसीदासजी मानते हैं कि भूखे कोई व्यक्ति भगवान का भजन नहीं कर सकते हैं, उसी प्रकार भुखे रह कर समर्थ राष्ट्र का निर्माण करना सम्भव नहीं है. इनका नाम है श्री निर्भय प्रताप सिंह. निर्भय शब्द में चार अक्षर और एक मात्रा है. प्रत्येक अक्षर और मात्रा निर्भय के अर्थ को परिभाषित करता

है. ये अक्षर है- इ+न+र+भ+य=निर्भय यानि इ से इच्छा, न से नम्र, र से राष्ट्रीय, भ से भरोसा और य से यत्न. अर्थात् इच्छा सहयोग करने का हो, स्वभाव नम्र हो, भावना राष्ट्रीय सुरक्षा करना हो, भरोसा भगवान पर हो और यत्न बेरोजगारी उन्मूलन करने की चाह हो, वही निर्भय कहलाते हैं.

निर्भय प्रताप का जन्म 1990 में रोहतास में हुआ। रोहतास बिहार का एक जिला है। इसका मुख्यालय सासाराम है। निर्भय प्रताप का प्रारंभिक शिक्षा अपने गांव के ही सरकारी विद्यालय में हुई है। उच्चत्तम शिक्षा मरीन इंजीनियरिंग तक हुई है। यह डिग्री इनको रिसर्च इंस्टीच्यूट, मुम्बई से प्राप्त हुई है। उच्चतम डिग्री प्राप्ति के पश्चात मानवीय गुणों के कारण इनकी भी इच्छा हुई कि पारिवारिक आय में वृद्धि होनी चाहिए. इस दृष्टिकोण से वे नौकरी पाने के लिए वे वैधानिक प्रतिक्रिया में लग गए. दो फरवरी 2022 में वे जमुई जिला अन्तर्गत लक्ष्मीपुर प्रखड में बिहार राजस्व सेवा विभाग में अधिकारी के रूप में कार्य करने लगे. समय ने इनका भरपुर सहयोग दिया, फलस्वरुप सात फरवरी 2024 को इनकी तरक्की हो गयी. अब वे इसी प्रखंड में अंचलाधिकारी बन गये. साथ ही इनका स्थानांतरण भी नवादा जिला कर दिया गया. दो वर्षों तक लक्ष्मीपुर में रहने के बाद इनको अनुभव हुआ कि लक्ष्मीपुर सिर्फ स्थल ही नहीं है,बल्कि यह लक्ष्मी मंदिर भी है. इस स्थान को किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ना है. अत: ये लम्बी छुट्टी पर चले गये.

निर्भय प्रताप को पूर्व से ही जानकारी थी कि भारत की आत्मा गाँवों में निवास करती है, इसलिए उन्होंने नौकरी पाने के आठ महीने बाद ही 6 अक्टूबर 2022 में नेचर विल्लेज की स्थापना कर चुके थे. इस संस्था के संस्थापक संरक्षक वे बने हुए थे. इस व्यक्ति का लालन-पालन ग्रामीण परिवेश में ही हुआ है. इसी कारण उन्होंने संकल्प लिया कि मुझे आत्मनिर्भर गाँव बनाना है. लम्बी छुट्टी के पश्चात वे दिन -रात इस संकल्प को धरती पर उतारने के लिए कार्यरत हैं. गाँवों का आत्मनिर्भर होना विश्व में शांति स्थापित होने का मार्ग प्रसस्त होगा. इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये स्वरोजगार दिलाना इन्होने आवश्यक समझा, फलस्वरुप हरबल गुलाल और मशाला का उत्पादन कुटिर -उद्योग के द्वारा करने लगे. अगर राष्ट्र आध्यात्मिक आधार पर सबल और समृद्ध बन सकता है, तो ये ख्यातिप्राप्त संत-महात्माओं के द्वारा प्रवचन भी करवाते हैं. चिंतन यह भी है कि गाँव एवं राष्ट्र राजनिति के आधार पर आत्मनिर्भर बन सकता है, तो वे आगामी बिहार विधानसभा सभा चुनाव के मैदान में भी कूद सकते हैं. कोई दल टिकट नहीं भी देगा,तो वे निर्दलीय भी खड़ा हो सकते हैं. जय हिंद।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

जन सुराज के प्रबल दावेदार हैं अधिवक्ता श्रवण कुमार

● अजय कुमार

जमुई जिला इस समय राजनीति के पूरे शबाब पर है। विधानसभा चुनाव के अभी कुछ ही महिने शेष बचे हैं और चुनावी मैदान में सभी अपने-अपने तरकश से बाण छोड़ना शुरू कर दिया है। कुछ यही हालात सिकन्दरा विधानसभा सु० का भी है, जहाँ से सही सोच, सही लोग और सामुहिक प्रयास की सोच के साथ पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता और 20 वर्षो से स्थानीय होने का दंभ भरने वाले जन सुराज के भावी प्रत्याशी श्रवण कुमार भी मैंदान में ताल ठोंकने उतर चुके हैं। वे पिछले 20 वर्षो से समाज सेवा के कार्य से जुड़े हुए हैं। श्रवण 16 वर्ष के उम्र से ही समाजसेवा कर रहे हैं। श्रवण कुमार अपना स्थानीय पता खैरा का कुरवाटांड बताते हैं। वे बताते है कि उनकी पत्नी रूक्मिणी कुमारी शिक्षिका हैं और उनके दो बेटे जमुई जिला के बरहट नवोदय विद्यालय से पास कर इसरो से पढ़ाई करके अभी वैज्ञानिक हैं, तो वही एक बेटी मौसम अम्बेदकर विद्युत विभाग में अभियंता हैं और दूसरी बेटी घंटा अम्बेदकर, बम्बई हाईकोर्ट

में वकील है। उनका पूरा परिवार शिक्षित है। वे बताते हैं कि हम जन सुराज के झंडे को सिकन्दरा में गाड़ कर रहेंगे और एनडीए के बाहरी प्रत्याशी को विधायक प्रफुल्ल मांझी सरीके नेता जो क्षेत्र के विकास में कोई योगदान नहीं दिये हैं, उन्हें इस क्षेत्र की जनता भगा देगी। वे बताते हैं कि हम यदि आते हैं तो अंध-विश्वास को तोड़ते ही जागृति करायेंगे। हर गाँव में मंडी बनाकर बिचौलियों से मुक्ति दिलायेंगे। हमारे आने के बाद स्वास्थ्य, शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाएगा।

आपको बता दूं कि पटना हाईकोर्ट के अधिवक्ता श्रवण कुमार बाढ़ के निवासी हैं और फिलहाल पटना में रहकर वकालत करते हैं। इनके समाजसेवा को देखते हुए राज्यपाल आर. एस. गवई द्वारा इन्हे सम्मानित भी किया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री सी.पी. ठाकुर इन्हे कोरोना काल में किये गये कार्य के लिए कोरोना वारियर्स के रूप में सम्मानित कर चुके हैं। कोरोना काल में श्रवण कुमार 12 ऑक्सीजन सलेन्डर के साथ सैंकड़ो कोरोना रोगियों की जान अपने जान को जोखिम में डालकर बचाने का कार्य कर चुके हैं। वे अम्बेदकर युवा जन जागरण समिति 1984 में तथा 1986 में बिहार रूढ़ीवादी जन मुक्ति परिषद् जैसे संगठन बनाकर कार्य कर चुके हैं। वे रूढ़ीवादिता को दूर करने तथा अंधविश्वास पर खासे काम कर चुके हैं। श्रवण कुमार वर्ष 2000 में एक पुस्तक भी लिख चुके हैं, जिसका नाम है 'ठगे गये बुजुर्ग'। आज यदि जन सुराज इन्हे टिकट देती है, तो वे जमुई के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से काम करेंगें।●

चर्चित डॉ. तपेश्वर गोलीकांड का फरारी पीयूष गिरफ्तार

● मो० सईद

शेरघाटी थाने की पुलिस ने डॉक्टर तपेश्वर गोलीकांड के सिलसिले में फरार चल रहे पीयूष पासवान को सोनडीहा गांव से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ में आया अभियुक्त शेरघाटी के मशहूर डॉक्टर तपेश्वर प्रसाद पर हमला करने वाले बदमाशों के दल में शामिल था। शेरघाटी के एएसपी शैलेंद्र सिंह ने यह जानकारी दी। ज्ञात हो कि डॉक्टर पर यह हमला 19 जुलाई को हुआ था। सूचना प्राप्त होते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी 1 एवं शेरघाटी थानाध्यक्ष द्वारा घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति का अवलोकन किया एवं घायल डॉक्टर को प्राथमिक उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल भेजा गया था।

उल्लेखनीय है कि इस कांड में संलिप्त चार अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम द्वारा लगातार छापामारी जारी है।●

सीमांचल की राजनीति की धुरी

2025 में सियासी संग्राम के लिए तैयार

● **धर्मेन्द्र सिंह**

सीमांचल का मुस्लिम बहुल किशनगंज विधानसभा क्षेत्र, बिहार की राजनीति में हमेशा खास महत्व रखता आया है। जैसे-जैसे 2025 के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, यहां की सियासी बिसात पर मोहरे तेजी से सजने लगे हैं। यह सीट न सिर्फ चुनावी आंकड़ों में बल्कि अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक महत्व के कारण भी सुर्खियों में रहती है। गौर करे कि किशनगंज का इतिहास खगड़ा नवाब मोहम्मद फकीरुद्दीन के दौर से जुड़ा है। एक हिंदू संत के विरोध के बाद 'आलमगंज' का नाम 'कृष्णा-कुंज' और फिर 'किशनगंज' हो गया। 14 जनवरी 1990 को यह पूर्णिया से अलग होकर जिला बना और आज 1,884 वर्ग किलोमीटर में फैला है। पूर्वी हिमालय की तलहटी में स्थित किशनगंज नेपाल और पश्चिम बंगाल की सीमाओं से सटा है। महानंदा, मेची और कंकई जैसी नदियां इसे उपजाऊ और प्राकृतिक रूप से समृद्ध बनाती हैं। यह बिहार का एकमात्र जिला है जहां वाणिज्यिक स्तर पर चाय की खेती होती है, जो इसे आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से खास बनाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार, यहां की आबादी 16,90,948 है, जिसमें मुस्लिम बहुलता है। मुस्लिम वोट यहां के चुनावी समीकरण का सबसे अहम हिस्सा हैं। 19 में से 17 बार मुस्लिम उम्मीदवार ही विजयी रहे हैं। 1967 में सुशीला कपूर के बाद कोई हिंदू उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर पाया।

किशनगंज रेल और सड़क नेटवर्क का अहम केंद्र है। एनएच-31 इसे बिहार और पूर्वोत्तर भारत से जोड़ता है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पटना और गुवाहाटी से सीधा रेल संपर्क है, जबकि गरीब नवाज एक्सप्रेस यहां की पहचान को और मजबूत बनाती है। 2020 में कांग्रेस के इजहारुल हुसैन ने यह सीट जीती, लेकिन एआईएमआईएम के आने से मुस्लिम वोटों में बंटवारा हुआ और मुकाबला त्रिकोणीय बन गया। 2025 में कांग्रेस अपनी परंपरागत पकड़ बचाने की कोशिश करेगी, बीजेपी पूरे दमखम के साथ पहली जीत की तलाश में होगी और एआईएमआईएम फिर से मुस्लिम वोटों में सेंध लगाने की रणनीति बनाएगी। यदि मुस्लिम वोटों में बंटवारा होता है और हिंदू वोट एकजुट रहते हैं, तो इस बार बीजेपी के लिए इतिहास रचने का मौका बन सकता है। किशनगंज की यह लड़ाई सिर्फ एक सीट की नहीं, बल्कि सीमांचल की राजनीतिक दिशा तय करने वाली जंग होगी। यहां की नतीजे बिहार के चुनावी नक्शे में दूरगामी असर डाल सकते हैं। ●

नगर पंचायत पौआखाली में सड़क घोटाला!

● **धर्मेन्द्र सिंह**

नगर पंचायत पौआखाली क्षेत्र के नानकर गांव में हो रहे च्ब्ब सड़क निर्माण कार्य पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि चेयरमैन प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू द्वारा सड़क निर्माण में घटिया सामग्री और गलत कंसम्पशन (8:1 अनुपात) का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में फिलिस मिट्टी (बल्भाई मिट्टी) का उपयोग कर ढलाई की जा रही है, जबकि पिछले साल बनी सड़क एक साल के अंदर ही उखड़ गई थी।

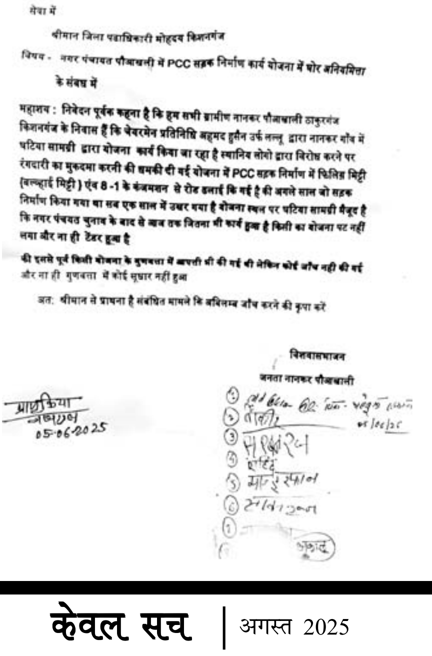
सेवा में

श्रीमान जिला पदाधिकारी महोदय किशनगंज

विषय - नगर पंचायत पौआखाली में PCC सड़क निर्माण कार्य योजना में घोर अनियमितता के संबंध में

महाशय : निवेदन पूर्वक कहना है कि हम सभी ग्रामीण नानकर पौआखाली ठाकुरगंज किशनगंज के निवास हैं कि चेयरमेन प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू द्वारा नानकर गाँव में घटिया सामग्री द्वारा योजना कार्य किया जा रहा है स्थानिय लोगो द्वारा विरोध करने पर रंगदारी का मुकदमा करनी की धमकी दी गई योजना में PCC सड़क निर्माण में थिलिस मिट्टी (बल्भाई मिट्टी) एंव 8 -1 के कंजमशन से रोड ढलाई कि गई है की अगले साल जो सड़क निर्माण किया गया था सब एक साल में उखड़ गया है योजना स्थल पर घटिया सामग्री मैजूद है कि नगर पंचायत चुनाव के बाद से अब तक जितना भी कार्य हुआ है किसी का योजना पट नहीं लगा और ना ही टेंडर हुआ है

की इससे पूर्व किसी योजना के गुणवत्ता में आपत्ती भी की गई थी लेकिन कोई जाँच नहीं की गई और ना ही गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ

अत: श्रीमान से प्राथना है संबंधित मामले कि अविलम्ब जाँच करने की कृपा करें

विश्वासभाजन

जनता नानकर पौआखाली

प्राप्ति

05-06-2025

विरोध करने वाले ग्रामीणों को रंगदारी के मुकदमे की धमकी दिए जाने की भी शिकायत सामने आई है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि नगर पंचायत चुनाव के बाद से अब तक जितने भी कार्य हुए हैं, उनमें न तो योजना पट लगाया गया और न ही टेंडर की प्रक्रिया अपनाई गई। इससे पहले भी गुणवत्ता को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई थी, लेकिन जांच नहीं हुई और न ही सुधार किया गया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी किशनगंज से तत्काल हस्तक्षेप कर पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो सड़क की गुणवत्ता और सार्वजनिक धन दोनों की बर्बादी तय है। ●

हर्षोल्लास के साथ जिले भर में मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस

● धर्मेन्द्र सिंह

79 वां स्वतंत्रता दिवस शुक्रवार को जिले भर में हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। मुख्य समारोह खगड़ा स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह किशनगंज के प्रभारी मंत्री मोहम्मद जमा खान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण से पूर्व प्रभारी मंत्री ने परेड का निरीक्षण किया। समारोह में जिलाधिकारी विशाल राज, पुलिस अधीक्षक सागर कुमार सहित कई वरीय अधिकारी उपस्थित थे। परेड में डीएबी, बीएमपी, एसएसबी, एनसीसी एवं स्काउट गाइड के जवानों ने भाग लिया। अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं एवं जनसहयोग से किशनगंज जिला चहुंमुखी विकास की ओर अग्रसर है।

उन्होंने सदर अस्पताल में ईसीजी एवं डिजिटल एक्सरे सुविधा की जानकारी दी और बताया कि जल्द ही जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और रेफरल अस्पतालों में डिजिटल एक्सरे की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूरे राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। राज्य में युवाओं को रोजगार, छात्रों के लिए हॉस्टल निर्माण सहित कई पहल की गई हैं। मंत्री ने कहा कि किशनगंज की गंगा-जमुनी तहजीब को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाएगा। समारोह में किशनगंज अंचल के नॉन कॉरपोरेट श्रेणी के उन तीन करदाताओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सर्वाधिक कर अदा किया है। इस अवसर पर डीडीसी स्पर्श गुप्ता, एडीएम अमरेंद्र कुमार पंकज, एसडीएम अनिकेत कुमार, एसडीपीओ गौतम कुमार, डीपीआरओ कुंदन कुमार सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान, जिला परिषद अध्यक्ष रुकैया बेगम, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष फैयाज आलम, फैसल सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित थे।

☞ **सरकारी एवं निजी संस्थानों में हुआ ध्वजारोहण :-** समाहरणालय परिसर में डीएम विशाल राज, एसपी कार्यालय में एसपी सागर कुमार, एसडीएम कार्यालय में एसडीएम अनिकेत कुमार, रेड क्रॉस सोसाइटी में डीएम विशाल राज, सदर थाना में थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन, जिला परिषद कार्यालय में अध्यक्ष रुकैया बेगम, नगर परिषद में अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान, उत्पाद कार्यालय में उत्पाद अधीक्षक देवेंद्र प्रसाद तथा वार्ड संख्या 30 की पार्षद दीपाली सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ●

वाहन स्वामित्व हस्तांतरण 55 दिनों से लंबित

● धर्मेन्द्र सिंह

ठाकुरगंज की संगीता कुमारी ने जिला परिवहन पदाधिकारी किशनगंज को आवेदन देकर वाहन संख्या BR37GA5251 के स्वामित्व हस्तांतरण में लंबित पर नाराजगी जताई है। आवेदन में संगीता कुमारी ने बताया कि वाहन हस्तांतरण के लिए आवश्यक दस्तावेज कार्यालय से मार्च माह में ही परमिट की रद्दीकरण कर उक्त वाहन के साथ कार्यालय परिसर में लिपिक पीयूष कुमार द्वारा फोटोग्राफी की प्रक्रिया की गई थी। कमी थी प्रकाश मंडल की स्वीकृति पत्र का, जो कार्यालय के द्वारा निर्गत पत्र 525 दिनांक 30 अप्रैल 2025 को जारी हो चुका था। वाहन के मालिक प्रकाश मंडल द्वारा 9 जून 2025 को हस्तांतरण की स्वीकृति पत्र के साथ सहमति देने के लिए जिला परिवहन कार्यालय पहुंचे और स्वीकृति पत्र कार्यालय को प्राप्त हुई, लेकिन लिपिक पीयूष कुमार द्वारा 15,000 रूपये रिश्वत की मांग की गई। तत्पश्चात ही 15000/- रिश्वत मांगने की जानकारी जिला परिवहन अधिकारी अरुण कुमार को टेलीफोनिक दी गई। डीटीओ द्वारा लिपिक पीयूष कुमार को फटकार लगाई और कार्य का आदेश दिया। पीयूष कुमार ने आग बबूला होकर सामने आकर कहा कि रिश्वत की

सेवा में,

जिला परिवहन पदाधिकारी,
किशनगंज।

दिनांक:05-08-2025

विषय:- वाहन संख्या-BR37GA5251 का स्वामित्व हस्तांतरण के संबंध में।
प्रसंग- श्रीमान के कार्यालय का पत्रांक-525 दिनांक-30.04.2025।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि मैं संगीता कुमारी साकिन-कृष्णापुरी, वार्ड नं0-12,ठाकुरगंज, पो0+थाना-ठाकुरगंज, जिला-किशनगंज मेरे द्वारा उक्त वाहन संख्या-BR37GA5251 का स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आवेदन आपके कार्यालय में समर्पित किया गया है। उक्त के आलोक में आपके कार्यालय के द्वारा वाहन के मालिक को पत्रांक-525 दिनांक-30.04.2025 को स्वामित्व हस्तांतरण हेतु स्वीकृति पत्र की मांग की गयी है। जिसके आलोक में वाहन के मालिक प्रकाश मंडल के द्वारा दिनांक-09.06.2025 को उक्त वाहन के स्वामित्व हस्तांतरण का स्वीकृति पत्र जिला परिवहन कार्यालय में हस्तगत कराने हेतु गये उक्त दिनांक को ही लिपिक पियुष कुमार के द्वारा मुझसे 15000.00 रुपये रिस्वत की मांग करते हुए कहा गया कि उक्त राशि आप दिजिए और आज ही आपका सारा कार्य हो जाएगा। जिसके बाद मेरे द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी,किशनगंज को दूरभाष पर इसकी सूचना दी गयी जिसके आलोक में महोदय द्वारा इस घटना को संज्ञान में लेते हुए संबंधित लिपिक को डांट भी लगायी गयी थी। लिपिक के द्वारा उक्त घटना के तुरंत बाद ही आकर हमें कहा गया की आपने सर को क्यों कह दिया। अब आपको पुनः संबंधित वाहन का पूर्व माह मार्च 2025 में वाहन के साथ मालिक का फोटो को अमान्य घोषित करते हुए पुनः वाहन के साथ मालिक का फोटो खिंचवाने हेतु कहा गया। उक्त वाहन का परमिट को भी माह मार्च-2025 में श्रीमान के कार्यालय में सरेंडर कर दिया गया है। दिनांक-10.06.2025 को पुनः वाहन को लेकर श्रीमान् के कार्यालय गयी तो उनके द्वारा पुनः से उक्त वाहन से संबंधित सभी कागजात का निरीक्षण किया गया और NOC के कागजात को पुनः से अद्यतन(अपडेट) कराते हुए समर्पित करने की मांग की गयी। श्रीमान् मेरे द्वारा समर्पित सभी कागजात सही एवं अद्यतन हैं। उनके द्वारा मुझे कहा गया कि अगर आपके द्वारा पदाधिकारी को सूचना नहीं दी गयी होती तो समर्पित कागजातों पर ही काम हो जाता और संबंधित एजेंसी को अद्यतन NOC के कागजात ई-मेल कर मंगवा लिया जाता।

अतः श्रीमान से सादर अनुरोध है कि उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए चंद रुपयों के कारण मेरे द्वारा समर्पित वाहन स्वामित्व हस्तांतरण का लंबित कार्य को पूर्ण करवाने की कृपा किया जाय। जिसके लिए मैं श्रीमान का सदा आभारी रहूंगी।

प्रार्थी
Sangita kumari
संगीता कुमारी
साकिन-कृष्णापुरी, वार्ड नं0-12,
ठाकुरगंज, पो0+थाना-ठाकुरगंज,
जिला-किशनगंज
05/08/2025

शिकायत जब आप पदाधिकारी को कर ही दिया तो अब मार्च में हुए फोटो को हम अस्वीकार करते हैं और आपको पुनः वाहन और प्रकाश मंडल के साथ फोटो करवाना होगा। संगीता कुमारी ने बताया कि मैं पुनः 10 जून को वाहन और प्रकाश मंडल के साथ कार्यालय परिसर में फोटो करवाया। लिपिक पीयूष कुमार ने ऊंची आवाज में कहा कि आपका NOC अपडेट करवाकर दिजिए और अगर आप नहीं देते हैं तो नाम ट्रांसफर नहीं करूंगा। संगीता कुमारी ने बताया कि लिपिक को रिश्वत देने से NOC का कार्य ईमेल के माध्यम से मंगवाने की बात की थी, लेकिन रिश्वत नहीं देने से मुझे परेशान कर रहा है, जिससे नाम ट्रांसफर कार्य लंबित है। संगीता कुमारी ने बताया कि जिला परिवहन पदाधिकारी से हस्तांतरण प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की है। साथ ही कहा कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वह उच्च अधिकारियों से शिकायत करेंगी। उन्होंने सवाल उठाया कि लिपिक पीयूष कुमार द्वारा 15,000 रूपये की मांग पर वरीय अधिकारियों को जानकारी होने के बावजूद अब तक उसके विरुद्ध क्या कार्रवाई हुई, यह विभाग स्पष्ट करे। इस संबंध में डीटीओ अरुण कुमार से संपर्क करने का प्रयास किया किन्तु किसी कारण बस उनसे संपर्क नही हो सका। संपर्क होते ही उनका इस संबंध में क्या कहना है अपडेट किया जाएगा।●

मोटरसाइकिल लूटकांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

दिनांक 10 अप्रैल 2021 को किशनगंज थाना क्षेत्र के ढेकसरा चाय बागान में हुई मोटरसाइकिल लूट की घटना में शहीद स्व. पु. नि. अश्विनी कुमार के मामले से संबंधित किशनगंज थाना कांड संख्या 167/21 दर्ज कर त्वरित कार्रवाई में शामिल 15 अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका था। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास जारी थे। इसी क्रम में प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर यातायात थानाध्यक्ष पुअनि धन प्रसाद के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए किशनगंज जिला के पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र से फरार अभियुक्त मो. याकुब पांतापाडा, ग्वालपोखर, जिला-उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल को गिरफ्तार किया। यातायात थानाध्यक्ष के रूप में धन प्रसाद ने मोहर्रम, विशेष आयोजनों और आपातकालीन परिस्थितियों में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में भी सराहनीय भूमिका निभाई। भीड़भाड़ और दबाव के बावजूद उन्होंने कुशल प्रबंधन, अनुशासन और दूरदृष्टि के साथ यातायात संचालन को प्रभावी रूप से संचालित किया। उनके इन सराहनीय कार्यों के लिए पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।●

मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना का विस्तार

● धर्मेन्द्र सिंह

राज्य सरकार की "मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना" (MVUSY) के तहत अब 125 यूनिट तक की मासिक बिजली खपत का बिल पूरी तरह निःशुल्क कर दिया गया है। इसका लाभ उपभोक्ताओं को जुलाई 2025 की खपत के आधार पर अगस्त 2025 में मिलने वाले बिजली बिल से मिलेगा। योजना के विस्तार के अवसर पर मुख्यमंत्री ने 12 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के लाभार्थियों से सीधा संवाद किया। कार्यक्रम का लाइव टेलीकास्ट लगभग 16 लाख लोगों ने देखा। ऊर्जा विभाग द्वारा इस अवसर पर योजना की जानकारी देने वाली लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। किशनगंज में मुख्य कार्यक्रम सम्राट अशोक भवन में जिलाधिकारी विशाल राज की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। डीएम ने पांच उपभोक्ताओं को शून्य राशि वाला बिजली बिल सौंपकर योजना का लाभ प्रदान किया। जिले के 69 स्थानों पर कार्यक्रम हुए, जहां बड़ी संख्या में आमजन व

लाभार्थी उपस्थित रहे। जिले में दो विद्युत आपूर्ति प्रमंडल-किशनगंज एवं बहादुरगंज अंतर्गत कुल 3,13,960 घरेलू उपभोक्ता हैं, जिनमें से 2,41,818 को अगस्त माह में शून्य बिजली बिल मिलेगा। किशनगंज प्रमंडल में 73,418 और बहादुरगंज प्रमंडल में 1,68,400 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर विद्युत विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में उपभोक्ता मौजूद थे। कार्यक्रम के सफल संचालन में बिजली विभाग के कर्मियों एवं जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ●

अवैध खनन पर प्रशासन का वार

● धर्मेन्द्र सिंह

अवैध खनन और परिवहन पर नकेल कसने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी विशाल राज के निर्देश पर खनन विभाग ने लगातार कार्रवाई करते हुए 13 अगस्त को किशनगंज थाना क्षेत्र से बालू से लदा एक ट्रैक्टर जब्त किया। जप्त वाहन को विधिक कार्रवाई के लिए सदर थाना को सुपुर्द कर दिया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। गौरतलब है कि 12 अगस्त को भी जिला खनन पदाधिकारी प्रणव कुमार

प्रभाकर के नेतृत्व में पहाड़कट्टा थाना क्षेत्र में ताबड़तोड़ छापेमारी कर अवैध बालू से लदे तीन ट्रक जब्त किए गए थे। जिला खनन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में कहीं भी अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज किया जाएगा। लगातार हो रही कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है। ●

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर लोक एवं विशेष अभियोजक सम्मानित

● धर्मेन्द्र सिंह

जुलाई माह में सजा दिलाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने पर पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने लोक अभियोजक प्रणव कुमार और विशेष लोक अभियोजक सुरेन प्रसाद को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 11 अगस्त की शाम क्राइम मीटिंग के बाद यह सम्मान प्रदान किया गया। एसपी ने कहा कि दोनों अधिकारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और न्याय प्रणाली के प्रति अटूट प्रतिबद्धता ने न केवल न्यायपालिका की गरिमा को बढ़ाया है, बल्कि समाज में न्याय के प्रति विश्वास को भी मजबूत किया है। सम्मान प्राप्त करने पर श्री कुमार और श्री प्रसाद ने इसे अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्य के प्रति प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक निष्ठा और मेहनत के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।●

स्कूल के नन्हे-मुन्हों ने एस.पी. को बांधी राखी

● धर्मेन्द्र सिंह

रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पूर्व किशनगंज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक भावनात्मक और आत्मीय क्षण का साक्षी बना, जब हेलो किड्स स्कूल के छोटे-छोटे बच्चे पुलिस अधीक्षक सागर कुमार को राखी बांधने पहुंचे। नन्हे-मुन्नों की निश्छल मुस्कान और मासूम बातें पूरे वातावरण को भावविभोर कर गई। बच्चों ने अपने "एसपी अंकल" को राखी बांधने के साथ मिठाई भी खिलाई। उनकी हंसी-ठिठोली से कार्यालय का माहौल उल्लासपूर्ण हो उठा। पुलिस अधीक्षक ने बच्चों को उपहार देकर उनकी खुशी दोगुनी कर दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर बच्चों ने अन्य पुलिस अधिकारियों को भी राखी बांधी और अपनी सुरक्षा का वचन लिया। रक्षाबंधन पर्व को लेकर जिले में उत्साह और उमंग का माहौल है, वहीं बाजारों में रौनक बढ़ चुकी है। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने विद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अवसर बच्चों में सामाजिक और भावनात्मक मूल्यों को मजबूत करते हैं। इस दौरान विद्यालय के निदेशक मुदाबीर अहसन, प्रिंसिपल सुलंजना बोस, ज्योति गुप्ता, सहाना अमीन सहित अन्य लोग मौजूद थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े।

खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

राजन बना मास्टर माइंड

डिजिटल तकनीक से सेकेंडों में बनते थे फर्जी प्रमाण पत्र

● **धर्मेन्द्र सिंह**

बिहार के सीमावर्ती जिले किशनगंज से एक सतर्क करने वाला बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। 22 अगस्त को दिघलबैंक प्रखंड अंतर्गत गन्धर्वडांगा थाना क्षेत्र के तलवारबंधा गांव में एक कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) से फर्जी निवास प्रमाण पत्र बनाने के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें समस्तीपुर निवासी मास्टरमाइंड राजन भी शामिल है। अब इस पूरे मामले की जांच कई स्तरों पर चल रही है और अन्य जांच एजेंसियों के भी इसमें शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। एसपी सागर कुमार ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क स्थापित किया है ताकि इस सघन फर्जीवाड़े की परत-दर-परत जांच की जा सके।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि महज 26 साल का राजन, डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल कर सेकेंडों में फर्जी निवास प्रमाण पत्र बना देता था। वह व्हाट्सऐप ग्रुप के जरिए अपने नेटवर्क से जुड़ा रहता था और प्रमाण पत्रों पर फर्जी सीओ के हस्ताक्षर भी डिजिटल माध्यम से जड़ दिए जाते थे। पुलिस को अब तक करीब 100 प्रमाण पत्र बनाए जाने की जानकारी मिली है, लेकिन यह संख्या इससे भी कहीं ज्यादा हो सकती है। तलवारबंधा स्थित CSC से 20 संदिग्ध प्रमाण पत्र, 39,602 रूपये नकद, 150 नेपाली रुपये, डेस्कटॉप, लैपटॉप, मोबाइल, लेमिनेशन मशीन समेत कई डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं। इस पूरे फर्जीवाड़े का सीमा पार नेटवर्क होने की भी आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कार्रवाई स्थल नेपाल सीमा के बेहद निकट है। इससे प्रवेश और पहचान सत्यापन से जुड़ी सुरक्षा प्रक्रियाओं पर गंभीर खतरे की संभावना बढ़ गई है। फर्जी प्रमाण पत्रों का यह नेटवर्क केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं है। इसका सीधा असर SIR (Special Identification Reports) और अन्य सरकारी योजनाओं की प्रक्रिया पर पड़ सकता है। प्रशासन अब SIR में प्रस्तुत सभी प्रमाण पत्रों की गहन जांच की तैयारी में है। राजन की गिरफ्तारी के बाद भी पुलिस का मानना है कि इस रैकेट से जुड़े कई अन्य लोग अभी फरार हैं। पुलिस उनका नेटवर्क खंगालने में जुटी हुई है, वहीं वेबसाइट बनाने वाले व्यक्ति की भी तलाश तेज हो गई है। एसपी सागर कुमार ने कहा, "जांच अब भी जारी है। हमने कुछ तथ्यों को रणनीतिक रूप से गोपनीय रखा है, ताकि आगे की कार्रवाई प्रभावी हो सके। जो साक्ष्य अब तक मिले हैं, वे चौंकाने वाले हैं।" इस पूरे प्रकरण ने स्थानीय प्रशासन और दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब आवश्यकता है कि डिजिटल प्रामाणिकता की सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत किया जाए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। गौर करे कि यह मामला केवल एक व्यक्ति या सेंटर तक सीमित नहीं, बल्कि यह डिजिटल अपराध और सरकारी दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर खतरे की घंटी है। आने वाले दिनों में जांच के दायरे के और भी व्यापक होने की पूरी संभावना है।

गौरतलब है कि दूसरी तरफ किशनगंज गर्वनडंगा थाना क्षेत्र में फर्जी प्रमाण पत्र तैयार करने वाले अंतरजिला गिरोह के विरुद्ध किशनगंज पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। महज 24 घंटे में पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य अभियुक्त राजन कुमार को समस्तीपुर से गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पहले गिरफ्तार अजय कुमार साह की निशानदेही पर पुलिस को भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और नकदी बरामद हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी (राजस्व अधिकारी, प्रखंड दिघलबैंक) द्वारा थाना में लिखित आवेदन देकर सूचना दी गई कि थाना क्षेत्र में जाली निवास प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक किशनगंज के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2 किशनगंज के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गर्वनडंगा थाना कांड संख्या 38/25 के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने अजय कुमार साह (निवासी-जियापोखर, वार्ड-06) को गिरफ्तार किया, जिसके पास से निम्नलिखित सामग्रियां बरामद की गई :-करीब

20 फर्जी प्रमाण पत्र, एक डेस्कटॉप, लैपटॉप, प्रिंटर, लेमिनेशन मशीन, मोबाइल फोन, पेन ड्राइव, फिंगरप्रिंट स्कैनर 39,602 रूपये नकद, 150 नेपाली रुपए। तकनीकी अनुसंधान में पता चला कि गिरोह एक खास वेबसाइट लिंक का इस्तेमाल कर फर्जी दस्तावेज बनाता था, जिसका एडमिन राजन कुमार (खानपुर, समस्तीपुर) था। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया और उसके पास से निम्नलिखित जब्ती की गई।

✯ **बरामदगी :-**

☞ ASUS लैपटॉप, DELL डेस्कटॉप, ZEBRONICS CPU, PAYTM QR स्कैनर, 2TB हार्डडिस्क, 2 बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट स्कैनर, वायरलेस चार्जर, Samsung Galaxy S24 Ultra, iPhone 15 Plus, iQOO Neo7 मोबाइल।

☞ कुल 6 बैंक खातों में 26,47,685 रूपये।

☞ वभिन्न बैंकों के पासबुक, चेकबुक, डेबिट कार्ड।

✯ **गिरफ्तारी :-** राजन कुमार, उम्र 26 वर्ष, पिता-भरत महतो, निवासी-खानपुर, समस्तीपुर (बिहार)। छापामारी टीम में मंगलेश कुमार सिंह (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-2) पु.नि. अरुण कुमार सिंह, पु.नि. जन्मेजय कुमार शर्मा (डीआईयू प्रभारी), पु.अ.नि. कुंदन कुमार (थानाध्यक्ष गर्वनडंगा), साइबर थाना, तकनीकी शाखा एवं सशस्त्र बल के अन्य सदस्य। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की फर्जी प्रमाण पत्र निर्माण या डिजिटल धोखाधड़ी की जानकारी मिले, तो तत्काल स्थानीय थाना या साइबर पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। ●

हीरो एशिया कप 2025 ट्रॉफी गौरव यात्रा का भव्य आयोजन

● **धर्मेन्द्र सिंह**

हीरो एशिया कप 2025 ट्रॉफी गौरव यात्रा का भव्य आयोजन किशनगंज में किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर जिलाधिकारी विशाल राज एवं पुलिस अधीक्षक सागर कुमार की उपस्थिति में ट्रॉफी का गरिमापूर्ण स्वागत हुआ। कार्यक्रम में जिलेभर के खेल प्रेमियों, छात्र-छात्राओं, स्थानीय खिलाड़ियों और अधिकारियों की भारी भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और रंगारंग स्वागत नृत्य के साथ हुई। विभिन्न विद्यालयों के एनसीसी कैडेट्स, छात्र-छात्राएं एवं सांस्कृतिक दलों ने मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि हॉकी भारत का गौरवशाली खेल है, जिसने देश को अनेक बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सम्मान दिलाया है। हीरो एशिया कप 2025 केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि यह युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित करने का एक माध्यम है। जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि इस ट्रॉफी गौरव यात्रा से किशनगंज के खिलाड़ियों में निश्चित रूप से नया उत्साह और ऊर्जा का संचार होगा। पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने कहा कि किशनगंज के युवाओं में खेल के प्रति अपार प्रतिभा और जुनून है। ऐसे आयोजनों से उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। जिला प्रशासन लगातार खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। इस आयोजन में जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा एवं खेल विभाग के पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन, मीडिया प्रतिनिधि, और

सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी व खेल प्रेमी उपस्थित रहे। ट्रॉफी गौरव यात्रा ने शहर को खेल के रंग में रंग दिया। ●

ओवरलोड वाहनों के परिचालन पर जदयू नेता की मांग

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

राष्ट्रीय राजमार्ग 327ई, जो किशनगंज के गलगलिया से अररिया तक फैला है, इन दिनों एक खतरनाक कहानी बयां कर रहा है। यह मार्ग अब सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि ओवरलोड और इंट्री माफिया का एक अघोषित साम्राज्य बन चुका है। शाम ढलते ही इस सड़क पर ओवरलोड ट्रकों का तांडव शुरू हो जाता है, जिससे आम लोगों की जिंदगी खतरे में पड़ गई है। स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार, तेज रफ्तार से दौड़ते ये ओवरलोड ट्रक न सिर्फ यातायात को बाधित करते हैं, बल्कि जानमाल के लिए भी बड़ा खतरा हैं। ट्रकों से टपकते पानी के कारण सड़क पर हमेशा फिसलन बनी रहती है, जिससे छोटे वाहन चालकों को अपनी जान जोखिम में डालकर चलना पड़ता है। कई करोड़ों की लागत से बनी सड़कें इन भारी-भरकम ट्रकों के बोझ तले दबकर बुरी तरह से टूटने लगी हैं। जिला प्रशासन ने गलगलिया में एक खनन चेक पोस्ट स्थापित कर टीम तो तैनात की है, लेकिन यह कार्रवाई सिर्फ कागजी खानापूरी बनकर रह गई है। कभी-कभार कुछ ट्रकों को पकड़कर जुर्माना वसूला जाता है, मगर यह कदम माफिया के इस विशाल नेटवर्क को रोकने में पूरी तरह विफल रहा है। सूत्रों की मानें तो सैकड़ों ओवरलोड ट्रक हर रोज पश्चिम बंगाल से बिहार की सीमा में बिना किसी वैध जांच या दस्तावेज के बेरोकटोक आवाजाही कर रहे हैं। टोल प्लाजा पर भी इन वाहनों से न चालान काटा जाता है और न ही कोई पूछताछ होती है। ओवरलोडिंग के कारण सड़कों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है, लेकिन इसके बावजूद न तो कोई ठोस कार्रवाई हो रही है और न ही सड़कों की सुरक्षा के लिए कोई ठोस योजना बनाई जा रही है।

अहमद हुसैन

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने बड़े पैमाने पर चल रहे इस अवैध कारोबार के पीछे आखिर कौन-से प्रभावशाली लोग या तंत्र शामिल हैं, जिनके संरक्षण में यह धंधा फल-फूल रहा है? लोगों ने प्रशासन और राज्य सरकार से इस पूरे नेटवर्क की उच्चस्तरीय जांच कराने और इस रूट पर चल रहे ओवरलोडिंग माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। यह कहानी सिर्फ एक सड़क की नहीं, बल्कि एक ऐसे सिंडिकेट की है जो कानून और नियमों को ताक पर रखकर अपनी जेब भर रहा है, और जिसकी कीमत आम जनता अपनी सुरक्षा और सरकारी संपत्तियों के नुकसान के रूप में चुका रही है। यह एक गंभीर मुद्दा है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। इस मामले को लेकर जदयू नेता अहमद हुसैन ने कहा कि वे जब सिलीगुड़ी से ठाकुरगंज आ रहे थे तब पश्चिम बंगाल के चक्करमारी में ओवरलोड वाहनों का जखीरा सड़कों पर देखा और मजबूरन उन्हें रूट बदल कर गलगलिया के रास्ते ठाकुरगंज आना पड़ा। बिहार के किशनगंज जिले के गलगलिया - अररिया रूट पर हो रहे ओवरलोड के तांडव पर डीएम और एसपी से कार्रवाई की मांग कर रहे है उन्होंने बताया कि ओवरलोड के परिचालन से सरकारी राजस्व को करोड़ों रुपया का क्षति हो रहा है। उन्होंने राजस्व क्षति में संलिप्त पदाधिकारीयों पर भी कार्रवाई की मांग की है। आगे उन्होंने कहा कि ओवरलोड पर कार्रवाई नहीं होने से मौजूदा सरकार का नाम खराब हो रहा है और विपक्ष को मुद्दा मिल रहा है।●

ठाकुरगंज से पौआखाली तक बनी सड़क दुर्घटना का सबब

● फरीद अहमद

राष्ट्रीय राजमार्ग NH 327E पर ठाकुरगंज से पौआखाली के बीच की सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए यह एक बड़ा खतरा बन गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, और कई स्थानों पर तो सड़क पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। इस महत्वपूर्ण मार्ग पर पुलों की स्थिति भी चिंताजनक है। पुलों पर भी गहरे गड्ढे बन गए हैं, जो वाहन चालकों के लिए जोखिम भरा है। लोगों का कहना है कि इस जर्जर सड़क के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वाहन चालकों का कहना है कि खराब सड़क की वजह से वाहनों का संतुलन बनाए रखना मुश्किल होता है, खासकर रात के समय। उन्हें हर पल दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सड़क की यह दुर्दशा न सिर्फ यात्रा को असुविधाजनक बना रही है, बल्कि लोगों की जान भी जोखिम में डाल रही है। संबंधित विभाग से जल्द से जल्द इस सड़क की मरम्मत कराने की मांग उठ रही है ताकि इस मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों को राहत मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।●

टोल प्लाजा पर भैंस से लदी ट्रक से लूट

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

ठाकुरगंज टोल प्लाजा के पास उत्तर प्रदेश से असम जा रही एक भैंस लदी ट्रक को लूटने का मामला सामने आया है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है और कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कुछ भैंसों को बरामद कर लिया है। ट्रक के मालिक ने इस संबंध में पुलिस को आवेदन दिया है, जिसके आधार पर जांच चल रही है। मामले में ठाकुरगंज थाना में कई नामजद और कई अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने इस मामले में टोल प्लाजा के चार कर्मियों को ठाकुरगंज थाना लाकर उनसे पूछताछ की जा रही है। इस घटना का सच सामने लाने के लिए पुलिस टोल प्लाजा में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। उम्मीद है कि फुटेज से पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि इस तरह के अवैध कारोबार में प्रभावशाली लोगों का हाथ बताया जा रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सागर कुमार ने बताया कि पुलिस ने मवेशी लूट के मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ चल रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि टोल प्लाजा की सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नजरुल हक

मामले को लेकर जदयू नेता नजरुल हक ने कहा कि उक्त टोल प्लाजा में बार-बार ऐसी घटनाएं हो रही है जो चिंता का विषय है इस संबंध में पुलिस उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर करी से करी कार्रवाई करते हुए दोषियों को जेल भेजा जाना चाहिए। गौरतलब हो कि पूर्व में भी उक्त टोल प्लाजा विवादों से चर्चा में रहा और पूर्व में जो घटना हुई उसको लेकर मामला भी दर्ज हुआ था। प्राप्त जानकारी के अनुसार लूटे गए 12 मवेशियों में से 11 को जिन्दा बरामद किया गया है तथा एक की मृत्यु हो गई है। गौर करें की मवेशियों की बरामदगी जनप्रतिनिधि के यहां से हुई है। उक्त टोल प्लाजा में पूर्व में भी अवैध वसूली और रुपया लूटने का आरोप लगा था और मामला भी दर्ज हुआ था।●

खनन विभाग ने जुलाई माह में 30.92 लाख राजस्व वसूला

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

जिला खनन विभाग ने जुलाई महीने में कार्रवाई करते हुए अवैध खनन और परिवहन पर शिकंजा कसा है। जिलाधिकारी विशाल राज (डीएम) किशनगंज के निर्देश पर खनन विभाग द्वारा चलाए गए विशेष अभियान के दौरान, विभाग ने 28 अवैध वाहनों (ट्रक और ट्रैक्टर) को जब्त किया है। इन वाहनों से कुल 30.92 लाख का राजस्व वसूला गया है। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए, खान निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि जिले में अवैध बालू और

खनन, परिवहन को रोकने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पकड़े गए वाहनों पर बिहार लघु खनिज नियमावली के तहत जुर्माना लगाया गया है। खनन विभाग की इस कार्रवाई से अवैध कारोबार में लिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी और अवैध गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। खनन पदाधिकारी किशनगंज प्रणव कुमार प्रभाकर ने कहा कि सरकारी राजस्व की क्षति किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी।●

कचरे के ढेर के बीचों बीच उप स्वास्थ्य केंद्र

● **फरीद अहमद**

स्वच्छता अभियान को धता बताते हुए, किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड की तातपौआ पंचायत के कादोगांव में स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों खुद ही गंदगी का शिकार है। यह स्वास्थ्य केंद्र सूखे, गीले और पॉलीथीन कचरे के ढेर के बीच चल रहा है, जिससे यहां आने वाले मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों दोनों के लिए खतरा पैदा हो गया है। जहाँ एक ओर देश भर में स्वच्छता को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इस उप स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लोग कचरा इसी अस्पताल परिसर में फेंकते हैं। इससे यह साफ जाहिर होता है कि न सिर्फ प्रशासन, बल्कि आम लोगों में भी स्वच्छता के प्रति उदासीनता है। कचरे के ढेर से उठती बदबू और गंदगी, बीमारियों को न्योता दे रही है। इस माहौल में मरीजों का इलाज करना और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना बेहद चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में यह सवाल खड़ा होता है कि जो केंद्र लोगों को स्वस्थ रखने के लिए बनाया गया है, वह खुद ही बीमारियों का गढ़ क्यों बन रहा है? इस प्रकार की व्यवस्था जिम्मेदार लोगों की उदासीनता को दर्शाता है।●

आंगनबाड़ी केंद्र में उजागर हुई लापरवाही

● **फरीद अहमद**

किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत मालिनगांव पंचायत के वार्ड संख्या 8 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 195 में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। बच्चों के लिए चलाई जा रही इस योजना की हकीकत जमीन पर बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। केवल सच की टीम के पड़ताल के दौरान पाया गया कि केंद्र में बच्चों को अब तक ड्रेस उपलब्ध नहीं कराई गई है। इतना ही नहीं, बच्चों के खेलने के लिए कोई खिलौने भी मौजूद नहीं हैं। सेविका ने खुद स्वीकार किया कि केंद्र में बच्चों को मिलने वाले लाभ अधूरे हैं। सेविका ने बताया कि बच्चों को ड्रेस और खिलौना लगभग तीन वर्षों से नहीं मिल रहा है। सबसे बड़ी गड़बड़ी पोषण आहार में देखी गई। तयशुदा मेन्यू के अनुसार शुक्रवार को बच्चों को सब्जी-चावल परोसा जाना चाहिए था, लेकिन मौके पर बच्चों को खिचड़ी देने की बात सामने आई और सेविका कौशरी बेगम ने भी इस बात को मान लिया कि खिचड़ी बनाई गयी है क्योंकि सब्जी नहीं थी । वहीं मौके पर सेंटर में सेविका की अनुपस्थिति थी कुछ देर बाद सेविका सेंटर पहुंची। सहायिका ने कैमरे में कुछ भी बताने से साफ साफ मना कर दिया। इस तरह की लापरवाही न सिर्फ बच्चों के अधिकारों का हनन है, बल्कि यह स्पष्ट करता है कि केंद्र में व्यवस्था के नाम पर भ्रष्टाचार हावी है। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इलाके के आंगनबाड़ी केंद्रों का यही हाल है। अब देखने वाली बात यह होगी कि विभाग इस मामले को गंभीरता से लेकर क्या कार्रवाई करता है या फिर यह मुद्दा भी कागजी खानापूर्ति तक सीमित रह जाएगा।●

आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 195 की तस्वीर

नल से जल गायब, धरातल पर बेअसर है योजना

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज प्रखंड के तातपौआ पंचायत में नल जल योजना की स्थिति दयनीय है. सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल का जल योजना इस पंचायत में बेअसर दिख रही है, जिससे लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है. पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि रसमुद्दीन फैज ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की है. उन्होंने बताया कि सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना तातपौआ पंचायत में ठीक से लागू नहीं हो पाई है, जिससे लोगों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है. उनका कहना है कि संचालक को सही तरीके से वेतन भी नहीं मिल रहा जिससे की वे काम कर सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से

इस समस्या पर ध्यान देने और जल्द से जल्द इसका समाधान करने की अपील की है. वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिंदेश रॉय ने वार्ड नंबर 8 की स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि यहां नल तो लगे हुए हैं, लेकिन उनमें न तो टोटियां हैं और न ही जल की आपूर्ति हो रही है. इससे योजना की खामियां साफ तौर पर उजागर हो रही हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि नल होने के बावजूद पानी न मिलने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. इस मामले ने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. जहां एक ओर सरकार हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर तातपौआ पंचायत जैसी जगहों पर योजना का हाल बेहाल है. अधिकारियों की उदासीनता और देखरेख की कमी के कारण यह योजना सिर्फ कागजों तक ही सीमित होकर रह गई है।●

एसएसबी ने दो मोटर साइकिल के साथ लदा वस्त्र किया जप्त

● फरीद अहमद

28 जुलाई को वाहिनी को गुप्त सूचना मिली कि समवाय पाठामारी के कार्यक्षेत्र के पीलर संख्या 114/28 के आस पास अवैध सामान की तस्करी की जानी है, इस गुप्त सूचना को स्वर्ण जीत शर्मा, कमान्डेंट, 19 वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, ठाकुरगंज के दिशा निर्देशन के आधार पर "सी" समवाय पाठामारी, के जवानों द्वारा संयुक्त रूप से त्वरित कार्यवाही करते हुए विशेष गश्तीदल तैयार किया गया और गश्ती दल को तुरंत घटना स्थल की ओर रवाना किया गया । और विशेष गश्ती दल द्वारा अवैध सामान की तस्करी करने वाले लोगों पर कड़ी कार्यवाही करने के क्रम में भारत-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 114/28 से लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी (भारत की ओर) से दो तस्कर एवं 2 मोटर साईकिल के साथ अवैध सामान भारत से नेपाल ले जाने के क्रम में सीमा स्तंभ संख्या 114/28 से लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी के पास गस्ती दल को देख कर अवैध सामान को छोर भाग गया। विशेष गश्ती दल जब घटना स्थल के पास पँहुची तो जाँच के दौरान छोड़ा हुआ सामान का तलासी किया, जिसमें दो मोटर साइकिल थे जिनकी पहचान एक की Hero 125: BR 37L 8331 था तो दूसरा Honda SP125:

BR23AB 6664 था। इसके अलावे सफेद खादी का 11 थान कपड़ा, पैंट का 30 थान कपड़ा, 20 मीटर: 10 नग, 18 मीटर: 20 नग एवं साड़ी: 117 नग था।

उपरोक्त सामान को अवैध रूप से भारत से नेपाल ले जाया जा रहा था । अवैध सामान की तस्करी होने के कारण आवश्यक कागजी कार्यवाही करने के पश्चात प्राप्त सामग्री को कस्टम कार्यालय ठाकुरगंज को अग्रिम कार्यवाही के लिए सौंप दिया गया था।●

भ्रष्टाचार के खिलाफ धरना प्रदर्शन

● फरीद अहमद

ठाकुरगंज प्रखंड परिसर में AIMIM के नेतृत्व में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन की अगुवाई AIMIM के सीमांचल प्रभारी गुलाम हसनैन ने की, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए। गुलाम हसनैन ने इस दौरान सरकार की नीतियों को जन विरोधी बताया और SIR, मोटेशन, और परिमार्जन जैसी प्रक्रियाओं में हो रहे भ्रष्टाचार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कामों में लाखों रुपये की लूट हो रही है, जिसे तुरंत रोका जाना चाहिए। हसनैन ने चेतावनी दी कि अगर यह भ्रष्टाचार बंद नहीं हुआ तो आगे अनशन करने पर भी विचार किया जाएगा। AIMIM नेता राहील अख्तर ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह धरना प्रदर्शन मुख्य रूप से प्रखंड कार्यालय के कर्मचारियों के खिलाफ था, जो मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि SIR से जुड़े

निवास प्रमाण पत्र जारी करने में जानबूझकर देरी की जा रही है, जो सरकार के इशारे पर हो रहा है। प्रदर्शन के बाद, गुलाम हसनैन ने अपने पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर ठाकुरगंज अंचल कार्यालय में अंचल अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और SIR, मोटेशन, और परिमार्जन जैसी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने की मांग की गई है।●

ब्रम्हा कुमारी संस्था द्वारा कार्यक्रम का आयोजन

● फरीद अहमद

स्वर्ण जीत शर्मा, कमान्डेंट, 19वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, ठाकुरगंज के दिशानिर्देशन पर आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत 19 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय ठाकुरगंज द्वारा ब्रम्हा कुमारी संस्था के प्रभारी ब्रम्हा कुमारी शारदा एवं उनके सदस्यों द्वारा रक्षाबंधन का त्योहार मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय श्री स्वर्ण जीत शर्मा, कमांडेंट 19 वी वाहिनी सशत्र सीमा बल ठाकुरगंज द्वारा ब्रम्हा कुमारी संस्था के प्रभारी ब्रम्हा कुमारी शारदा एवं उनके सदस्यों का स्वागत एवं

अभिनंदन किया। उन्होने बताया की वो यहाँ आकर सभी जवानो को उनकी बहन पास न होने का एहसास दिलाया। तत्पशात ब्रम्हा कुमरी शारदा जी ने स्वर्ण जीत शर्मा, कमांडेंट 19 वी वाहिनी के कलाई पर राखी बांधकर उनकी लंबी आयु और सफलता के लिए प्राथना किया। इसके उपरांत उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानो की कलाई पर राखी बांधा । उनके द्वारा सभी जवान भाइयों को मिठाइयाँ दी गयी। इस शुभ अवसर पर स्वर्णजीत शर्मा, कमांडेंट, 19वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, ठाकुरगंज, राजीव शर्मा, उप कमान्डेंट, विकास कुमार पाण्डेय, उप कमान्डेंट, निरीक्षक प्रशासन हरदेव, एवं वाहिनी के समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।●

कृषि समन्वयक के द्वारा उर्वरक प्रतिष्ठानों से अनैतिक मांग पर करें सेवा समाप्त : जिला पदाधिकारी

● रवि रंजन मिश्र

जिले में किसानों को उर्वरकों की निर्बाध और पारदर्शी आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा खाद की उपलब्धता में किसी भी तरह की समस्या किसानों को नहीं हो, इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाये गये हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि उर्वरकों की बिक्री में किसी भी तरह की कालाबाजारी, जमाखोरी या मनमाने मूल्य वसूली को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उर्वरकों की बिक्री में गड़बड़ी, कालाबाजारी या कृत्रिम संकट पैदा करने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चाहे वो उर्वरक विक्रेता हों या फिर सरकारी पदाधिकारी एवं कर्मी, किसी को बख्शा नहीं जायेगी। ऐसा करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई भी की जा रही है ताकि किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। इसी कड़ी में लौरिया प्रखंड अंतर्गत मे0 शिव खाद भंडार द्वारा उर्वरक विक्रय में अनियमितता बरतने को लेकर प्रतिष्ठान के प्रोपराईटर रश्मि कुमारी के विरूद्ध लौरिया थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। इसके पूर्व बगहा-02 प्रखंड अंतर्गत राय खाद भंडार के विरूद्ध भी प्राथमिकी (संख्या-95/25) दर्ज करायी गयी थी, अब इनका लाईसेंस भी रद्द कर दिया गया है। साथ ही अनियमितता में संलिप्त किसान सलाहकार रामबेलास प्रसाद को बर्खास्त कर दिया गया है।

विदित हो कि विगत दिनों जिलास्तरीय टीम द्वारा औचक जांच के क्रम में शिकायतों को सही पाते हुए 18 दुकानों का लाईसेंस सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही 25 उर्वरक प्रतिष्ठानों से स्पष्टीकरण की मांग की गयी है। स्पष्टीकरण का जवाब संतोषजनक नहीं पाये जाने पर उनके विरूद्ध

भी सख्त कार्रवाई की जायेगी। इसी परिप्रेक्ष्य में जिला पदाधिकारी, श्री धर्मेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक सहित कृषि विभाग के अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुयी। जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि कृषि कार्यों में उर्वरकों की महत्ता को देखते हुए उर्वरक की बिक्री में किसी भी तरह की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उर्वरक विक्रेता निर्धारित मूल्य पर ही खाद बेचें और इसकी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। जीरो टॉलरेंस नीति के तहत खाद की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें गठित की गई हैं, जो नियमित रूप से उर्वरक दुकानों का निरीक्षण करेंगी और सुनिश्चित करेंगी कि किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी कहा है कि किसानों की सहूलियत और सुविधा सर्वोपरि है, और किसी भी किसान को खाद के लिए परेशान नहीं होना पड़े, इसके लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत किया जाय। किसानों की सुविधा और सम्मान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। यदि किसी स्तर पर कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लगातार औचक निरीक्षण किया जाय तथा किसी भी शिकायत की तत्काल जांच कर कठोर कार्रवाई की जाये। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यदि कोई किसान सलाहकार अथवा कृषि समन्वयक उर्वरक प्रतिष्ठानो से अनैतिक मांग करता है तो उनकी भी सेवा समाप्त कर दी जायेगी। उन्होंने यह भी अपील की कि यदि किसी किसान को उर्वरकों की खरीद में कोई समस्या आती है या कोई दुकानदार अनुचित व्यवहार करता है, तो वे सीधे संबंधित अधिकारियों को सूचित करें।

इस अवसर पर विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, श्री सुजीत कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी, श्री सरफराज असगर सहित कृषि विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।●

धान अधिप्राप्ति में गबन को लेकर पैक्स अध्यक्ष को भेजा गया जेल

● रवि रंजन मिश्र

खरीफ विपणन वर्ष 24-25 में धान अधिप्राप्ति के पश्चात क्रय किये गए धान का गबन करने को लेकर बगहा 02 प्रखंड अंतर्गत बैराटी बरिअरवा पैक्स अध्यक्ष सरफराज अहमद को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी, बगहा के द्वारा दिनांक 16. 06.2025 को बैराटी बरिअरवा पैक्स की जाँच की गई थी। जाँच के क्रम में पैक्स गोदाम में धान नहीं पाया गया। जांच के क्रम में ज्ञात हुआ कि बैराटी बरिअरवा पैक्स द्वारा कुल 6495 क्विंटल धान का क्रय किया गया एवं 3378 क्विंटल धान मिल को उपलब्ध कराया गया। शेष इनके गोदाम में कुल 3177 क्विंटल धान उपलब्ध होना चाहिए था, जो गोदाम में नहीं पाया गया। इसे जिला पदाधिकारी द्वारा अत्यंत ही गंभीरता से लिया गया और जिला सहकारिता पदाधिकारी को प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के आलोक में वरीय सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, बगहा 02 द्वारा चिउटाहा थाना में बैराटी बरिअरवा पैक्स अध्यक्ष सरफराज अहमद एवं प्रबंधक, दानिश अहमद के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई। उक्त प्राथमिकी के आलोक में चिउटाहा थाना द्वारा बैराटी बरिअरवा पैक्स अध्यक्ष सरफराज अहमद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। विदित हो कि पूर्व में ही धान अधिप्राप्ति में गड़बड़ी को लेकर मझौलिया प्रखंड के रतनमाला पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक तथा मैनाटाँड़ प्रखंड के बरवा पैक्स अध्यक्ष एवं प्रबंधक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के आलोक में संबंधित स्थानीय पुलिस छापेमारी कर रही है। सीएमआर आपूर्ति में लापरवाही, शिथिलता एवं कोताही को लेकर जिला पदाधिकारी ने जिला सहकारिता पदाधिकारी को शोकॉज करने तथा वेतन निकासी पर रोक लगा दिया है। इसके साथ ही प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी की जिम्मेवारी तय करते हुए विधिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।●

गरीबों की भलाई के लिए करें कार्य : श्रवण कुमार

● रवि रंजन मिश्र

श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा पश्चिम चंपारण में ग्रामीण विकास की योजनाओं की भौतिक स्थिति एवं क्षेत्रीय स्तर पर उनके क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा हेतु समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। जिला सामाहरणालय सभागार बेतिया में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में सर्वप्रथम उप विकास आयुक्त श्री सुमित कुमार द्वारा माननीय मंत्री जी को पौधा देकर स्वागत किया गया, एवं समीक्षात्मक बैठक की कार्रवाई प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया। माननीय मंत्री जी द्वारा आवास योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार योजना, मनरेगा, जल जीवन हरियाली, जीविका, सामाजिक अंकेक्षण आदि ग्रामीण विकास की योजनाओं की समीक्षा की गई। आवास योजना की समीक्षा के क्रम में उनके द्वारा निर्देश दिया गया कि इंदिरा आवास योजना के वे लाभार्थी जिनके मकान अभी अपूर्ण है उन्हें अभियान चलाकर शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने सभी प्रखंड विकास प्राधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभार्थियों को आवास योजना का लाभ दिया गया है तो उनका मकान पूर्ण करने की जवाब देही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी की है। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी तत्परतापूर्वक करेंगे। मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में मंत्री जी द्वारा बगहा 1, नौतन, मधुबनी, लोरिया के कार्यक्रम पदाधिकारी को शत प्रतिशत जॉब कार्डधारी को रोजगार मुहैया न कराए जाने के कारण कड़ी फटकार लगाई एवं उनपर कार्रवाई करने का निर्देश उप विकास आयुक्त को दिया

गया। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान में शौचालय विहिन परिवारों को शौचालय निर्माण एवं भुगतान में अकर्मण्यता के कारण जिला समन्वयक को कड़ी फटकार लगाई गई एवं चेतावनी दी गई थी यदि अपेक्षित प्रगति नहीं गया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सामाजिक अकेंक्षण की समीक्षा करते हुए मंत्री जी द्वारा सामाजिक अकेंक्षण के कार्य में शिथिलता बरतने के कारण डीआरपी को शीघ्र प्रगति लाने का निर्देश दिया गया अन्यथा सेवा समाप्ति की चेतावनी दी गई। जीविका के कार्य की सराहना की गई एवं निर्देश दिया गया कि जिन जीविका दीदियों को बकरी शेड, पशु शेड आदि की आवश्यकता है उसकी सूची बनाकर मनरेगा को दे दिया जाए ताकि उन्हें शेड निर्माण के लाभ से लाभान्वित किया जा सके। जल जीवन हरियाली की प्रगति अच्छी थी इसके लिए उप विकास आयुक्त को धन्यवाद दिया गया। इसके पूर्व मंत्री , ग्रामीण विकास विभाग द्वारा चनपटिया प्रखंड के प्रखंड परिसर में अवस्थित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट का उद्घाटन किया गया एवं इस प्रकार के यूनिट की स्थापित होने से प्लास्टिक जैसे कचरा के निस्तारण हेतु प्रबंधन की व्यवस्था होने पर खुशी जाहिर की। इसके साथ-साथ चनपटिया प्रखंड के जैतीया पंचायत में खेल मैदान का उद्घाटन माननीय मंत्री द्वारा किया गया। उद्घाटन के दौरान खिलाड़ियों से परिचय प्राप्तकिया गया एवं उनका हौसला आफजाई किया गया। उद्घाटन के साथ-साथ मंत्री जी द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया एवं मनरेगा पार्क का शिलान्यास भी किया गया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री के द्वारा लोगों को बताया गया कि बिहार सरकार ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित है तथा यथासंभव ग्रामीण क्षेत्र के हर क्षेत्र के विकास के लिए सरकार कार्य कर रही है। मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लोगों को आश्वासन दिया गया कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए कार्य करेगी जिसकी आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्र में है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, श्री सुमित कुमार, निदेशक, डीआरडीए, श्री अरूण प्रकाश, निदेशक, एनईपी, श्री पुरुषोत्तम त्रिवेदी सहित अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा, सभी प्रखंड समन्वयक, सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक, जीविका सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।●

बेहतरीन कार्य हेतु एसएसपी सारण को किया गया पुरस्कृत

● गुड्डू कुमार सिंह

विश्व मानव व्यापार निषेध दिवस के अवसर पर आज दिनांक 30 जुलाई 2025 को सरदार पटेल भवन पुलिस मुख्यालय बिहार के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सारण जिला पुलिस द्वारा विभिन्न संगठनों के सहयोग से पिछले एक वर्ष में मानव तस्करी के विरुद्ध बेहतरीन कार्य किए जाने एवं 'आवाज दो' मुहिम के माध्यम से बाल/महिला अपराधों पर लगाम लगाने एवं जागरूक किए जाने हेतु सारण एसएसपी डॉ० कुमार आशीष को पुलिस महानिदेशक, बिहार श्री विनय कुमार द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर कई अन्य वरीय पुलिस पदाधिकारी एवं जिलों/प्रभाग/संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। पिछले 01 वर्ष में सारण पुलिस ने मानव तस्करी, बालिकाओं/महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, यौन उत्पीड़न, मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न, साइबर ब्लैकमेलिंग/बुलींग, अपहरण जैसे गंभीर अपराधों के खिलाफ एक अभूतपूर्व और सफल अभियान चलाया गया है। महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए NHRC/NCW से मिली सूचनाओं, जिला पुलिस द्वारा शुरू की गई 'आवाज दो' हेल्पलाइन नं0-9031600191 के साथ-साथ NGOs के सहयोग से सारण पुलिस के दृढ़ प्रयासों ने आज ऐतिहासिक परिणाम दिए हैं।

सारण पुलिस द्वारा मई-2024 से अब तक कुल 191 नाबालिग बालिकाओं को विभिन्न नृत्य मंडलों (ऑर्केस्ट्रा) / मानव तस्करी गिरोहों के चंगुल से सुरक्षित मुक्त कराया गया है और 24 प्राथमिकी (FIR) दर्ज करते हुए 69 कुख्यात तस्करों व शोषकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

✯ हमारी उपलब्धियाँ एक नजर में (मई 2024 जुलाई 2025) :-

☞ कुल मुक्त कराई गई बालिकाएं :- 191
☞ कुल दर्ज प्राथमिकी (FIR):- 24
☞ कुल गिरफ्तार अभियुक्त (तस्कर/शोषक) :- 69
☞ 50 से अधिक बालिकाओं को सफलतापूर्वक पुनर्वास कराया गया।

बाल/महिला हिंसा, उत्पीड़न और साइबर ब्लैकमेलिंग/बुलीइंग जैसे आधुनिक अपराधों से बचाने के लिए तथा नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास एवं सुरक्षा की भावना जागृत करने हेतु सारण पुलिस द्वारा अक्टूबर-2024 से अपना महत्वाकांक्षी 'आवाज दो' मुहिम शुरू किया गया है तथा हेल्पलाइन नंबर- 9031600191 जारी किया गया है। जिसके माध्यम से पीड़ित बालिकाओं एवं महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को 24X7 साझा किया जाता है। इस हेल्पलाइन नंबर के जरिए समस्या दर्ज करने वाली पीड़िताओं की पहचान गुप्त रखी जाती है। 'आवाज दो' मुहिम के तहत अबतक कुल 305 पीड़िताओं को सहायता प्रदान की गई है, 10 सोशल मीडिया अकाउंट्स रिकवर किए गए हैं, 25 फर्जी अकाउंट्स ब्लॉक कराए गए हैं और 354 अपहृताओं को भी सकुशल बरामद किया गया है। 'आवाज दो' मुहिम के माध्यम से जिला पुलिस के महिला पुलिस पदाधिकारियों द्वारा कॉलेजों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम निरंतर चलाई जा रही हैं एवं उन्हें हेल्पलाइन नंबर के बारे में सूचित किया जाता है ताकि वे किसी भी समस्या में हेल्पलाइन नंबर- 9031600191 पर 24X7 बिना संकोच के संपर्क कर सके। सारण पुलिस इस महत्वपूर्ण अभियान में आम जनता से पूर्ण सहयोग की हार्दिक अपील करती है एवं अनुरोध करती है कि बाल/महिला अपराध की सूचना हमें हेल्पलाइन नंबर के जरिए प्रदान करें। आपकी एक छोटी सी जानकारी किसी के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। आइए, मिलकर एक ऐसा सारण बनाएँ, जहाँ हर बेटी सुरक्षित हो, हर महिला सम्मान से जिए।●

पासपोर्ट बनवाने में टॉप-10 में भोजपुर

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिला अब पासपोर्ट निर्माण में राज्य के टॉप-10 जिलों में शामिल हो गया है। पहले जहां लोगों को पासपोर्ट बनवाने के लिए पटना आना-जाना पड़ता था, अब प्रतिदिन 35 से 40 पासपोर्ट वेरिफिकेशन भोजपुर के मुख्य डाकघर में बने केंद्र में ही किए जा रहे हैं। पिछले एक महीने में करीब 833 पासपोर्ट बनाए गए, जबकि पूरे साल में यह संख्या 8000 से अधिक हो जाती है। इससे स्पष्ट है कि जिले में विदेश जाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि पासपोर्ट प्रक्रिया की सफलता में जिला पुलिस की भूमिका विशेष रही है। वेरिफिकेशन का कार्य 99 प्रतिशत मामलों में ऑनलाइन ऐप के माध्यम से सात दिनों के अंदर पूरा किया जा रहा है, जिसके लिए पुलिस को सम्मानित भी किया जा चुका है। खास बात यह है कि पासपोर्ट बनवाने में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। हर दस में एक पासपोर्ट महिला के नाम पर बन रहा है। विदेश जाने वालों में दुबई नौकरी के लिए पहली पसंद है, वहीं शिक्षा व आईटी सेक्टर के लिए यूरोप व अमेरिका को तरजीह दी जा रही है। हज और उर्स यात्रा के लिए भी बड़ी संख्या में लोग पासपोर्ट बनवा रहे हैं।

भोजपुर में पासपोर्ट से संबंधित प्रमुख आंकड़े

- ☞ प्रति दिन लगभग 35-40 पासपोर्ट सत्यापन।
- ☞ प्रति माह औसतन 833 पासपोर्ट जारी।
- ☞ वर्ष 2024 में अब तक कुल 9959 पासपोर्ट जारी।
- ☞ 99% मामलों में डिजिटल मोड में सत्यापन।
- ☞ महिलाओं की भागीदारी लगभग 10 प्रतिशत।

डाक विभाग की तत्परता पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया को सहज बना रही है। पासपोर्ट तैयार होते ही आवेदनकर्ताओं को फोन कर बुलाकर दस्तावेज सौंपे जा रहे हैं। डाक अधीक्षक भाग इस प्रक्रिया को और भी तेज और सुविधाजनक बना रहा है और इसकी लगातार मानीटरिंग की जाती है।

नीरज कुमार, डाक अधीक्षक, भोजपुर/ बक्सर'

भोजपुर के विदेश जाने वाले आवेदकों में दुबई और अन्य खाड़ी देशों, साथ ही यूरोप और अमेरिका की भी मांग बढ़ रही है। खासकर खाड़ी देशों (दुबई आदि) में नौकरी के कारण आवेदक अधिक हैं। शिक्षा, बेहतर रोजगार और धार्मिक यात्राएं भी प्रमुख कारण हैं, जिनसे पासपोर्ट बनवाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। जिले से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मेडिकल और इंजीनियरिंग समेत उच्च शिक्षा के लिए विदेश के संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। इसके अलावा खाड़ी के देशों में रोजगार के लिए भी बड़ी संख्या में कामगार यहां से जाते हैं।●

भोजपुर के पुलिस पदाधिकारियों का बदला मोबाइल नंबर

भोजपुर जिले के पुलिस अधिकारियों का सरकारी मोबाइल नंबर बदल गया है। पुलिस कप्तान से लेकर सभी थाने तक का नंबर बदल दिया गया है। अब बीएसएनएल के बदले इन पुलिस अधिकारियों के पास एयरटेल का नया नंबर होगा। एसपी राज की ओर से नया नंबर भी जारी कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी सूची के अनुसार एसपी का नया मोबाइल नंबर 9031826621 है।

बीएसएनएल के बदले एयरटेल का मोबाइल नंबर

एसडीपीओ वन	:	9031826622	सदर अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826633
सदर एसडीपीओ टू कोईलवर	:	9031826623	कोईलवर अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826638
पीरो एसडीपीओ	:	9031826624	बिहिया अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826639
जगदीशपुर एसडीपीओ	:	9031826625	जगदीशपुर अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826640
मुख्यालय डीएसपी	:	9031826626	अगिआंव अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826641
ट्रैफिक डीएसपी	:	9031826627	पीरो अंचल इंस्पेक्टर	:	9031826642
साइबर डीएसपी	:	9031826628	नगर थाना	:	9031826644
रक्षित डीएसपी	:	9031826629	नवादा थाना	:	9031826645
पुलिस केंद्र के परिचारी प्रवर	:	9031826630	मुफस्सिल थाना	:	9031826646
नगर/नवादा पुलिस इंस्पेक्टर कार्यालय	:	9031826632	उदवंतनगर थाना	:	9031826647

कोईलवर थाना	:	9031826648	तीयर थाना	:	9031826674
चांदी थाना	:	9031826649	बिहिया थाना	:	9031826675
बड़हरा थाना	:	9031826651	शाहपुर थाना	:	9031826676
कृष्णगढ़ थाना	:	9031826652	एसपी आवास टेलिफोन ड्यूटी	:	9031826677
महिला थाना	:	9031826653	बबुरा थाना	:	9031826678
गड़हनी थाना	:	9031826654	ट्रैफिक थाना	:	9031826679
संदेश थाना	:	9031826655	हसन बाजार थाना	:	9031826680
चौरी थाना	:	9031826656	पवना थाना	:	9031826681
नारायणपुर थाना	:	9031826658	धोबहां थाना	:	9031826682
अजीमाबाद थाना	:	9031826659	गजराज गंज ओपी	:	9031826683
सहार थाना	:	9031826661	सिन्हा थाना	:	9031826685
पीरो थाना	:	9031826662	खवासपुर थाना	:	9031826686
तरारी थाना	:	9031826663	धनगाई थाना	:	9031826687
सिकरहट्टा थाना	:	9031826664	आयर थाना	:	9031826688
ईमादपुर थाना	:	9031826665	बहोरनपुर थाना	:	9031826689
अगिआंव बाजार थाना	:	9031826668	करनामेपुर थाना	:	9031826691
डीआईयू	:	9031826669	एससी एसटी थाना	:	9031826692
विधि–व्यवस्था शाखा	:	9031826670	गीधा थाना	:	9031826693
चरपोखरी थाना	:	9031826671	पुलिस केंद्र के उपस्कर शाखा	:	9031826694
जगदीशपुर थाना	:	9031826673	परिवहन शाखा	:	9031826695

पी.के. ने छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर नीतीश को घेरा

● **गुड्डू कुमार सिंह**

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी बिहार बदलाव यात्रा के क्रम में आज कैमूर के भभुआ में बिहार बदलाव जनसभा करने पहुंचे। जनसभा के बाद उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए नीतीश कुमार और भाजपा पर जमकर हमला बोला। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में अभी लोकतंत्र नहीं, लाठीतंत्र है। जो भी सरकार के खिलाफ खड़ा होगा, उसको सरकार लाठी से मारेगी। यह पहली घटना नहीं है। पिछले 3 साल में लगभग 80 बार इन्होंने लाठी चलवाई है। शिक्षक, रसोइए, आशा कार्यकर्ता, स्टूडेंट्स, जो भी आवाज उठाने गया, उसपर लाठी चला है। जन सुराज के आने के बाद से यह थोड़ा कम हुआ है। अब सिर्फ तीन महीना रह गया है। लोग तैयार हैं, इनको अब और मौका नहीं मिलेगा। पीके ने इस दौरान पलायन को बिहार का सबसे बड़ा दर्द बताते हुए किशनगंज के एक किशोर के साथ हरियाणा में हुई घटना को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 15 साल के बच्चे से गुलामों की तरह मजदूरी कराई गई। हाथ कट गया तो इलाज नहीं करने दिया। वो बच्चा भागकर 150 किमी चलकर वहां से निकला। इसपर हरियाणा के भाजपा की सरकार नहीं बोल रही है। वो लोग यहां आकर वोट मांग रहे हैं। वहीं अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50% टैरिफ लगाए जाने को लेकर प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तंज भरा हमला किया। उन्होंने कहा कि यह भाकपा के ही लोग थे जो भारत को विश्वगुरु बता रहे थे। ट्रंप का जयकार कर रहे थे। भाजपा समर्थक बता रहे थे कि ट्रंप मोदी से डर रहे हैं। वो देख लें कि अब ट्रंप ने चाइना के बाद सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर ही लगाया है।●

अनुमंडलाधिकारी बक्सर को बदनाम करने की साजिश

● बिन्ध्याचल सिंह

बक्सर जिला अन्तर्गत पदाधिकारीयो को फँसाने की साजिस पुरानी है। जिसका शिकार पहला-तत्कालीन जिला कृषि पदाधिकारी विक्रमा राम और दुसरा-तत्कालीन बाल संरक्षण इकाई पदाधिकारी सत्यनारायण प्रसाद सिंह शामिल है जबकि तीसरा-अनुमण्डलाधिकारी,बक्सर श्री अविनाश कुमार पर कुछ शरारती तत्वो की नजर पड रही है। जिसका मुख्य कारण तत्कालीन अनुमण्डलाधिकारी श्री धीरज कुमार मिश्रा वाली गलतियॉ श्री कुमार दुहराना नही चाहते है। जिसका प्रमाण है सोशल मिडिया पर वायरल विडियो। इस बात की जानकारी केवल सच प्रतिनिधि को 15 अगस्त 2025 को रामरेखा घाट चुडी बाजार के एक दुकान पर आये एक ग्रहको से हुई जो प्रत्यक्षदर्शी थें। वही दूसरा ने कहा कि वीडीयों में पहले 27 सेकेंड की तस्वीर किसी भी तरह से सही नही है जबकि 27 से 32 सेकेंड के विडियो से स्पष्ट होता है कि एस डी एम साहब जहॉ बाइक पडी है वहॉ से करीब चार-पॉच फीट की दुरी पर है। बाइक गिरने का कारण मुलतः वारिश थी। वही आदर्श नगर थाना में आवेदन कर्ता श्री कृष्ण बिहारी उपाध्याय के प्रतिनिधि ने केवल सच प्रतिनिधि को जानकारी दी कि तत्कालीन एसडीएम को खुला चैलेंज देने वाले विधि सलाहकार बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर की सुनियोजित योजना हो सकती है। प्रिय पाठकगण जानकारी के लिये बताते चले कि कृष्ण बिहारी उपाध्याय ने बडी मठिया रामरेखा घाट, बक्सर के महंत श्री चन्द्रमा दास, आर्दश नगर कांड संख्या-5793007340663/2024, दिनांक 07/12/2024 को दर्ज करा चुके है। परन्तु 09 माह बीतने के बाद भी आर्दश नगर थाना व कांड के सुपरविजनकर्ता के द्वारा किसी भी प्रकार की कारवाई न होने से अभियुक्तो का मनोबल बढ रहा है। जिसका प्रमाण ईडिट किया हुआ विडियो, जो वायरल है, एस डी एम बक्सर को बदनाम करने के लिये काफी है। नाम नही छपने के शर्त पर रामरेखा घाट के एक समाजसेवी ने बताया कि अगर एस डी एम बक्सर अगर अपनी कर्तब्यनिष्ठता से समझौता नही करते है तो बदनामी के और अन्य हथकंडे अपनाये जा सकते है। समाजसेवी ने आगे कहा कि चाहे जितना भी कोई शरारत करे, ईमानदारी पर अंगुली नही उठाई जा सकती। अर्थात ''ईमानदारी दब नही सकती, शरारती तत्वो के दबाने से, कि सुरज डुब नही सकता पानी में डुबोने से''।●

औद्योगिक विकास या प्रशासनिक अव्यवस्था

● **बिन्ध्याचल सिंह**

बीते दिनों बक्सर जिला उद्यमी संघ, बक्सर के बैनर तले ''औद्योगिक विकास या प्रशासनिक अव्यवस्था'' बक्सर जिला की एकजुट आवाज के तहत MSME Development Institute से निष्पक्ष सर्वे कराये जाने, BIADA की प्रतिकूल नीतियों में सुधार करने एवं औद्योगिक क्षेत्र में अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने को लेकर महत्वपूर्ण मांग रखी गई। गौरतलब है कि बक्सर जिला उद्यमी संघ द्वारा जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर को एक आवेदन लिखा गया जो कि बिहार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से संबंधित समस्याओं एवं सुझावों के संबंध में था। आवेदन के जरीये अवगत कराते हुए उद्यमी संघ द्वारा कहा गया कि हम बक्सर जिले के उद्यमीगण आपके नेतृत्व में बिहार में उद्यम, विकास एवं औद्योगिक नीति को लेकर हो रहे संवाद से अत्यंत आशान्वित हैं। हम आपको राज्य के उद्योगों से जुड़ी कुछ ज्वलंत समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराना चाहते हैं, जो राज्य के औद्योगिक विकास एवं उद्यमियों के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं :-

☞ **भूमि आवंटन के बाद उद्योग संचालक के सभी कार्य जिला उद्योग केंद्र (DIC) के माध्यम से कराए जाएं :-** BIADA द्वारा भूमि आवंटन के पश्चात उद्यमियों को विभिन्न प्रशासनिक अनुमतियाँ, स्वीकृतियाँ, निरीक्षण और विकासात्मक कार्यों के लिए कई विभागों के चक्कर काटने पड़ते हैं। यदि एकल खिड़की व्यवस्था के अंतर्गत DIC को पूर्ण रूप से जिम्मेदार बनाया जाए, तो न केवल प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि भ्रष्टाचार और देरी में भी कमी आएगी। इससे छोटे और मध्यम उद्यमियों को विशेष राहत मिलेगी।

☞ **उत्पादन प्रारंभ होने के बाद इकाई को 'फ्रीहोल्ड' कर दिया जाए और उसकी देखरेख DIC करे :-** BIADA की लीज व्यवस्था कई वर्षों तक बनी रहती है, जिससे उद्यमी के पास संपत्ति पर पूर्ण स्वामित्व नहीं होता। यदि इकाई उत्पादन में आ जाती है, तो उसे फ्रीहोल्ड (पूर्ण स्वामित्वाधिकार) देना चाहिए जिससे वह बैंक ऋण, विस्तार और अन्य व्यावसायिक निर्णयों में स्वतंत्रता पा सके। इसकी निगरानी DIC द्वारा होनी चाहिए ताकि फ्रीहोल्ड का दुरुपयोग न हो

☞ **सामूहिक रूप से इकाइयों का रद्दीकरण आदेश निरस्त किया जाए; लंबित वादों को वापस लिया जाए :-** हाल ही में BIADA द्वारा कई इकाइयों को 'निष्क्रिय' मानकर रद्द कर दिया गया है, जबकि कई मामलों में ये इकाइयाँ तकनीकी या कोविड जैसी आपात स्थितियों के कारण बंद थीं। बिना व्यक्तिगत सुनवाई के सामूहिक रद्दीकरण न्याय के विरुद्ध है। ऐसे आदेशों को निरस्त कर प्रत्येक इकाई को सुधार और पुनः संचालन का अवसर मिलना चाहिए। न्यायालय में लंबित वादों को समाधान के माध्यम से समाप्त किया जाए।

☞ **एग्जिट ट्रांसफर पॉलिसी का स्थायी अधिकार उद्यमी को मिले :-** BIADA की वर्तमान ट्रांसफर नीति में बार-बार परिवर्तन और अनिश्चितता के कारण उद्यमी संपत्ति ट्रांसफर या एग्जिट लेने में असमर्थ रहते हैं। एक स्पष्ट, स्थायी और उद्यमी हितैषी नीति होनी चाहिए जिसमें बिना भेदभाव सभी को एग्जिट और ट्रांसफर का अधिकार मिले। इससे निवेशकों में विश्वास भी बढ़ेगा।

☞ **उद्योग में लगी पूंजी की वापसी सुनिश्चित की जाए :-** जो उद्यमी वर्षों तक अपनी मेहनत और पूंजी से उद्योग स्थापित करते हैं, उन्हें यदि किसी कारणवश उद्योग बंद करना पड़े, तो कम-से-कम उनकी मूल पूंजी की आंशिक सुरक्षा होनी चाहिए। वर्तमान में BIADA ऐसी किसी व्यवस्था की गारंटी नहीं देता। एक पूंजी संरक्षण नीति बनाई जाए जो निष्क्रिय इकाइयों को पुनः निवेश करने का अवसर दे।

☞ **सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए स्पष्ट और व्यवहारिक नीति बने :-** MSME सेक्टर रोजगार और आत्मनिर्भरता की रीढ़ है। लेकिन इन उद्योगों को न तो पर्याप्त सुरक्षा मिलती है और न विकास का मार्गदर्शन। BIADA को एक समर्पित MSME डेस्क बनानी चाहिए जो इन्हें मार्गदर्शन, सब्सिडी और स्कीम्स की जानकारी दे सके। साथ ही, सरकार को एक स्पष्ट 'MSME नीति' लानी चाहिए जो मौजूदा और नए उद्यमियों को समान अवसर दे।

☞ **कमजोर एवं बीमार (Sick Units) इकाइयों के पुनर्निर्माण हेतु योजना बने :-** BIADA के क्षेत्र में कई इकाइयाँ केवल वित्तीय या प्रौद्योगिकी समस्याओं के कारण बंद हो गई हैं, जबकि इनका बुनियादी ढांचा अभी उपयोगी है। सरकार को एक ''Sick Unit Revival Scheme" लानी चाहिए जिसमें पुनर्संरचना, ऋण छूट, नई तकनीक, और साझेदारी के माध्यम से इन इकाइयों को दोबारा चालू किया जा सके। इससे रोजगार भी उत्पन्न होगा।

☞ **पुराने उद्योगों को उनके स्थापित नियमों के अनुसार ही चलने दिया जाए :-** BIADA द्वारा नए नियमों के क्रियान्वयन में अक्सर पहले से कार्यरत इकाइयों को भी शामिल कर लिया जाता है, जिससे उद्यमी असहाय और अस्थिर हो जाते हैं। यह नीति प्रतिकूल प्रभाव डालती है। पुराने उद्योगों को 'ग्रैंडफादर क्लॉज' के अंतर्गत उनके समय के नियमों पर ही आधारित चलने दिया जाए ताकि उनके अधिकार सुरक्षित रहें।

☞ **उद्योगों को उत्पादन या सेवा क्षेत्र में पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिए :-** BIADA द्वारा कई बार उत्पाद की सीमाएँ तय कर दी जाती हैं, जिससे उद्यमी बाजार की मांग अनुसार लचीलापन नहीं अपना पाते। यदि कोई इकाई कानूनी दायरे में रहकर सेवा क्षेत्र या अन्य उत्पादों की ओर जाना चाहती है, तो उसे इसकी अनुमति होनी चाहिए। प्रतिबंधित उत्पादों को छोड़कर उद्यमी को कार्य क्षेत्र में स्वतंत्रता देना व्यावसायिक वृद्धि के लिए अनिवार्य है।

बहरहाल, इन तमाम मांगों की आवाज बनने को लेकर प्रशांत किशोर के नाम प्रेषित इस आवेदन के सभी मुद्दों को बिहार की औद्योगिक नीति और जनसंवाद में प्राथमिकता दी जाने की बाते कही गई। ●

बक्सर स्टेशन

● **बिन्ध्याचल सिंह**

बक्सर स्टेशन 1862 में दानापुर-मुगलसराय रेलखंड (इकहरी लाईन ब्रॉड गेज) के खुलने के पश्चात् अस्तित्व में आया। 1868 में आरा से बक्सर तक तथा 1882 में बक्सर से दिलदारनगर तक दोहरीकरण का कार्य सम्पन्न किया गया। उत्तर प्रदेश से सटे बक्सर शहर बिहार का एक सीमावर्ती जिला मुख्यालय है जो गंगा नदी के किनारे स्थित है। बक्सर शब्द की व्युत्पति 'व्याघ्रसर' शब्द से हुआ है। प्राचीन काल में इसका नाम 'व्याघसर' था, क्योंकि उस समय यहाँ पर बाघों का निवास हुआ करता था तथा यहाँ एक बहुत बड़ा सरोवर भी था।

भारतीय इतिहास में यह स्थान प्रसिद्ध बक्सर युद्ध के लिए जाना जाता है। बक्सर का युद्ध 1764 में लड़ा गया था। यह महत्वपूर्ण युद्ध ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में एवं बंगाल के नवाब मीर कासिम, अवध के नवाब सुजाउदौला तथा मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय के संयुक्त सेनाओं के बीच लड़ा गया था। बक्सर में हुये युद्ध में निर्णायक

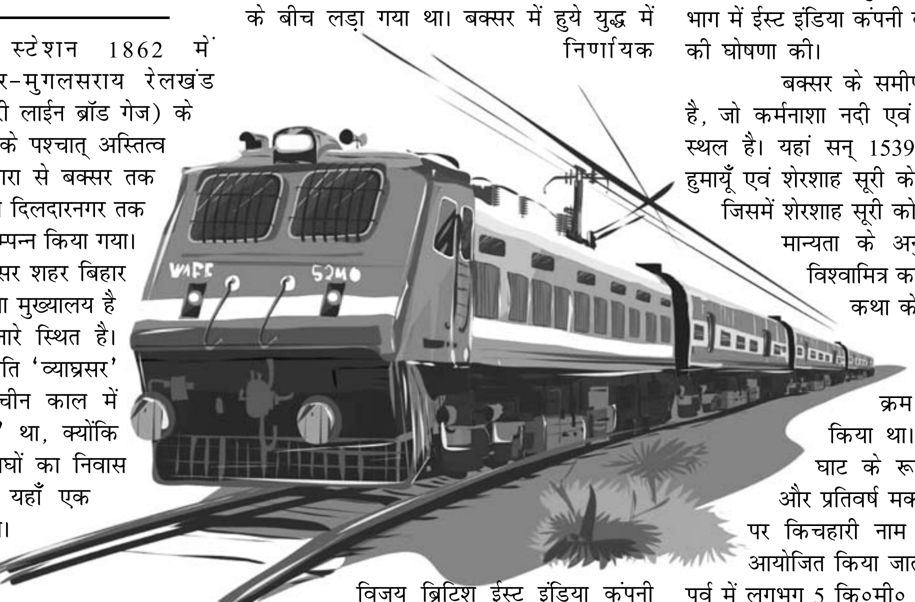

विजय ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की हुई थी। इस युद्ध के परिणामस्वरूप ईस्ट इंडिया कंपनी को आधुनिक राज्यों तथा पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार, झारखंड तथा उत्तर प्रदेश के भागों तथा बंगलादेश के पड़ोसी क्षेत्रों से राजस्व की वसूली का 'दीवानी अधिकार' का प्रबंध हो सका। इस युद्ध ने उप महाद्वीप के पूर्वी भाग में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की स्थापना की घोषणा की।

बक्सर के समीप चौसा नामक स्थान है, जो कर्मनाशा नदी एवं गंगा नदी का संगम स्थल है। यहां सन् 1539 को मुगल बादशाह हुमायूँ एवं शेरशाह सूरी के बीच युद्ध हुआ था, जिसमें शेरशाह सूरी को विजय प्राप्त हुई थी।

मान्यता के अनुसार बक्सर में गुरु विश्वामित्र का आश्रम था। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान राम और लक्ष्मण जनकपुर जाने के क्रम में गंगा नदी को पार किया था। यह जगह राम रेखा घाट के रूप में जानी जाती है और प्रतिवर्ष मकर संक्राति के अवसर पर किचहारी नाम से बहुत बड़ा मेला आयोजित किया जाता है। बक्सर के उत्तर पूर्व में लगभग 5 कि०मी० की दूरी पर अहिरोली गांव है, जहां गौतम ऋषि की श्रापित पत्नी अहिल्या का भगवान राम द्वारा उद्धार हुआ था। यहां देवी अहिल्या का एक मंदिर भी है। इसके अलावे यहां खरिका ब्रह्मपुर एवं पलासी इत्यादि महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

गुरुजी एक युग का अंत

● गुड्डी साव

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री झामुमो के संस्थापक और प्रदेश की सियासत में दिशोम गुरु के नाम से विख्यात शिबू सोरेन पंचतत्व में विलीन हो गए। 4 अगस्त को सोमवार के दिन सुबह 8:56 मिनट पर उन्होंने दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में ली अंतिम सांस पिछले कुछ महीनो से शिबू सोरेन बीमार चल रहे थे बता दे की सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरु जी के निधन की जानकारी सोशल मीडिया पर दी । उन्होंने लिखा कि बाबा नहीं रहें आज मैं शून्य हो गया हूं । वहीं कल्पना सोरेन ने भी कहा कि सब वीरान हो गया। झारखंड में तीन दिन का शोक घोषित किया गया इस बीच कोई भी सरकारी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए गए शोक की अवधि तीन दिनों तक राष्ट्रीय झंडा आधा झुका रहा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु के पार्थिव शरीर पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली सर गंगाराम अस्पताल में पहुंचकर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सर गंगाराम अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। 4 अगस्त को शाम के 7 बजे के लगभग गुरु जी के पार्थिव शरीर को लेकर रांची एयरपोर्ट से मोराबादी स्थित आवास लाया गया । गुरुजी के पार्थिव शरीर को रांची बिरसा मुंडा हवाई अड्डा से मोराबादी स्थित आवास लाने के क्रम में देखा गया कि सड़क के दोनों ओर खड़े हजारों की संख्या में लोगों ने अंतिम नमन किया और दिशोम गुरु अमर रहे का नारा लगाया। 5 अगस्त को सुबह 10:30 बजे के लगभग शिबू सोरेन के पार्थिव शरीर को झामुमो कार्यालय लाया गया उसके बाद विधानसभा परिसर। विधनसभा परिसर में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार विधानसभा अध्यक्ष केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्री गण विधायक और पूर्व सांसद पूर्व विधायक विधानसभा सचिवालय के पदाधिकारी कर्मचारी संघ सभी ने पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी । उसके बाद उनका पार्थिव शरीर रांची से पैतृक गांव के लिए ले जाया गया रामगढ़ के पैतृक गांव नेमरा में उनका अंतिम संस्कार हुआ। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिता को मुखाग्नि दी पूरे झारखंडी जनमानस की आंखें नम हो गई। हालांकि गुरुजी की पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन हो गई लेकिन उनके विचार और सिद्धांत अनंत काल तक झारखंड के फिजाओं में विद्यमान रहेंगे मुख्यमंत्री के कार्यकाल में गुरु जी के विचार हमेशा जिंदा रहेंगे गुरुजी जैसी शख्सियत कभी मरा नहीं करती कालचक्र गुरु जी के भौतिक शरीर को मिटा तो गया लेकिन इस राज्य के लोगों के प्रति उनका स्नेह समर्पण हमेशा रहेगा। नेमरा की धरती पर जब दिशोम गुरु शिबू सोरेन अमर रहेगा का नारा गूंजा तो यह केवल नारा भर ही नहीं था। वहां खड़ी हजारों के भीड़ के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे गुरुजी। जब पंचतत्व में विलीन हुए

गुरुजी तो शायद ही कोई दिल नहीं रोया होगा अपने महान नेता को खोने के बाद झारखंड का कोना कोना शिशक रहा है। जिस नेमरा की धरती पर गुरु जी ने जन्म लिया जिस घर में गुरु जी का बचपन खिला जिस नेमरा की मिट्टी में नन्हे गुरु जी के मन में अत्याचार अन्याय और शोषण के खिलाफ आक्रोश का बीज सींचा। उस मिट्टी ने गुरु जी को अपने आगोश में सुला दिया । शिबू सोरेन दिशोम गुरु जी ने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किये उन्होंने महाजनों से आदिवासियों को आजादी दिलाई भोले भाले आदिवासियों को हक अधिकार के लिए लड़ना सिखाया इस मिट्टी के स्वाभिमान के खातिर अपना खून और पसीना बहाया।

गुरुजी नेमरा गांव में पले बढ़े वहां उनका पैतृक गांव रहा है यही वह गांव है जहां से दिशोम गुरुजी ने आंदोलन और संघर्ष की शुरुआत की थी झारखंड आंदोलन में शिबू सोरेन की भूमिका बहुत बड़ी रही है उन्होंने झामुमो बनाया और आदिवासियों का सपोर्ट किया। अब कहानी आदिवासी समाज के भगवान और मसीहा जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पिता और कल्पना सोरेन के ससुर रहे। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को गोला प्रखंड के नेमरा गांव में हुआ था तब झारखंड बिहार से अलग नहीं हुआ करता था नेमरा बिहार के हजारीबाग जिले में आता था चार भाई बहनों में शिबू सोरेन दूसरे नंबर पर आते थे । उनके पिता सोबरेन सोरेन गांधी वादी टीचर थे ।शिबू सोरेन के बचपन में दो नाम थे एक शिवलाल दूसरा शिवचरण उनके दादा चरण मांझी रामगढ़ राजा के टैक्स तहसीलदार थे । इसलिए परिवार आर्थिक तौर पर संपन्न था । हाई स्कूल में शिबू सोरेन को हॉस्टल वाले स्कूल में डाल दिया गया था उन दिनों ठंड बहुत होने लगा था साल 1957 और तारीख 27 नवंबर को हॉस्टल में शिबू सोरेन को खबर मिली कि उनके पिता की हत्या कर दी गई है। महाजनों को सूदखोरी के खिलाफ उनके पिता आदिवासियों को जागरूक किया करते थे इसी कारण उनके पिता को मार दिया गया था। सरकारी नौकरी में जाने वाला लड़का झारखंड का भाग्य का विधाता बन गया यह वह दौड़ था जब गोला और आसपास के क्षेत्र में सूदखोरी का बहुत तांता था। सूदखोर पहले गांव वालों को कर्ज देते थे फिर 500% तक सूद वसूलते थे। ब्याज नहीं देने पर महाजन उनकी जमीनों पर कब्जा कर लेते थे गांव वाले जब अपने खेत में धान उगाते थे तो महाजन धान उठवा ले जाते थे । शिबू सोरेन दसवीं क्लास में थे इस बात को वह बहुत अच्छी तरह से समझ चुके थे की पढ़ाई से ज्यादा जरूरी है महाजनों के खिलाफ आदिवासी समाज का इकट्ठा होना वह सब को इकट्ठा करते । अपने पिता की तरह उन्होंने सूदखोर महाजनों के खिलाफ काम करना शुरू कर दिया।

नेमरा बिहार के हजारीबाग जिले में आता था उन दिनों गोला मुरी रोड पर गोमती नदी पर पुल बन रहा था गोला के किसान विशु महतो को महाजन के लोग उनके जमीन हड़पने के लिए तंग कर रहे थे गोमती नदी पर पुल बन रहा था। गोला के किसान विशु महतो को महाजन के लोग जमीन हड़पने के लिए तंग कर रहे थे पिता के हत्या के बाद शिबू सोरेन ने तय किया कि वह विशु महतो की मदद करेंगे शिबू सोरेन ने महाजन के गुंडो को कहा कि वह विशु को परेशान ना करें और अगर उन्होंने ऐसा किया तो

अंजाम अच्छा नहीं होगा इलाके में पहली बार किसी ने गुंडों को गुंडो की तरह धमकी दी थी महाजन के गुंडे दोबारा विशु को परेशान करने के लिए नहीं आए। इससे लोगों में शिबू सोरेन को लेकर विश्वास जागने लगा लोग उनके साथ आ गए नई उम्र के इस लड़के में उन्हें अपना मसीहा नजर आने लगा था जो उन्हें सूदखोरों से मुक्ति दिला सकता था शिबू का प्रभाव बढ़ता जा रहा था । आदिवासी लोगों ने कहा कि अगर राजनीति में हमारा व्यक्ति होगा तो हमारी बात सुनी जाएगी तब तय हुआ कि शिबू सोरेन चुनाव लड़ेंगे शिबू ने बारंगा पंचायत के लिए पर्चा भरा । कहा जाता है कि अफसर की मिली भगत की वजह से शिबू सोरेन चुनाव हार गए । आदिवासी अपने ही खेतों में मजदूरों की तरह काम कर रहे थे शिबू ने लोगों से कहा कि तीर धनुष उठाओ और जबरन धान काटो हम देखेंगे कौन रोकता है। उनके इस आह्वान पर लोगों ने उनका साथ देना शुरू कर दिया उन्होंने अपनी एक टोली बना ली उसमें कई मजबूत नौजवान थे इन्हीं समर्थकों के बूते पर धान काटो अभियान शुरू हुआ पंचायतों में जहां महाजनों ने आदिवासियों की जमीन को हड़प लिया था और वहां खेती कर रहे थे तो शिबू सोरेन जबरन उनके धान काट लिया करते थे जिस खेत में धान काटना होता था उनके चारों ओर तीर धनुष लेकर शिबू सोरेन के साथ लोग तैयार रहते थे । और महिलाएं धान काटती थी । इस फसल को गांव वालों के बीच में बांट दिया जाता था इससे शिबू सोरेन की लोकप्रियता और बढ़ने लगी लोगों को उन पर विश्वास होने लगा था । शिबू सोरेन बहुत चर्चित हुए मगर उन्होंने महाजनों को अपना दुश्मन बना लिया शिबू सोरेन को रास्ते से हटाने के लिए महाजनों ने भाड़े के लोग जुटाए उन दिनों आदिवासियों को जागरूक करने के लिए शिबू बाइक से गांव-गांव घूमते थे उस दिन शिबू बराकर नदी के पास से गुजर रहे थे फिर उन्हें महाजनों के गुंडो ने घेर लिया बारिश का मौसम था शिबू समझ गए कि उनका बचना अब मुश्किल है उन्होंने आव देखा न ताव अपनी गाड़ी की तेज रफ्तार करते हुए नदी में छलांग लगा दी सभी को लगा कि वो मर चुके है मगर थोड़ी ही देर के बाद शिबू तैरते हुए नदी के दूसरे छोर पर पहुंच गए । लोगों ने इसे दिव्य चमत्कार समझा आदिवासियों ने शिबू सोरेन को दिशोम गुरु कहना शुरू कर दिया । संथाल में दिशोम गुरु का मतलब होता है देश का गुरु । इसी बीच विनोद बाबू सीपीआई छोड़ चुके थे वे अब शिबू सोरेन के साथ आ गए थे वह समझ गए थे कि आदिवासियों को अब एक राजनीति पार्टी की जरूरत है 4 फरवरी 1972 को शिबू सोरेन और उनके साथियों ने विनोद बाबू के धनबाद वाले घर पर बैठक की। बैठक में सोनोत संथाल समाज, शिवाजी समाज का नया संगठन बनाने का फैसला लिया गया। बैठक में नए नाम की चर्चा हुई नए संगठन का नाम झारखंड मुक्ति मोर्चा यानी झामुमो रखने का निर्णय लिया गया केंद्रीय समिति का गठन किया गया सभी के सहमति से विनोद बिहारी महतो को अध्यक्ष और शिबू सोरेन को महासचिव पूर्णेन्दु नारायण सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया।

1973 में झामुमो स्थापना रैली के बाद से काफी प्रसिद्ध हो चुका था। सूदखोरों का धान जबरदस्ती काटने पर शिबू सोरेन के खिलाफ कई केस दर्ज हो चुके थे कई जगह छापे मारे जा रहे थे। केबी सक्सेना धनबाद के नए उपायुक्त बनकर आए थे उन्हें शिबू सोरेन को पकड़ने के

आंसुओं में बसी पिता की विरासत

धूप का एक टुकड़ा, जैसे ही आकाश से नीचे उतरा, दिशोम गुरु झारखण्ड के सृजनकर्ता सह पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद शिबू सोरेन की अंतिम यात्रा में हर चेहरे पर एक गहरा साया छोड़ गया। झारखंड की माटी, जिसने उन्हें जननायक बनाया, आज मौन थी। हर पत्ता, हर हवा का झोंका शोक में डूबा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, एक बेटे की तरह नहीं, बल्कि उस महान वृक्ष की छाया में पले एक साधारण बालक की तरह खड़े थे। उस वृक्ष की छाया अब सदा के लिए छिन चुकी थी। दशकर्म के दिन, जब कर्मकांड की पवित्र वेदी पर हेमंत सोरेन ने अपने सिर के बाल अर्पण किए, वह केवल परंपरा का निर्वाह नहीं था, वह था आत्मा से आत्मा का संवाद। सनातन परंपरा में यह मुंडन केवल शारीरिक बदलाव नहीं, बल्कि मोह के बंधन से मुक्ति का प्रतीक होता है। यह उस क्षण का प्रतीक है, जब एक पुत्र अपने पिता को अंतिम बार प्रणाम करता है, अपने जीवन की हर स्मृति को श्रद्धांजलि देता है। हेमंत सोरेन के आंखों से निकले आंसूङ्क वे साधारण नहीं थे। वे जल नहीं थे, वे इतिहास थे। हर बूंद में वह बचपन था जब पिता ने उंगली पकड़ चलना सिखाया। हर आंसू में वे आदर्श थे, जो शिबू सोरेन ने अपने जीवन से दिए। वे संस्कार थे, जो विरासत में मिले, और अब उसी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। उनकी आंखों में वह धुंधली सी तस्वीर बार-बार उभर रही थी। पिता खेत में हल चलाते, आदिवासी अधिकारों के लिए संघर्ष करते, संसद में जनजातीय आवाज को बुलंद करते। वह छवि आज भी दिल को झकझोर रही थी। सनातन धर्म में जब पुत्र अपने पिता का श्राद्ध करता है, वह केवल शरीर को विदा नहीं करता, वह उस आत्मा को सम्मान देता है जिसने उसे आकार दिया। मुंडन उस वैराग्य का प्रतीक है कि अब मैं उनके बिना जीने को तैयार हूं, लेकिन उनके विचारों और शिक्षाओं के साथ। हेमंत सोरेन के बहते आंसू एक जीवंत दस्तावेज हैं। उस परंपरा का, जिसमें पुत्र पिता को देवता मानकर उनका अंतिम संस्कार करता है; उस संस्कृति का, जिसमें शोक केवल विलाप नहीं, एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत है। वे आंसू हमें यह सिखाते हैं कि एक नेता पहले एक बेटा होता है, एक पुत्र होता है और जब वह अपने पिता को खोता है, तो सत्ता की चमक भी उस शून्य को नहीं भर सकती। हेमंत सोरेन के आंसू आज हर झारखंडवासी की आंखों में हैं, क्योंकि यह केवल एक बेटे का शोक नहीं, बल्कि एक युग की विदाई है।

लिए जिम्मेदारी दी गई थी मगर बाद में उन्हें पता चला कि शिबू आदिवासियों के हित के लिए काम कर रहे हैं तब उन्होंने शिबू को लेकर अपना नजरिया ही बदल दिया शिबू सोरेन के पास आकर सक्सेना ने कहा कि मैं धनबाद का नया डीसी हूं आपसे मिलने आया हूं । शिबू ने सक्सेना को सामने बैठाया तभी डीसी ने कहा कि आपको देखकर लगता है कि आप आदिवासियों के मसीहा हैं लेकिन आपकी लड़ाई का तरीका गलत है जंगल में रहकर कब तक लड़ते रहेंगे आप कानून के सामने सरेंडर कर दीजिए वरना किसी दिन गोली के शिकार हो जाएंगे । सक्सेना की मौजूदगी में एक बड़ी सभा हुई जिसमें 25000 आदिवासियों ने भाग लिया सक्सेना ने कहा कि शिबू आदिवासियों के मसीहा है यह बात पूरे राज्य में फैल गई । मगर सूदखोर महाजनों ने इसका विरोध किया समर्पण से पहले ही सक्सेना का तबादला हो गया मगर उन्होंने तबादले से पहले बिहार के सीएम जगन्नाथ मिश्र और इंदिरा गांधी को चिट्ठी लिख चुके थे। उसके बाद फिर नया डीसी आए उनका भी शिबू से संपर्क जारी था एक दिन शिबू को थाने आने के लिए कहा गया उन्हें बताया गया कि थाने से ही मुख्यमंत्री आपसे बात करेंगे उसके बाद आप पर लगे केश को हटा दिया जाएगा। 1975 में एक दिन डीसी यानी डीएम शिबू सोरेन की ठिकानों पर पहुंची उन्हें बताया गया कि शिबू को कुछ देर के लिए जेल जाना पड़ेगा सभी चीजों को ठीक किया जा सके इसलिए । प्रशासन ने समर्थकों को भरोसा दिलाया उसके बाद शिबू ने सरेंडर किया कुछ दिन शिबू और उनके साथी जेल में रहे एक दिन शिबू को बोकारो जेल ले जाया गया । मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र से बातचीत हुई शिबू सोरेन की मुख्यमंत्री ने शिबू से कहा कि धीरे-धीरे केस हट रहे हैं आप जमानत के लिए आवेदन दीजिए आप जेल से छूट जाएंगे। उसके बाद शिबू और उनके साथी जेल से बाहर आ गए। साल 2000 में 2 अगस्त के दिन झारखंड बिल पारित हुआ । शिबू सोरेन पहली बार 2 मार्च 2005 को मुख्यमंत्री बने मगर बहुमत साबित नहीं कर पाने की वजह से उन्हें 10 दिन में ही इस्तीफा देना पड़ गया । 27 अगस्त 2008 को दूसरी बार शिबू सोरेन फिर मुख्यमंत्री बने, फिर तीसरी बार 30 दिसंबर 2009 को मुख्यमंत्री बने। उसके बाद 2013 से 2014 तक शिबू सोरेन के बेटे हेमंत सोरेन झारखंड के मुख्यमंत्री बने रहे। उसके बाद फिर 2019 से अब तक झामुमो की सरकार ही है। पिता सोबरेन सोरेन के संघर्ष को शिबू सोरेन ने सत्ता में बदला। ये रही दिशोम गुरु शिबू सोरेन की महाजनों से लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा तक आंदोलन और संघर्ष भरी जीवन गाथा। जिसे उन्होंने तय किया और आज पंचतत्व में विलीन हो गए। शिबू सोरेन का आदिवासियों के लिए किया गया संघर्ष के फल को आदिवासियों तक पहुंचाने की कोशिश मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कर रहे हैं उनकी पत्नी कल्पना सोरेन का आदिवासियों से लगाव और भी गहरा देखा जा रहा है।●

शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का निधन

● गुड्डी साव

झारखंड के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन का 15 अगस्त शुक्रवार की देर रात दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन उन्होंने 62 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया । उनका 2 अगस्त से ही इलाज चल रहा था। उनके बेटे ने ही रामदास सोरेन के सोशल अकाउंट के जरिए यह जानकारी साझा किया की अत्यंत दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि अब पिताजी नहीं रहे। रामदास सोरेन 2 अगस्त को अपने आवास के बाथरूम में फिसलकर गिर गए थे । जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई थी उसके बाद उन्हे दिल्ली ले जाया गया । वहां उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था शिक्षा मंत्री के निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख जताते हुए 'एक्स' पर लिखा कि ऐसे छोड़कर नहीं जाना था रामदास दा। परिजनों का कहना है कि वह मॉर्निंग वॉक जाने के लिए सुबह 4:30 बजे उठे थे उसके बाद में बाथरूम गए जहां या घटना हो गई। परिवार के लोग उन्हें लेकर तत्काल टाटा मोटर्स अस्पताल पहुंचे थे जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद स्थिति को गंभीर बताया था, उनके सिर में गंभीर चोट की वजह से उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया गया। वहां अपोलो अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रहे थे। रामदास सोरेन झामुमो के बड़े नेताओं में से एक थे, वर्तमान में घाटशिला से विधायक थे। चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पिछले मंत्रिमंडल में उन्हें कोल्हान के बड़े नेता के रूप में प्रोजेक्ट करते हुए मंत्री बनाया था। 2024 के चुनावी नतीजे के बाद उन्हें दोबारा मंत्री बनाया गया। 16 अगस्त को शिक्षा मंत्री का पार्थिव शरीर रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचा। राज्य के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। झारखंड विधानसभा परिसर में उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शनार्थ हेतु रखा गया। जहां विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो, राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, राज्य सरकार के मंत्री गण विधायक गण, पूर्व सांसद गण, पूर्व विधायक गण एवं विधानसभा के पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर भाविनी श्रद्धांजलि दी। रामदास सोरेन का जाना राजनीति और समाज के लिए अपूर्ण क्षती है। शिक्षा मंत्री के निधन की खबर झारखंड के लिए दोहरा दुख लेकर आई है। इससे पहले 4 अगस्त को दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन हुआ। एक महीने के भीतर राज्य ने दो बड़े आदिवासी नेताओं को खो दिया, जो झारखंड के लिए अपूर्ण क्षती है। रामदास सोरेन कोल्हान क्षेत्र में एक लोकप्रिय प्रभावशाली नेता माने जाते थे। वह झामुमो के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने घाटशिला विधानसभा क्षेत्र से 2009, 2019 और 2024 में तीन बार जीत दर्ज की थी। 2009 में उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तीन बार विधायक रहे। डॉक्टर प्रदीप बालमूचू को हराकर अपनी राजनीति की ताकत साबित की थी। उनके कार्यकाल को झारखंड के लोग हमेशा याद करेंगे।●

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद रावण का स्वागत

● गुड्डी साव

मंत्री हफीजुल हसन कार्यालय में 11 अगस्त को रांची स्थित अपने आवासीय कार्यालय में झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन ने नेमरा से लौटे आजाद समाज पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद श्री चंद्रशेखर आजाद 'रावण' जी का हार्दिक स्वागत किया। इस अवसर पर चंद्रशेखर आजाद ने मधुपुर सहित पूरे झारखंड में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में मंत्री हफीजुल हसन द्वारा किए गए विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की। दोनों नेताओं के बीच प्रदेश की प्रगति और सामाजिक न्याय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक एवं रचनात्मक चर्चा हुई। हफीजुल हसन ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद जी जिस साहस और निष्ठा के साथ संसद में देश के आदिवासी, मूलवासी, दलित एवं अल्पसंख्यक समाज की आवाज बुलंद करते हैं, वह न केवल प्रेरणादायक है बल्कि सामाजिक न्याय और समानता की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।●

हर्ष एवं उल्लास के साथ सीसीएल में मना स्वतंत्रता दिवस

● गुड्डी साव

15 अगस्त को सीसीएल मुख्यालय सहित सभी क्षेत्रों में 79वां स्वतंत्रता दिवस धूम-धाम के साथ मनाया गया। सीसीएल के सीएमडी श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने सीसीएल गांधीनगर कॉलोनी स्थित महात्मा गांधी क्रीड़ागन में ध्वजारोहण किया एवं सलामी दी। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री चंद्र शेखर तिवारी, मुख्य सर्तकता अधिकारी श्री पंकज कुमार, सीआईएसएफ की डीआईजी श्रीमती अनुराधा सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, श्रमिकसंघों के प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में सीसीएल कर्मी उपस्थित थे। सीएमडी श्री सिंह ने अवसर विशेष पर सुरक्षा बलों एवं विद्यार्थियों के परेडों का निरीक्षण भी किया।

सीएमडी, सीसीएल श्री सिंह ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी और वीर शहीदों के अतुल्घ्य पराक्रम को नमन किया। अपने संबोधन में श्री सिंह ने कहा कि यह दिन केवल आजादी का प्रतीक नहीं, बल्कि एक महान राष्ट्र के निर्माण के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सीसीएल न केवल भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, बल्कि नए भारत के निर्माण और झारखंड के औद्योगिक विकास में भी अहम योगदान दे रहा है। उन्होंने कंपनी के उपल्बधियों का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले साल सीसीएल ने उत्पादन और प्रेषण में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया, 5,400 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ (PBT) अर्जित किया और 96% ग्रेड कंफर्मिटी दर्ज की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में 245 हेक्टेयर वृक्षारोपण कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की गई, वहीं सौर ऊर्जा के क्षेत्र में 20 मेगावाट (पिपरवार) और 4 मेगावाट (गिरिडीह) संयंत्र से उल्लेखनीय उत्पादन हो रहा है। अपने संबोधन में भविष्य की परियोजनाएं पर उन्होंने कहा कि सीसीएल में ञठच ओसीपी का संचालन प्रारंभ हो चुका है, चंद्रगुप्ता ओसीपी जल्द शुरू होगी तथा आने वाले वर्षों में 14.5 एमटी क्षमता की 5 नई वाशरियां लगाई जाएंगी। न्यू कथारा कोकिंग कोल वाशरी को कोल इंडिया की पहली BOO परियोजना बताया, जिस पर 380 करोड़ रुपये का निवेश होगा।

पर्यावरण एवं सतत विकास की दिशा में सीसीएल ने 'Highwall Mining' तकनीक, मियावाकी पद्धति से पौधारोपण, ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम, फॉग कैनन, और इको- फ्रेंडली कोल हैंडलिंग प्लांट जैसी पहलें अपनाई हैं। साथ ही खदान जल से 2.4 लाख लोगों को पेयजल और सिंचाई की सुविधा मिल रही है। सीएमडी ने सीसीएल के शिक्षा, स्वास्थ्य और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए बताया कि 'नन्हा सा दिल' योजना से 45,000 बच्चों की हृदय जांच होगी और 500 बच्चों की निःशुल्क सर्जरी होगी। डिजिटल-विद्या, स्टेट लाइब्रेरी, मध्याह्न भोजन रसोई, महिला स्वरोजगार, वृद्धाश्रम, और आश्रय गृह जैसी सीसीएल की पहलों ने हजारों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है। सीसीएल के खेल अकादमी कैडेट्स (JSSPS) ने 1,800 से अधिक पदक जीते हैं, जिनमें 15 अंतर्राष्ट्रीय पदक शामिल हैं। कोल इंडिया रांची मैराथन और माइनिंग टूरिज्म को झारखंड की नई पहचान के रूप में सराहा गया।

अंत में श्री सिंह ने सीसीएल परिवार के परिश्रम, समर्पण और ईमानदारी को सलाम करते हुए सभी से सुरक्षा, पारदर्शिता और सतत विकास के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सीसीएल के सुरक्षा जवानों, सीआईएसएफ, एनसीसी कैडेट्स एवं विभिन्न स्कूल के बच्चों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीएवी, गांधीनगर, केन्द्रीय विद्यालय एवं ज्ञानोदय स्कूल के विद्यार्थियों ने देश-भक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुती दी, जिसे उपस्थित सभी ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के दौरान सीएमडी, निदेशकगण, सीवीओ एवं अन्य अतिथियों ने तीन रंगों वाले गुब्बारे उड़ाकर एकता और अखंडता का संदेश दिया। इसके पूर्व निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र ने दरभंगा हाउस परिसर एवं गांधीनगर अस्पताल में ध्वजारोहण किया एवं सभी को स्वतंत्रता दिवस की ढ़ेर सारी शुभकामनाएं दी।●

कोयला खदान से स्वच्छ जल सतता में एक नया अध्याय

● गुड्डी साव

11 अगस्त को प्रधानमंत्री के निर्देश पर कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कम्पनी सीएमपीडीआई ने सक्रिय और परित्यक्त कोयला खदानों में 437 खदान रिक्तियों का व्यापक मानचित्रण और जल गुणवत्ता मूल्यांकन किया है, ताकि मूल्यवान जल संसाधन में परिवर्तन की उनकी क्षमता का मूल्यांकन किया जा सके। इस अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि ये शून्य सामूहिक रूप से प्रति वर्ष अनुमानित 2 लाख सात सौ साठ लाख किलोलीटर अतिरिक्त जल प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, पश्चिमी देशों में खदानों का पानी अम्लीय होने के विपरीत, अधिकांश भारतीय कोयला खदानों से निकलने वाला खदान जल तुलनात्मक रूप से अच्छी गुणवत्ता का होता है और मामुली (मॉडरेट) उपचार के बाद ही घरेलू, औद्योगिक और कृषि उपयोग के लिए उपयुक्त होता है। कुछ मामलों में, उपचारित जल स्वयं सहायता समूहों (सेल्फ हेल्प ग्रुप्स) की भागीदारी के माध्यम से लागत-प्रभावी दरों पर बोतलबंद पानी के उत्पादन के लिए भी उपयुक्त हो सकता है। सीएमपीडीआई के अध्ययन ने संभावित अनुप्रयोगों के लिए इसकी गुणवत्ता की पुष्टि करने हेतु सीपीसीबी वर्गीकरण और

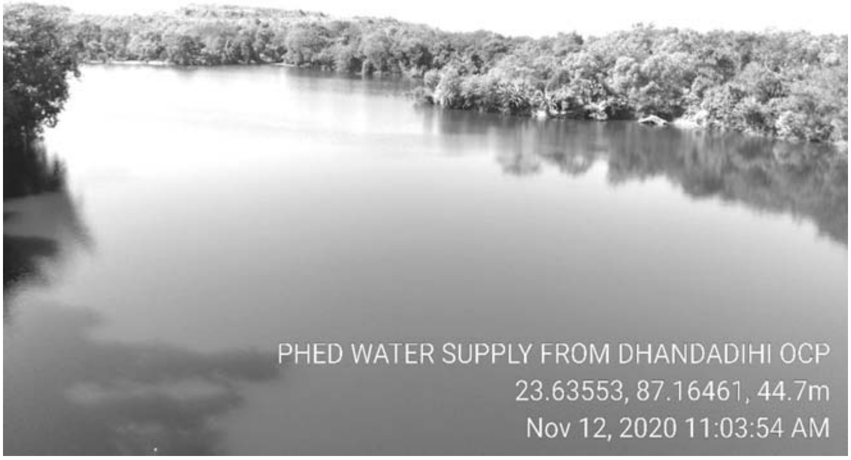

बीआईएस:10500 मानकों के आधार पर खदान जल की गुणवत्ता का मानकीकरण किया है। इसके अलावा, सीएमपीडीआई ने सिंचाई, सामुदायिक आपूर्ति और बोतलबंद पानी के लिए उपचारित खदान जल के उपयोग का प्रदर्शन और आगे अनुसंधान करने हेतु झारखंड सहित देश के छह राज्यों में 22 पायलट परियोजनाओं की पहचान की है। यह पहल स्वच्छ जल, स्वच्छता और जलवायु कार्रवाई के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास लक्ष्यों (यूएन सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स) के अंतर्गत भारत की प्रतिबद्धताओं में प्रत्यक्ष योगदान देती है। एक समीक्षा बैठक में कोयला मंत्रालय के सचिव (कोयला) ने सीएमपीडीआई की सराहना की और कोयला कम्पनियों को खदान जल के उपचार और पुनः उपयोग हेतु कार्य योजनाएं विकसित करने का निदेश दिया, जिसका उद्देश्य स्थानीय सामुदायिक कल्याण और जल सुरक्षा को बढ़ाना है। यह भारत के कोयला क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण सतत्ता मील का पत्थर है, जो पूर्व पर्यावरणीय देनदारियों को मूल्यवान सामुदायिक और औद्योगिक संसाधनों में बदल रहा है। ●

सीसीएल में सेवा अभिलेखों के डिजिटलीकरण पर कार्यशाला

● गुड्डी साव

Digitalisation of Service Files की कार्यशाला का आयोजन सीसीएल के स्पंदन सभागार में 12 अगस्त को किया गया । जिसकी अध्यक्षता श्री हर्ष नाथ मिश्रा निदेशक (मानव संसाधन) द्वारा की गई। इस में श्रीमती कविता गुप्ता महाप्रबंधक (मानव संसाधन/श्रमशक्ति) एवं सभी क्षेत्रों और इकाइयों के स्टाफ अधिकारी/ERP एवं नोडल ऑफिसर उपस्थित थे। इसमें निदेशक (मानव संसाधन) ने मार्गदर्शन देते हुए इस कार्य को दिए गए समय सीमा में करने का हिदायत दिया गया। उपलब्ध सभी

कर्मचारियों के सेवा पुस्तिका के विवरण को अपडेट करते हुए कंप्यूटरीकृत करने का निर्णय लिया गया। ज्ञात हो कि सर्विस शीट्स किसी भी कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड रखने का महत्पूर्ण माध्यम हैं, जिसको अपडेट एवं कंप्यूटरीकृत में करने से बहुत सारी विसंगतियां को दूर किया जा सकता हैं। यह मुद्दा विभिन्न श्रमिक संघो द्वारा भी समय समय पर उठाया जाता रहा हैं। इस कार्य के हो जाने से कर्मचारियों के service related प्रकरणों जैसे CMPF/PENSION/PROMOTION इत्यादी सरलता से किया जा सकता हैं। इसमें श्रमशक्ति द्वारा पुरे कार्य को कैसे किया जाना हैं, उसकी प्रस्तुति दी गई और ACCENTURE टीम द्वारा भी ERP/SAP डेटा अपलोड करने पर सहमती जताई गई। ●

जमशेदपुर में अत्याधुनिक अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल निर्माण की प्रक्रिया शुरू

● गुड्डी साव

औद्योगिक नगरी जमशेदपुर को आधुनिक परिवहन सुविधा देने की दिशा में राज्य सरकार ने अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सुगम और आरामदायक परिवहन के संकल्प के तहत मानगो डिमना चौक के पास 13 एकड़ जमीन पर यह डिपो तैयार होगा। नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने परियोजना को हेम (हाइब्रिड एन्युइटी मोड) पर बनाने की सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है और प्रस्ताव को प्रशासनिक स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार को उच्च गुणवत्ता युक्त आईएसबीटी निर्माण का निर्देश दिया गया है। इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी

जुडको को दी गई है। कर्नाटक की आइडेक एजेंसी ने परियोजना का खाका तैयार किया है, जिसकी लागत 145.24 करोड़ रुपये होगी। टर्मिनल भवन पांच मंजिला (दो बेसमेंट, ग्राउंड प्लस तीन मंजिल) होगा, जबकि वाणिज्यिक भवन एक बेसमेंट, ग्राउंड और तीन मंजिल का होगा। परिसर में 50 आदर्श पार्किंग, 23 एलिगेटिंग बस वे, 300 कार और 350 बाइक पार्किंग, जल संसाधन विभाग का कार्यालय एवं गोदाम, एसटीपी, डब्ल्यूटीपी, ईटीपी और आंतरिक-सड़क व्यवस्था होगी। फर्स्ट फ्लोर पर 80 सीटों वाला एसी वेटिंग हॉल, 120 बेड का यात्री डोरमेट्री, 60 बेड का चालक डोरमेट्री, फूड कोर्ट, शॉप्स, सुरक्षा कार्यालय, ट्रेवल एडमिन ऑफिस और शौचालय होंगे। ग्राउंड फ्लोर पर 23 बस वे, 18 टिकट काउंटर, क्लॉक रूम, लॉजिस्टिक सेंटर, रेस्टोरेंट, पब्लिक शौचालय और फूड कोर्ट की सुविधा रहेगी। परिसर को झारखंडी कला और पेंटिंग्स से भी सजाया जाएगा। ●

स्वतंत्रता दिवस पर मंत्री हफीजुल हसन ने किया झंडोत्तोलन

● गुड्डी साव

79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने अपने रांची स्थित आवासीय कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देश की आजादी के गौरवशाली इतिहास को याद किया। इस समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण को दोहराया। इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने अपने संबोधन में कहा, यह दिन हमें उन अमर वीर स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का है, जिनके त्याग, बलिदान और संघर्ष ने हमें आजादी का अनमोल उपहार दिया। हमारा राष्ट्र सदा इन महान नायकों का ऋणी रहेगा। उनके सपनों को साकार करने के लिए हमें एकजुट होकर देश की एकता, समृद्धि और प्रगति के लिए

कार्य करना होगा। आज का दिन हमें न केवल अपनी आजादी की कीमत को याद दिलाता है, बल्कि यह भी प्रेरित करता है कि हम अपने देश को और मजबूत, समावेशी और विकसित बनाने के लिए संकल्पबद्ध रहें। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान के साथ देशभक्ति के भाव को साझा किया और भारत माता की जय के नारों के साथ समारोह का समापन किया गया। ●

अपहरण के दो घंटे बाद छात्रा बरामद

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में स्कूल जा रही नाबालिग छात्रा का फिल्मी अंदाज में कार सवार अपराधियों ने अपहरण कर लिया। छात्रा के अपहरण की खबर सुनकर शहर में सनसनी फैल गई। हलांकि पुलिस ने भी फिल्मी अंदाज में त्वरित कार्रवाई कर छात्रा को मात्र 2 घंटे में रामगढ़ के कुज्जू से बरामद कर लिया। राँची के फल कारोबारी बलदेव सहाय, चर्च रोड निवासी मो. अफताब की 11 साल की बेटी हर दिन की तरह बुधवार की सुबह ई रिक्सा से डोरंडा स्थित बिशप स्कूल जा रही थी। छात्रा हर दिन उसी ई रिक्सा से स्कूल जाती थी। ई रिक्सा चालक ने बताया कि तीन छात्रा को वो हर दिन की तरह आज सुबह करीब साढ़े सात बजे स्कूल छोड़ने जा रहा था। उसी समय कार्तिक उरांव (सिरमटोली) फ्लाईओवर के ऊपर एक कार ने पीछे से टक्कर मार दी। उसके बाद उसने गाड़ी जैसे रोकी, इसी दौरान दो युवक पिस्टल लेकर उतरे और छात्रा को छिंचकर कार की डिक्की में डाल दिया। इस दौरान युवकों ने तीन राउंड फायरिंग की। कार सवार डोरंडा की ओर भाग गए। इसी बीच उसने तुरंत इसकी सूचना परिजन और पुलिस को दी। इधर सूचना मिलते ही पुलिस एक्शन में आ गई। चुटिया थाना पुलिस अपराधियों के पीछे लग गई।

वरीय पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर घेराबंदी शुरू कर दी गई। पुलिस की टीम अपराधियों के पीछे लग गई। राँची के अलावा खूँटी, रामगढ़, हजारीबाग, लोहरदगा पुलिस को भी अलर्ट किया गया। पुलिस की सक्रियता से बच्ची को दो घंटे के अंदर सकुशल बरामदगी कर लिया गया।

☞ **जानिए पूरी कहानी :-** राजधानी राँची में 30 जुलाई बुधवार को हुए स्कूली छात्रा अपहरण कांड में शामिल एक नाबालिग सहित आधा दर्जन अपराधियों को राँची पुलिस ने अपहरण की घटना के करीब 6 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। सभी पांच आरोपियों को गुरुवार को जेल भेज दिया गया है। वहीं एक नाबालिग को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

☞ **गिरफ्तार नाबालिग 12वीं क्लास का छात्र है :-** बता दें बुधवार की सुबह करीब आठ बजे फायरिंग कर एक स्कूली छात्रा के अपहरण ने राजधानी में सनसनी फैला दी थी, लेकिन राँची पुलिस ने घटना के कुछ ही मिनटों में त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी और पुलिस ने अपहरण के मात्र दो घंटे के भीतर छात्रा को सुरक्षित बरामद कर लिया और कुछ ही घण्टे में छह अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार कर लिया।

☞ **पूरी कार्रवाई में रामगढ़ पुलिस का बड़ा योगदान रहा :-** अपहरण की घटना के बाद राँची पुलिस की सुचना पर रामगढ़ पुलिस ने भी बिना देर किए राँची पुलिस का सहयोग किया और छात्रा को रामगढ़ के कुज्जू से बरामद कर लिया गया। वहीं, पुलिस की टीम ने रामगढ़ के गोला से चार अपहरणकर्ताओं को भी गिरफ्तार किया। वहीं, देर शाम दो और आरोपी चर्च रोड से पीयूष कुमार और फर्जी नम्बर प्लेट बनाने वाले बसीम को भी गिरफ्तार किया गया।

☞ **पूछताछ में किया खुलासा :-** गिरफ्तार अपहरणकर्ताओं ने पूछताछ में खुलासा किया है कि फल कारोबारी की बेटी का अपहरण कर लाखों की फिरौती वसूलने के लिए किया था। इसकी पूरी प्लानिंग छात्रा के पड़ोस में रहने वाले रुद्रांश विश्वकर्मा, विकास कुमार और ऋषभ वर्मन ने अपने साथियों के साथ मिलकर किया था और अंजाम भी दिया। गिरफ्तार आरोपियों में चर्च रोड निवासी रूद्रांश विश्वकर्मा, मेन रोड के विकास कुमार दास, अरगोड़ा के ऋषभ बर्मन, पीयूष कुमार, मो. वसीम और एक नाबालिग शामिल है।

☞ **एक सप्ताह से अपराध करने की योजना बनायी जा रही थी :-** गिरफ्तार मुख्य साजिशकर्ता और अपराधी रूद्रांश विश्वकर्मा पड़ोस के रहने वाली छात्रा के परिजन को अच्छी तरह से जानता है। उसे लगा की आपराधिक घटना को अंजाम देकर रूपया कमाया जा सकता है। उसने विकास, पीयूष और ऋषभ के साथ मिलकर बड़ी लूट या अपहरण जैसी घटना को अंजाम देने की प्लांनिंग शुरू की। योजना बनी की अपहरण किया जाए। आखिर किसका अपहरण किया जाए जिसको अंजाम देने के बाद मोटी रकम वसूला जाए। इसी दौरान रुद्रांश ने अपने पड़ोसी का नाम सुझाया और प्लांनिंग बनी बच्ची का अपहरण करने की।

आरोपी रूद्रांश फारेक्स ट्रेडिंग में पैसा लगाया करता है, लेकिन उसका पैसा डूब गया और उस पर कर्ज भी हो गया था। आरोपी को यह जानकारी थी कि छात्रा के पिता आफताब उर्फ सोनू फल विक्रेता हैं और उनके पास काफी पैसा है। इसी वजह से उसने बच्ची को टारगेट किया। तीन चार दिन पहले अपने साथियों के साथ मिलकर बच्ची के अपहरण की योजना बनायी। इसके लिए बच्ची की रेकी भी की गई। उसके बाद पहले 3500 में एक कट्टा और गोली खरीदा गया। वहीं एक दोस्त ने एक और हथियार जुगाड़ किया। जब बुधवार सुबह टुकटुक से बच्ची स्कूल जाने लगी, तभी आरोपी अपनी कार से सिरमटोली फ्लाइओवर में टुकटुक में टक्कर मारा और दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की। इसके बाद अपहरण की घटना को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने से पहले विकास कुमार कार लेकर सुबह 6 बजे रुद्रांश और ऋषभ का इंताजर करमटोली के पास कर रहा था। विकास के पास मोबाइल नहीं था। उसी दौरान विकास ने वहां खड़े एक ट्रक चालक से मोबाइल लेकर रुद्रांश को फोन किया। जो नम्बर पुलिस को मिल गया। इसी नम्बर को ट्रैक कर पुलिस अपराधियों तक पहुँच गई। करमटोली चौक के पास पीयूष बुलेट से रुद्रांश और ऋषभ को लेकर छोड़ने गया था। वहाँ से तीनों बुलेट पर सवार होकर कर्बला चौक पहुंचे। जहां नाबालिग लड़का छात्रा का टोटो से आने का इंतजार कर रहा था। फिर टोटो जैसे ही आगे बढ़ा चारों कार पर सवार टोटो के पीछे लग गए।

☞ **भाड़े में लिया था कार, बदल दिया नंबर प्लेट :-** आरोपियों ने छात्रा के अपहरण के लिए ड्रीम कार कंपनी कांटाटोली से दो दिन पहले भाड़े पर कार लिया। उस कार का नंबर प्लेट पर स्कूटी के नम्बर से मेन रोड रोस्पा टावर स्थित एक दुकान में बदलवाया। नम्बर प्लेट बनाने विकास गया था। विकास और रुद्रांश भी कार चलना जानते थे। इस वजह से कंपनी से ड्राइवर को नहीं लिया। कार बुधवार को ही लौटाना था। जिसके बाद आरोपियों ने भाड़े की कार से घटना को अंजाम दिया था।

☞ **बच्ची को कार में रखकर, फिरौती लेने की थी प्लानिंग :-** पूछताछ में मुख्य आरोपी रुद्रांश और विकास ने पुलिस को बताया कि छात्रा को अगवा करने के बाद उसे कहीं जंगल में ले जाकर उसके पिता से फिरौती की मांग करते और जब पैसा मिल जाता तो बच्ची को छोड़ दिया जाता। बाहर ले जाने की योजना नहीं थी। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन लोगों ने अपना एक निक नाम भी रखा था, ताकि छात्रा उनके नाम पता नहीं कर सके। छात्रा के सामने रूद्रांश खुद को हसीबुल्ला और विकास को सन्नी के नाम से बुला रहा था। वहीं, ऋषभ को बिट्टू और नाबालिग को प्रीतम के नाम से बुलाया जा रहा था।

☞ **पीयूष राँची में पुलिस की गतिविधियों की जानकारी ले रहा था, और रुद्रांश को पूरी जानकारी दी जा रही थी :-** रुद्रांश, विकास, ऋषभ और पीयूष ने पुलिस को बताया कि प्लान के अनुसार, पीयूष को राँची में रहना था और अपहरण के बाद परिजन और पुलिस की पूरी

जानकारी रुद्रांश को देना था। लेकिन राँची पुलिस की कार्रवाई से सभी घबरा गए और घबराहट में पहले बच्ची को छोड़ा फिर सभी पुलिस की गिरफ्त में आ गए।

☞ **रजरप्पा मंदिर में पूजा भी किया :-** पूछताछ में अपराधियों ने बताया कि बच्ची को कुज्जु के पास छोड़ने के बाद कार लेकर घाटों की ओर बढ़ गए। रास्ते मे जंगल मे जाकर वहां फर्जी नम्बर प्लेट हटाया और ओरिजनल नम्बर कार में लगाया। उसके बाद चारो रजरप्पा मंदिर पहुंचे। वहां पूजा भी किया फिर कार लेकर गोला पहुँचा इसी दौरान राँची पुलिस वहां पहुँच गई और चारो अपराधी दबोचे गए।

☞ **चुटिया के एक युवक और चुटिया पुलिस के एक सिपाही ने अपराधियों के मंसूबे पर पानी फेर दिया :-** अपहरण की घटना के बाद राँची पुलिस ने जिस प्रकार त्वरित कार्रवाई की है। उसका श्रेय दो और लोगों को जाता है। अगर दोनों अपनी भूमिका नहीं निभाते तो शायद अपराधी भागने में कामयाब भी हो सकते थे। दरअसल, जिस वक्त अपराधी कार्तिक उरांव (सिरमटोली) फ्लाइओवर पर अपहरण की घटना को अंजाम दे रहे थे। उसी वक्त चुटिया इलाके का एक व्यक्ति उधर से स्कूटी से जा रहे थे। उन्होंने घटना को सामने होता देख लिया और जिस कार से अपराधी घटना को अंजाम दे रहा था उस कार का नम्बर नोट कर लिया। जब अपराधी फायरिंग कर रहे थे तब उन्होंने अपनी गाड़ी तुरंत चुटिया थाना की ओर मोड़ दिया। उन्होंने तुरंत घटना के सम्बंध में चुटिया थाना पदस्थापित पुलिसकर्मी जेके मिश्रा को दिया। जेके मिश्रा ने इसकी जानकारी तुरंत पीसीआर को दिया और पीसीआर पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँचीं। इसी बीच जानकारी चुटिया थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत को दी गई। थाना प्रभारी ने घटना की सूचना एसएसपी को देते अपने दलबल के साथ अपराधियों की पीछे लग गए। एसएसपी ने जिले के सभी थानों को अलर्ट किया और सड़क पर वाहन चेकिंग अभियान शुरू करवाया। साथ ही खूँटी, लोहरदगा, रामगढ़, लातेहार, हजारीबाग पुलिस को सूचना प्रदान की और राँची पुलिस का ऑपरेशन शुरू हो गया। राँची के करीब ढेड़ दर्जन थानेदार को अपराधियों के पीछे लगाया गया। लेकिन फिर भी अपराधी पुलिस को चकमा देकर राँची जिला पार कर गए। लेकिन रामगढ़ एसपी के सटीक नाकेबंदी को पार नहीं कर पाए। पुलिस ने बच्ची सकुशल बरामद किया और आधा दर्जन अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। वहीं फर्जी नम्बर प्लेट बनाने वाले दुकानदार मो. वसीम ने बताया कि उसे इस सम्बंध में कोई जानकारी नहीं थी की नम्बर प्लेट फर्जी बनवाया जा रहा है। चूंकि विकास से जान पहचान था। वही नम्बर प्लेट बनवाने आया था। उसने कहा कि उसकी कार का नम्बर प्लेट टूट गया है। इसलिए नया बना दो। उसने नम्बर प्लेट बनाकर दे दिया। उससे ज्यादा उसे कुछ नहीं मालूम है। मुझसे एक बड़ी गलती हो गई कि बिना गाड़ी देखे ही नम्बर प्लेट बनाकर दे दिया।

☞ **अपहरण की इस घटना का कुछ ही घण्टो में खुलासा करने में इन पुलिस अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मियों का बहुत बड़ा योगदान रहा :-** राँची के एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा,ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, सिटी डीएसपी केवी रमन, रामगढ़ एसपी अजय कुमार, रामगढ़ एसडीपीओ, मांडू थाना प्रभारी, चुटिया थानेदार सह इंस्पेक्टर लक्ष्मीकांत, चुटिया थाना के एसआई, विवेक कुमार, जितेंद मिश्रा, निरंजन महतो, खादगढ़ा टीओपी प्रभारी दिवाकर, एएसआई भीम सिंह, एएसआई बिष्णु पांडेय, एएसआई अरविंद सिंह और एसएसपी का क्यूआरटी टीम और टेक्निकल टीम ने बड़ा योगदान दिया है।●

नामकुम ग्रिड डकैती कांड

कबाड़ी संचालक समेत 9 अपराधी चढ़े पुलिस के हत्थे

● **ओम प्रकाश**

रांची के नामकुम थाना क्षेत्र स्थित विद्युत सब स्टेशन (संचरण केन्द्रीय भंडार) के कर्मियों एवं सुरक्षा कर्मियों को बंधक बनाकर डकैती डालने वाले नौ अपराधियों को राँची पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना को 11 अपराधियों ने मिलकर अंजाम दिया था। घटना के बाद राँची के एसएसपी द्वारा बनाई गई एसआईटी ने नामकुम ग्रिड में हुए डकैती कांड का खुलासा कर लिया है। कांड में शामिल 11 में से नौ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसमें राँची और पटना के कबाड़ी संचालक भी शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली, राजेश कुमार सिंह उर्फ भोला, शाहिद अंसारी उर्फ जटला, ललन कुमार भुईया उर्फ बौना, जितु कुमार सिंह उर्फ जिजुवा उर्फ जीतु, फुरकान मल्लिक उर्फ फुरकान, बिरेन्द्र बेदिया उर्फ घोंची, दीपक कुमार सोनी, जितेन्द्र कुमार शामिल है। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही पर कांड में प्रयोग किये गये ऑटो वाहन सं०-JH01-FS-7047, ताला काटने में प्रयोग की जाने वाली कटर मशीन, मोबाइल एवं घटना में डकैती किए गए सामान को बरामद किया गया है।

एसएसपी ने प्रेसवार्ता में बताया कि डकैती गिरोह का मुखिया दिनेश लोहरा है। दिनेश लोहरा उर्फ दिनेश करमाली लातेहार का रहने वाला है। वर्तमान दिनेश राँची के डोरंडा थाना क्षेत्र के बड़ा घाघरा में रह रहा था। दिनेश ने अपने बयान में बताया कि उसने अपने 10 साथियों के साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया था। डकैती किए हुए सामान को पुन्दाग में कबाड़ी दुकान फुरकान मल्लिक और अरगोडा के कबाड़ी दीपक कुमार सोनी को बेच दिया था। दिनेश लोहरा के अनुसार कुल 253 किलो 750/- रुपये

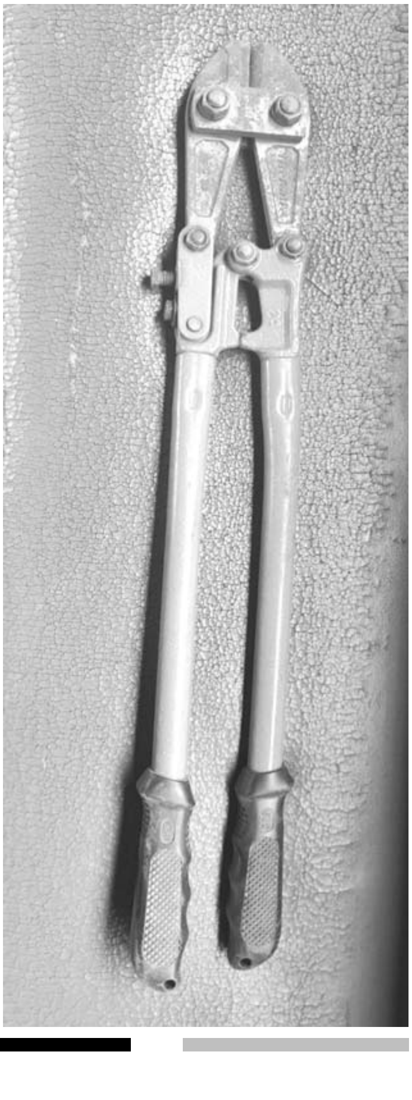

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पताः-**

☞ जय प्रकाश पासवान उम्र 30 वर्ष, पिता स्व० राजेन्द्र पासवान, ग्राम पस्साबेडा, थाना D.T.P.S. दुर्गापुर, जिला पश्चिमी बर्दवान (पं) बंगाल)।

☞ दिनेश चौधरी उम्र 22 वर्ष, पिता स्व० लालजी चौधरी, सा० वरियामाना, थाना D.T.P.S. दुर्गापुर, जिला पश्चिमी बर्दवान (पं० बंगाल)।

☞ भोला चौधरी उम्र 27 वर्ष, पिता मदन चौधरी, साठ वरियामाना, थाना D.T.P.S. दुर्गापुर, जिला पश्चिमी बर्दवान (पं० बंगाल)।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त जय प्रकाश पासवान का अपराधिक इतिहास :-**

☞ दुर्गापुर काण्ड सं0 445/22, घारा 363/365/367/354/354 (बी)/323/307/34 भा०द०वि०।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त दिनेश चौधरी का अपराधिक इतिहास :-**

☞ दुर्गापुर काण्ड सं0 447/22, धारा 399/402 भा०द०वि० एवं 26/35 आर्म्स एक्ट।

❖ **गिरफ्तार अभियुक्त भोला चौधरी का अपराधिक इतिहास :-**

☞ रजरप्पा थाना काण्ड सं0-118/25, 02.07.25, धारा 331 (6)/331 (8)/3 (5) बी०एन०एस०।

☞ गोला थाना काण्ड सं0-75/25, दिनांक 25.06.25, धारा 310 (2)/311/324(5)/324 (5)/3(5) बी०एन०एस०।

❖ **बरामद एवं जप्त सामानों का विवरण :-**

☞ लोहे का एक देशी कट्टा-01

☞ जिन्दा कारतुस जिसके पेन्दे पर ठडड 00 ज्ञ्थ अंकित- 02

☞ मोबाईल 04

☞ जियो कंपनी का सीम 02

☞ नगद रूपया- 1710 रूपये

☞ उजला रंग का बिना नंबर प्लेट का स्कॉर्पियों

☞ आर०सी० कार्ड जिसमें रजि० नं0-WB38AH 2738

☞ तार काटने वाला कटर और पिलास

☞ अन्य खाने-पिने का समान

के हिसाब से प्रति किलोग्राम की दर से बेचा गया था, जिसमें उसे 1,73,000 रुपये मिला। जिसे हम सभी लोग आपस में बांट लिया। वहीं, कबाड़ी दीपक सोनी ने चोरी का समान पटना में बेच दिया और उसके एवज में चार लाख रुपये अपने अकाउंट में मंगवा लिया। पकड़े गए सभी अपराधियों के द्वारा इस घटना में अपना-अपना अपराध को स्वीकार किया गया है। डकैती की घटना में संलिप्त अपराधी एवं अन्य की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापेमारी की जा रही है।

ओरमांझी से भी तीन गिरफ्तार हथियार बरामद :- पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक राँची महोदय द्वारा सूचना प्राप्त हुआ कि पावर ग्रीड में डकैती करने वाला एक गिरोह बिना नंबर प्लेट की स्कार्पियो गाडी से आया हुआ है, जो पावर प्लांट की रेकी कर रहा है तथा पावर ग्रीड में कॉपर तार की डकैती करने की योजना बना रहा है। जिसके बाद सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पुलिस उप महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक राँची के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन में पुलिस उपाधीक्षक सिल्ली, राँची के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। वही एक बिना नंबर प्लेट के स्कॉर्पियो को भी जप्त किया गया है। बताया गया कि ओरमांझी में निर्माणाधीन भारत माला प्रोजेक्ट रोड के पास पावरग्रिड में डकैती करने आए अंतरराज्यीय गिरोह के तीन गुर्गो को राँची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर के रहने वाले इन डकैतों में जयप्रकाश पासवान, दिनेश चौधरी और भोला चौधरी शामिल है। पुलिस ने इनके पास से देसी पिस्टल, कारतूस, मोबाइल, बिना नंबर प्लेट की स्कॉर्पियो गाड़, तार कटर आदि जब्त किया है। गिरफ्तार तीनों अपराधियों का पूर्व का आपराधिक इतिहास है। एसएसपी ने बताया कि आरोपी बिना नंबर प्लेट वाले वाहन से घूमकर वारदात कर रहे थे। शनिवार को ओरमांझी में पावरग्रिड की रेकी होने का पता चला। इसके बाद सिल्ली डीएसपी अनूज उरांव के नेतृत्व में टीम गठित करके घेराबंदी की गई। जिसके बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। ●

डीएसपी हेड क्वार्टर का पद होगा सृजित

● **ओम प्रकाश**

पलामू की पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया गया है। जल्द ही पलामू में डीएसपी हेडक्वार्टर का पद सृजित किया जाएगा। अभी तक यहां यह पद नहीं था, जिसके कारण एसडीपीओ(अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी) को ही हेडक्वार्टर से जुड़े प्रशासनिक कार्य निपटाने पड़ते थे। डीआईजी नौशाद आलम ने बिश्रामपुर एसडीपीओ कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण की जानकारी मात्र 30 मिनट पहले कार्यालय को दी गई थी। इसके बाद कार्यालय के अधिकारी और जवान तुरंत तैयार हो गए। डीआईजी के पहुंचते ही जवानों ने उन्हें सलामी दी। लगभग एक घंटे तक डीआईजी ने कार्यालय का जायजा लिया और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने अपराध और नक्सल गतिविधियों को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चोरी और

डकैती जैसे मामलों का जल्द उद्भेदन किया जाए। एक मुकदमे में गलत तिथि अंकित पाए जाने पर डीआईजी ने सवाल उठाया। इस पर अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय को भूल सुधार के लिए पत्र भेजा गया है। डीआईजी ने बिश्रामपुर अनुमंडल का नक्शा भी देखा और नक्सली घटनाओं तथा अपराध की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नक्सल और अपराध के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। निरीक्षण के बाद डीआईजी नौशाद आलम ने कहा, "पलामू पुलिस को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।जल्दी ही पलामू में डीएसपी हेड क्वार्टर का पद सृजित किया जाएगा, जिसमें प्रशासनिक कामकाज और पुलिसिंग में तेजी आएगी।●

सहेली ने गायब कर दिया 30 लाख का गहना, पति के साथ गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची में सीएमपीडीआई कर्मचारी रानी कुमारी के घर पर हुए लाखों के चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चोरी का खुलासा भी बेहद चौंकाने वाला है। रानी के यहां चोरी उनकी सबसे विश्वस्त सहेली ने ही की थी। सीएमपीडीआई में कार्यरत महिला क्लर्क रानी कुमारी के घर से 30 लाख रुपये से अधिक के आभूषण चोरी के मामले में पुलिस ने रानी कुमारी की करीबी दोस्त कविता शर्मा को इस चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही उसके पति विकास बहादुर को भी गिरफ्तार किया गया है। कविता ने चोरी के आभूषण अपने ही ऑफिस में छिपा कर रखे थे। जांच के दौरान पुलिस ने कविता के कार्यालय सीएमपीडीआई के फाइनेंस डिपार्टमेंट से 22 तोला सोना और हीरे के जेवरात बरामद किए हैं। आठ तोला सोना उसने अपने पति के पास हैदराबाद भेज दिया था, जिसे पति ने मुथूट फाइनेंस में गिरवी रखकर पांच लाख रुपये का लोन भी ले लिया। चोरी की आरोपी कविता शर्मा सीएमपीडीआई में चपरासी के पद पर कार्यरत है। जबकि उसका पति विकास बहादुर हैदराबाद के एक होटल में काम करता है। पुलिस ने बताया कि इसी साल पांच मई को गोंदा थाना अतंर्गत कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई कॉलोनी में चोरी की घटना हुई थी। इस संदर्भ में पीड़ित रानी कुमारी ने गोंदा थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी।

आवेदन के आधार पर अज्ञात के विरुद्ध करीब 298 ग्राम सोने के गहने चोरी किये जाने के आरोप में गोंदा थाना कांड सं0 58/25, धारा 331(4)/305 दर्ज किय गया था। इस कांड के उद्‌भेदन हेतु पुलिस उपाधीक्षक सदर संजीव कुमार के दिशा निर्देश पर पु०नि० सह थाना प्रभारी गोंदा के नेतृत्व में गठित टीम के द्वारा कांड का उद्‌भेदन किया गया है। एसएसपी ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में यह ज्ञात हुआ कि इस कांड मे चोरी किये गये गहनों को हैदराबाद के मुथुट फाईनेंस की शाखा में गिरवी रखकर करीब 5 लाख 43 हजार रुपये का लोन लिया गया है। जिसे अनुसंधान के क्रम में हैदराबाद से बरामद किया गया तथा विकास बहादुर की निशानदेही पर बाद में राँची मे पुनः छापेमारी के क्रम में पीड़ित की सहेली कविता शर्मा के द्वारा कांके रोड स्थित सीएमपीडीआई के कार्यालय के अलमारी से बरामद किया गया है। जिसे कविता शर्मा ने चोरी करने के बाद अपने कार्यालय के अलमारी में छिपाकर रख दिया था। इस कांड में संलिप्त दोनों अप्राथमिकी अभियुक्त पति-पत्नी विकास बहादुर और कविता शर्मा को गिरफ्तार किया गया है। दोनों के स्वीकारोक्ति बयान के आधार पर कांड में चोरी गये सोने एवं हीरे के गहने, जिनका मूल्य करीब 26 लाख रुपये हैं, उसे बरामद किया गया है।●

तीन करोड़ की ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखण्ड सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच ने करीब 2 करोड़ 99 लाख रुपए की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार साइबर अपराधी दिनेश कुमार झारखण्ड के जमशेदपुर का रहने वाला है। सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा साइबर अपराधियों के द्वारा किए गए बड़ी ठगी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा जमशेदपुर में छापेमारी कर दिनेश कुमार नामक साइबर ठग को गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी की साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा प्रेस रिलीज कर दी गई जानकारी के अनुसार सीआईडी के साइबर क्राइम थाने में कांड संख्या 88/2025 दर्ज किया गया था। दर्ज कांड में वादी के द्वारा यह बताया गया था कि टेलीग्राम ऐप पर संचालित ग्लोबल इंडिया साइट के लिंक को क्लिक करने पर शिकागो बोर्ड ऑफ एक्सचेंज में एक ऑनलाइन खाता खोलकर मेटल ट्रेडिंग में ऊंचे रिटर्न के झूठे वादों का लालच देते हुए निवेश के लिए विभिन्न बैंक खातों में कुल 2 करोड़ 99 लाख रुपए का साइबर अपराधियों के द्वारा अवैध हस्तांतरण करते हुए ठगी कर लिया गया था। जब सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा कांड का अनुसंधान शुरू किया गया तब जमशेदपुर पुलिस की सहायता से दिनेश कुमार नाम के साइबर ठग को गिरफ्तार किया गया है।

सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिस बैंक खाते में साइबर अपराधियों ने ठगी के पैसे को ट्रांसफर किया था, उसमें पहले से ही करोड़ों रुपए के निवेश संबंधी धोखाधड़ी के मामले पूर्व से दर्ज थे। ऐसे ही मामले में उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 36 पुलिस स्टेशन में भी ठगी का मामला दर्ज है। सीआईडी के साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार पूरे मामले की जांच आगे भी जारी है ताकि इस अंतरराज्य साइबर अपराध नेटवर्क से जुड़े अन्य बैंक खातों, संचालक और उनके डिजिटल संपत्तियों का पता लगाया जा सके। साइबर क्राइम ब्रांच के अनुसार कांड में संलिप्त इंडसइंड बैंक अकाउंट में एक दिन में एक करोड़ 15 लाख रुपए क्रेडिट हुआ था। इस मामले में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा संचालित नेशनल साइबर क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल के माध्यम से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार इस खाते के विरुद्ध उत्तर प्रदेश में एक और झारखण्ड में एक शिकायत दर्ज है।●

हाथ पैर बांधकर ई-रिक्शा चालक से लूटपाट

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में एक ई-रिक्शा चालक से लूटपाट के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन संदेही लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इस लूट में इस्तेमाल किए गए मोबाइल और कुल 9 ई-रिक्शा भी बरामद किए गए हैं, जिनमें से 8 अन्य मामलों में चोरी किये गये थे।

❖ **गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम :-**

☞ मो० सद्दाम अंसारी उर्फ सद्दाम अंसारी उम्र 28 वर्ष, पता ग्राम नारकोपी, थाना नारकोपी, जिला राँची, स्थायी पता-खेत मोहल्ला थाना पुंदाग ओ०पी० जिला राँची।

☞ अल्फाज अंसारी, उम्र 24 वर्ष, पिता रमजान अंसारी, पता ग्राम दामदा कॉलोनी नारकोपी जिला राँची। GRP राँची के कोड सं0-14/2021. धारा-414 भा०८०वि०।

☞ जेडेक उर्फ जॉन सोलेमे, उम्र-70 वर्ष, पिता स्व० जॉन विलसन, पता- नियर मेन रोड गुरुद्वारा

थाना हिन्दपीढ़ी थाना हिन्दपीढ़ी जिला राँची।

❖ **मो० सद्दाम अंसारी उर्फ सद्दाम अंसारी का अपराधिक इतिहास :-**

☞ GRP राँची के कांड सं0-33/2016. धारा-379/411 भा०द० वि०।

☞ जगरन्नाथपुर थाना कार्ड सं0-434/2023, धारा 380/457 भा०८० वि०

❖ **छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी :-**

☞ पी०के० मिश्रा, पुलिस उपाधीक्षक हटिया।

☞ पु०नि० सह थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद।

☞ पु०अ०नि० गौतम राय।

☞ पु०अ०नि० सत्यम कुमार।

☞ पु०अ०नि० अभिषेक कुमार।

☞ पु०अ०नि० मुकेश कुमार उपाध्याय।

☞ पु०अ०नि० पिंटू कुमार।

☞ टाईगर 09 स०अ०नि० गंगा महतो।

☞ टाईगर 09 आरक्षी 1670 तेजबहादुर सिंह।

☞ आरक्षी सुबल प्रवेश टोप्पो।

☞ पुलिस 3731 सुशील मिंज।●

तार स्क्रैप चोरी मामले में आठ अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी राँची के चुटिया थाना क्षेत्र में बिजली विभाग (टी आर डब्ल्यू), पॉवर हाउस चुटिया से हुई स्क्रैप तार चोरी के मामले का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर इस चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस अधीक्षक (नगर) राँची के निर्देशन और वरीय पुलिस उपाधीक्षक (नगर) के नेतृत्व में गठित इस टीम ने तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए आठ अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला चुटिया थाना में दर्ज किया गया था। मामले की जांच के क्रम में पुलिस को यह जानकारी मिली कि स्थानीय युवकों का एक संगठित गिरोह इस तरह की चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा है। पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी करते हुए इस गिरोह का भंडाफोड़ किया और आरोपियों

को गिरफ्तार किया।

❖ **गिरफ्तार अपराधियों में शामिल :-** गिरफ्तार अपराधियों में गुड्डू होरो उम्र 18 वर्ष, पिता मंटू होरो, केतारी बागान, थाना नामकुम, रोहित कुमार उम्र 24 वर्ष, पिता रघुनंदन महतो, चुना भट्ठा, थाना चुटिया, विवेक थापा उम्र 25 वर्ष, पिता स्व. रोशन थापा, हटिया तालाब, थाना चुटिया, दीपक महली उर्फ मड्डे, उम्र 28 वर्ष, पिता अशोक महली, साउथ रेलवे कॉलोनी, थाना चुटिया, पवन यादव उम्र 18 वर्ष, पिता अधिकारी यादव, केतारी बागान, थाना चुटिया, रॉकी नायक उम्र 26 वर्ष, पिता मनोज नायक, हटिया तालाब, थाना चुटिया एवं आर्यन मुंडा, उम्र 20 वर्ष, पिता सोनू मुंडा, पावर हाउस, नायक टोली, थाना चुटिया शामिल है। जांच के दौरान इन अपराधियों के पास से कुल 40 बंडल स्क्रैप तार घटना में प्रयुक्त स्कूटी (होंडा डियो, रजिस्ट्रेशन नंबर JH01DW-6788) और 6 मोबाइल फोन जब्त किए गए। बता दे कि इस गिरोह का संचालन बेहद संगठित ढंग से किया जा रहा था, जिसमें अभियुक्त रात के समय स्क्रैप तार चोरी कर उसे बेचने की योजना बना रहे थे। गिरोह के सदस्य घटनास्थल के आसपास पूर्व से रेकी करते थे और बिजली विभाग के सुरक्षा में कमी का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। गिरफ्तार अपराधियों में गुड्डू होरो और एक अन्य आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। पुलिस का मानना है कि यह गिरोह इलाके में हुए अन्य स्क्रैप चोरी की घटनाओं में भी शामिल हो सकता है। घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस द्वारा छापेमारी जारी है।

राँची पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से न सिर्फ इलाके में शांति व्यवस्था बनी है, बल्कि आम जनता का विश्वास भी पुलिस प्रशासन में और अधिक मजबूत हुआ है। पुलिस का कहना है कि भविष्य में इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए निगरानी और सतर्कता और भी अधिक बढ़ाई जाएगी।●

-: उद्भेदन टीम में शामिल पदाधिकारी :-

☞ लक्ष्मीकान्त, पु०नि० सह थाना प्रभारी चुटिया।

☞ जितेन्द्र मिश्र, पु०अ०नि०।

☞ अजय कुमार, स०अ०नि०।

☞ विश्वनाथ चौधरी, स०अ०नि०।

☞ विष्णु प्रकाश पाण्डेय, स०अ०नि०।

☞ अरविन्द कुमार सिंह, स०अ०नि० के साथ ही उनके साथ सशस्त्र बल की टीम।

जिन्दगी की सच्चाई

रोटी के चंद टुकड़ों में फंसा, इंसान क्या होता है
न वह मानव होता है,
न वह शैतान होता है,
मरना एक हकीकत है,
इंसानियत उसकी शहादत है,
कर्म उसका कफन है,
सेवा ही इबादत है,
पर क्या कोई मानेगा,
उसे बेवकूफ कहेगा,
यह तो एक बकवास है,
जीवन से निराश लोगों का एक सबल है, अच्छा वास है,
अर्थ ही कर्म है,
सामर्थ ही धर्म है,
काम ही सर्वस्व है,
मोक्ष तो व्यर्थ है,
किसने देखा है,
कौन देखेगा,
मृत्यु के आगे क्या है,
उसके बाद क्या होगा,
प्राप्त जीवन को क्यों न भोगु,
अपने पराये का क्यों न सोचूं,
परंतु क्या उसकी कोई सीमा है,
जीवन के भाग दौड़ से भागते कहां हो,
अपनी जिज्ञासा को रोकते कहां हो,
तन को न शांति है,
न मन को है चौन,
हाय- हाय की रट में
व्यस्त दिन रैन है,
धरी रह जाएगी सारी कमाई,
न कोई देगा तेरी विदाई,
खाली हाथ आया है,
खाली हाथ जाएगा ,
हाथ तेरे कुछ नहीं आएगा !!

● **अंजु प्रभा, वरिष्ठ कवियत्री**

उत्साह

थक चुकी थी वो, पर रुकी नहीं।
टूटी थी कई बार, पर बिखरी नहीं।
दुनिया ने सवाल किए, ताने मारे,
लेकिन उसने जवाब देना जरूरी नहीं समझा,
वो स्त्री थी।
एक माँ, एक कर्मचारी, एक औरत,
हर किरदार को निभाती हुई,
खुद को कहीं पीछे छोड़ आई थी।
कभी जिंदगी से पूछती,
'किसी को क्या बताऊं, कौन समझेगा मेरा दर्द?'
लोग तो सिर्फ नतीजे देखते हैं, जद्दोजहद नहीं।
एक दिन ऑफिस से थकी-हारी लौटी,
सर भारी, दिल खाली...
तभी नन्हे हाथों ने थामा उसका चेहरा,
'मम्मा, आज मैंने सब बच्चों को बोला कि मेरी मम्मा
सबसे स्ट्राँग है!'
बस... वही एक पल था, जिसने उसकी रूह को छू लिया।
उस दिन समझ आया,
जिंदगी का हिसाब-किताब नहीं होता,
बस अपना अपना नजरिया होता है।
लोगों को नहीं समझाना, खुद को समझाना होता है।
किसी को बताने की जरूरत नहीं,
जब तुम्हारा बच्चा ही तुम्हारी कहानी का,
सबसे सुंदर गवाह है।
अब तुम चलती हो, मुस्कुराती हो, कभी थकती हो,
पर जानती हो, तुम्हारा सफर बेकार नहीं गया।
तुम माँ हो और माँ कभी हारती नहीं।
तुम्हारी चुप्पी ही
तुम्हारी सबसे बड़ी ताकत है।
और तुम्हारी मुस्कान,
तुम्हारे बच्चे की सबसे प्यारी दुनिया।।

प्रांशा राज
लेखिका एवं शिक्षिका

मेष राशि :- ये माह पहले से ज्यादा अच्छा रहेगा,व्यापार अच्छा रहेगा,नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, परंतु कृषि क्षेत्र में परेशानी आएगी,माता को स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी, मामा पक्ष से सहयोग प्राप्त होगा, संतान सुख प्राप्त होगा,किसी पुराने मित्र से मुलाकात लाभप्रद रहेगी, समय अच्छा रहेगा!

वृषभ राशि :- वृषभ राशि के जातको को इस महीने आर्थिक परेशानी रहेगी,किसी महिला वर्ग से परेशानी आ सकती है, ध्यान देना होगा,व्यापार ठीक-ठीक रहेगा। नौकरी में परेशानी आएगी और पश्चिम दिशा में लाभ मिल सकता है, किसी रिश्तेदार के साथ व्यापार की साझेदारी में परेशानी आ सकती है।

मिथुन राशि :- मिथुन राशि वाले जातकों का ये माह पारिवारिक सुख वाला रहेगा,व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में सफलता मिलेगी,नौकरी में अधिकारी वर्ग से सहयोग प्राप्त होगा, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें, तकलीफ आ सकती हैं,पत्नी को सफलता प्राप्त होगी। किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात होगी!

कर्क राशि :- ये माह राजनीतिक क्षेत्र में सफलता वाला रहेगा, व्यापार में परेशानी आएगी, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, परंतु स्वयं के कार्य से अधिकारी नाराज रहेंगे,कृषि क्षेत्र ठीक-ठीक रहेगा, अविवाहित के विवाह योग बनेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।

सिंह राशि :- इस माह कोर्ट-कचहरी का फैसला विजय वाला रहेगा,व्यापार में परेशानी वाला समय रहेगा, कृषि क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। नौकरी में डर बना रहेगा,माह के अंत में राहत मिलेगी,पिता की स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी,ससुराल पक्ष से मानसिक तनाव रहेगा।

कन्या राशि :- ये माह जीवनसाथी की परेशानी वाला रहेगी, नौकरी अच्छी रहेगी, कृषि में उन्नति होगी, व्यापार ने भागीदारी सुनिश्चित करना होगा, माता से मानसिक व आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, किसी भी निवेश के पहले पूर्ण विचार करें, अन्यथा परेशान हो सकते हो।

तुला राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह पदोन्नति वाला रहेगा,व्यापार ठीक-ठीक रहेगा। कृषि मध्यम रहेगी,नौकरी में उन्नति होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे, किसी अनजान व्यक्ति से संपर्क करना दुखदायी रहेगा, स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखें,पुराने मित्र से अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्राप्त होगा।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

वृश्चिक राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह पहले से ज्यादा परेशानी वाला रहेगा, व्यापार सामान्य रहेगा, कृषि क्षेत्र में उन्नति होते-होते ब्रेक लग सकता है, नौकरी में साथियों से परेशानी आएगी, बहन को आर्थिक सहायता प्राप्त होगी, किसी भी साथी को लेकर मानसिक रूप से परेशानी आ सकती है।

धनु राशि :- ये राशि वाले जातकों के लिए यह माह संतान सुख वाला रहेगा, व्यापार ठीक-ठीक रहेगा, कृषि क्षेत्र में साधारण लाभ मिलेगा,नौकरी में किसी नए व्यक्ति से परेशानी आएगी, स्वयं के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहोगे, पिता को सामाजिक कार्यकर्ता से दूर होना पड़ सकता है,संतान के विदेश यात्रा के योग हैं!

मकर राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह स्थान परिवर्तन वाला रहेगा,नौकरी में उन्नति के योग हैं, व्यापार अच्छा रहेगा, जीवनसाथी को यह माह कुछ विशेष लाभ मिलेगा, घर में मांगलिक कार्य होने के योग हैं, किसी मिलने वाले से भूमि लाभ मिलेगा। किसी भी उच्च अधिकारी से सहयोग प्राप्त होगा!

कुंभ राशि :- इस राशि वाले जातकों के लिए यह माह भूमि-भवन के लाभ वाला रहेगा, व्यापार सामान्य रहेगा। कृषि क्षेत्र में बहुत अधिक परिश्रम करना पड़ेगा जिसका अच्छा लाभ मिलेगा, नौकरी में साथियों से सहयोग प्राप्त होगा, पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा, किसी पुरानी महिला साथी से मुलाकात होगी!

मीन राशि :-मीन राशि वाले जातकों के लिए यह माह सामाजिक प्रतिष्ठा वाला रहेगा, व्यापार में सफलता हासिल होते -होते रुक सकती है, ध्यान देना होगा, कृषि क्षेत्र में सफलता मिलेगी,नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा,पत्नी को नए क्षेत्र में सफलता मिलेगी,कोर्ट-कचहरी के मामले आगे बढ़ेंगे।

✯ जानिए क्या है सरकार की सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों के नियंत्रण की नीति?

सार्वजनिक स्थानों पर कुत्ता नियंत्रण नीति के मुख्य बिंदु हाल ही में सुप्रीम कोर्ट और सरकारी नियमों के आधार पर तय किए गए हैं, जिनका पालन पूरे भारत में अनिवार्य किया जा रहा है।

❖ **नीति के मुख्य बिंदु :-**

❖ **नसबंदी और टीकाकरण :-** आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी और रेबीज टीकाकरण किया जाएगा, फिर उन्हें उसी क्षेत्र में वापस छोड़ा जाएगा।

❖ **रेबीज ग्रसित या आक्रामक कुत्ते :-** जो कुत्ते बीमार या अत्यधिक आक्रामक हों, उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाएगा और अलग आश्रय स्थल में रखा जाएगा।

❖ **सार्वजनिक स्थानों पर खाना खिलाने पर रोक :-** सुप्रीम कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों और सड़क पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने से रोक लगा दी है। सभी नगर निगमों/स्थानीय निकायों को निर्देश है कि हर वार्ड में कुत्तों के लिए अलग फीडिंग स्पॉट बनाए जाएं।

❖ **कानूनी कार्रवाई :-** किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा आदेशों का उल्लंघन करने पर कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

❖ **सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों के अधिकारों की रक्षा का कानूनी प्रावधान :-**

☞ आवारा कुत्तों को सड़क पर खाना खिलाने की अनुमती नहीं है।

☞ सड़क पर घूमने वाले आवारा कुत्तों के अधिकारों की रक्षा के लिए भारत में कई कानूनी प्रावधान और हालिया सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश लागू हैं।

❖ **प्रमुख कानूनी प्रावधान :-**

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 :- इस कानून के तहत आवारा कुत्तों के साथ मारपीट, मारना, भगाना या उनकी जगह बदलना अपराध है। इन्हें क्रूरता से बचाने के लिए यह अधिनियम लागू है।

❖ **भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 :-** यह अनुच्छेद प्राण और दैहिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को सुरक्षित करता है, जिसमें जानवरों की गरिमा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी शामिल है। इससे जुड़ी सुप्रीम कोर्ट की व्याख्या यह स्पष्ट करती है कि पशु कल्याण और मानवीय सुरक्षा के बीच संतुलन जरूरी है।

❖ **पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियम :-** कोर्ट के दिशानिर्देश के अनुसार आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद वहीं छोड़ा जाता है, जहाँ से उन्हें पकड़ा गया था। आक्रामक या रेबीज संक्रमित कुत्तों को छोड़ना छूट का विषय है।

❖ **सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम प्रावधान (2025) :-**

☞ सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों को खाना खिलाने पर पूर्ण पाबंदी है।

☞ नगर निकाय को हर वार्ड में अलग से खाने के स्थान निर्धारित करने होंगे और उल्लंघन करने वालों पर कानूनी कार्रवाई होगी।

☞ नसबंदी और टीकाकरण के बाद ही आवारा कुत्तों को रिहा करना अनिवार्य है।

☞ पशु प्रेमियों को कुत्तों को गोद लेने की अनुमति है।

☞ सुप्रीम कोर्ट के अनुसार आवारा कुत्तों को अनावश्यक रूप से हटाया या मारा नहीं जा सकता, जब तक वे खतरनाक न हों।

❖ **नागरिक और कुत्तों के अधिकारों का संतुलन :-**
संविधान की व्यवस्था के अनुसार, राज्य का कर्तव्य है कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरनाक या संक्रमित कुत्तों का प्रबंध करे, जबकि सामान्य और स्वस्थ कुत्तों की बुनियादी देखरेख और अधिकार सुनिश्चित करे। सुप्रीम

शिवानंद गिरि

(अधिवक्ता)

Ph.- 9308454485
7004408851

E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

कोर्ट के अनुसार आवारा कुत्तों को अनावश्यक रूप से हटाया या मारा नहीं जा सकता, जब तक वे खतरनाक न हों।

❖ **नागरिक और कुत्तों के अधिकारों का संतुलन :-** संविधान की व्यवस्था के अनुसार, राज्य का कर्तव्य है कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरनाक या संक्रमित कुत्तों का प्रबंध करे, जबकि सामान्य और स्वस्थ कुत्तों की बुनियादी देखरेख और अधिकार सुनिश्चित करे। इन प्रावधानों से स्पष्ट है कि भारत में आवारा कुत्तों की रक्षा हेतु सख्त और संतुलित कानूनी व्यवस्था विद्यमान है, जिसमें मानव और पशु दोनों के हितों का ध्यान रखा गया है।

✯ बाल्फोर बनाम बाल्फोर कानूनी केस के बारे में बताऐं?

ष्बाल्फोर बनाम बाल्फोरष् (ठंसविनत अ ठंसविनत, 1919) अनुबंध कानून का एक ऐतिहासिक केस है, जिसमें पति-पत्नी के घरेलू समझौतों की कानूनी वैधता और अनुबंध में विधिक संबंध (समहंस तमसंजपवद) की आवश्यकता को स्पष्ट किया गया है।

❖ **मामले के मुख्य तथ्य :-** श्री बाल्फोर और उनकी पत्नी श्रीमती बाल्फोर इंग्लैंड में रह रहे थे। बीमारी के कारण पत्नी को इंग्लैंड रुकना पड़ा, पति श्रीलंका चले गए। दोनों में यह समझौता हुआ कि पति पत्नी को प्रतिमाह खर्च के लिए धन भेजेंगे। समय के साथ उनके संबंध बिगड़ गए और पति ने पैसे भेजना बंद कर दिया। पत्नी ने अदालत में दावा किया कि यह एक वैध व बाध्यकारी अनुबंध था और पति को भुगतान करना चाहिए।

❖ **मुख्य मुद्दा :-**
क्या पति और पत्नी के बीच का यह समझौता एक कानूनी अनुबंध (समहंस बवदजतंबज) था, जिसपर अदालत जबरन अमल करवा सकती थी?
क्या घरेलू या पारिवारिक समझौतों में पक्षकारों का कानूनी दायित्व (पदजमद. जपवद जव बतमंजम समहंस तमसंजपवदे) होता है?

❖ **न्यायालय का फैसला :-** निचली अदालत ने पत्नी के पक्ष में फैसला दिया, लेकिन अपील कोर्ट ने उस फैसले को बदल दिया। इंग्लैंड की कोर्ट ऑफ अपील ने कहा कि पति-पत्नी, अभिभावक-पुत्र जैसे घरेलू संबंधों में किए गए समझौते सामान्यतः कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं होते, जब तक स्पष्ट रूप से विपरीत इरादा न हो। इस प्रकार के घरेलू वादे `वबपंस हंतममउमदजे माने जाते हैं, न कि मदवितबमंइसम बवदजतंबजे स्थापित सिद्धांत घरेलू समझौतों की चतमेनउचजपवद रहती है कि पक्षकारों का कानूनी संबंध स्थापित करने का इरादा नहीं है। अनुबंध बनने के लिए ष्पदजमदजपवद जव बतमंजम समहंस तमसंजपवदेीपचष अनिवार्य है, जो घरेलू मामलों में आमतौर पर नहीं माना जाता।

❖ **महत्व :-** यह केस कानून विद्यार्थियों और न्यायिक परीक्षाओं के लिए अनुबंध और कानूनी दायित्व की व्याख्या का आधार है।

सारांश में, 'बाल्फोर बनाम बाल्फोर' केस ने स्पष्ट कर दिया कि नॉर्मल घरेलू समझौते कानून की नजर में बाध्यकारी अनुबंध नहीं होते जब तक दोनों पक्षों का कानूनी संबंध स्थापित करने का स्पष्ट इरादा न हो।

जन-जन की आवाज है केवल सच

निर्भीकता हमारी पहचान
केवल सच
हिन्दी मासिक पत्रिका

Kewalsachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
24 घंटे आपके साथ

Kewalsach news
Kewalsach news
Mob.: 9431073769, 9308815605
खबर वहीं, जो केवल सच हो

केवल सच TIMES

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

BHIM UPI
G Pay Paytm

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008